OPERATION SINDOOR

दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com

रायपुर, शनिवार, 10 मई 2025 | शुक्ल पक्ष-द्वादशी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-14 अंक- 88 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

पाकिस्तान ने कल रात दागे थे 500 से ज्यादा ड्रोन, 24 शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की

भारत के शस्त्रों से पाकिस्तान पस्त

नियंत्रण रेखा पर लेह से सरक्रीक तक 36 जगहों पर दागे तुर्किये ड्रोन, सभी नष्ट

करतारपुर कॉरिडोर के पास धमाका, बाडमेर में रेड अलर्ट

- **पाक के कायराना हमलों का मुंहतोड़ जवाब दे रहा भारत**

नई दिल्ली (ए.)। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के उरी और पुंछ सेक्टर में सीमा पार से गोलाबारी की। सेना के सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की ओर से जानबूझकर नागरिक इलाकों को निशाना बनाया गया। इस बीच जम्मू एयरपोर्ट के सायरन बजने के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में दुकानें बंद कर लीं और सुरक्षित स्थानों की ओर रवाना हो गए।

सीमा पार से पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर सीजफायर उल्लंघन की ताजा घटनाएं सामने आई हैं. शुक्रवार शाम को जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में सीमा पार से गोलाबारी की गई है. जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान की तरफ से उरी सेक्टर में भारी गोलाबारी शुरू हुई, जिससे सीमावर्ती इलाकों में दहशत का माहौल बन गया है. इसके बाद पाकिस्तान ने पुंछ और कुपवाड़ा सेक्टर में भी सीमा पार से गोलाबारी की. सीमा पार से मोर्टार दागे गए हैं. नौगाम हंदवाड़ा सेक्टर में भी पाकिस्तान की तरफ से गोलाबारी की गई।

इस समय देशभर में सात से अधिक संवेदनशील स्थानों पर सैन्य हलचल तेज़ हो गई है. सांबा, जम्मू और पठानकोट में ड्रोन गतिविधियों के साथ शेलिंग और ब्लैकआउट की खबरें हैं। उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा, उरी, नॉवगाम-हंडवाड़ा सेक्टर और पुंछ में एलओसी के पास भारी गोलाबारी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

300-400 ड्रोन से घुसपैठ का प्रयास

कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया, 'पाकिस्तानी सेना ने सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की नीयत से पूरी पश्चिमी सीमा पर भारतीय वायुक्षेत्र का कई बार उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर भारी कैलिबर वाले हथियारों से गोलाबारी भी की। अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर लेह से लेकर सरक्रीक तक 36 जगहों पर 300-400 ड्रोन का इस्तेमाल कर घुसपैठ का प्रयास किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने काइनेटिक और नॉन काइनेटिक साधनों से कई ड्रोन मार गिराए। बड़े पैमाने पर ड्रोन के जरिए हवाई घुसपैठ का संभावित उद्देश्य देश की वायुरक्षा प्रणालियों का परीक्षण और खुफिया जानकारी जुटाना था। ड्रोन के मलबे की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। प्रारंभिक जांच में तुर्किये के ड्रोन होने बात पता चली है।

बीएसएफ के जवानों ने सात आतंकवादियों को ढेर किया

नयी दिल्ली (वार्ता)। सीमा सुरक्षा बल(बीएसएफ) के जवानों ने जम्मू फ्रंटियर के सांबा सेक्टर में गुरुवार की रात घुसपैठ की कोशिश करने वाले सात आतंकवादियों को ढेर कर दिया।बी एस एफ के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि निगरानी ग्रिड को सांबा सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश करने वाले आतंकवादियों की भनक लगी। पाकिस्तान के रेंजर्स ढांढर पोस्ट से गोलीबारी कर आतंकवादियों को कवर दे रहे थे। बीएसएफ के सतर्क जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए कम से कम 7 आतंकवादियों को मार गिराया और पाक पोस्ट ढांढर को भारी नुकसान पहुंचाया।

भारत ने 24 एयरपोर्ट 15 मई तक किए बंद

नई दिल्ली । नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनज़र देश के 24 एयरपोर्ट्स पर डोमेस्टिक फ्लाइट्स की आवाजाही पर लगी रोक को अब 15 मई सुबह 5:29 बजे तक बढ़ा दिया है. ये निर्णय सुरक्षाकारणों के चलते लिया गया है, और इन एयरपोर्ट्स से उड़ानें नहीं भरी जाएंगी. इस कदम से संवेदनशील और सीमावर्ती क्षेत्रों के हवाई अड्डे प्रभावित होंगे, जिनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है. पंजाब के अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, बठिंडा, हलवाड़ा, पठानकोट एयरपोर्ट बंद रहेंगे, वहीं, हिमाचल प्रदेश के भुंतर, शिमला, कांगड़ा-गग्गल एयरपोर्ट बंद रहेंगे. केंद्र शासित प्रदेश का चंडीगढ़ एयरपोर्ट, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के श्रीनगर, जम्मू, लेह एयरपोर्ट, राजस्थान के किशनगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर एयरपोर्ट और गुजरात के मुंद्रा, जामनगर, हीरासर, पोरबंदर, केशोद, कांडला, भुज एयरपोर्ट बंद रहेंगे.

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

सेना प्रमुख को प्रादेशिक सेना को सहयोग के लिए जुटाने का अधिकार

नई दिल्ली/वार्ता। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे सैन्य तनाव के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब सेना प्रमुख को अधिकार दिया गया है कि वे प्रादेशिक सेना के हर अफसर और सैनिक को तैनात कर सकते हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर नियमित सेना की मदद की जा सके या उसकी ताकत बढ़ाई जा सके।

तीन साल तक लागू रहेगा आदेश

रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग ने 6 मई को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश 10 फरवरी 2025 से प्रभावी होगा और 9 फरवरी 2028 तक लागू रहेगा। इसका मतलब है कि अगले तीन सालों तक सेना प्रमुख के पास टीए को किसी भी जरूरी मिशन के लिए तैनात करने का पूरा अधिकार रहेगा।

प्रादेशिक सेना-75 सालों की सेवा

प्रादेशिक सेना, जिसे 9 अक्तूबर 1949 को स्थापित किया गया था, ने पिछले साल अपनी 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। यह बल न सिर्फ युद्ध के समय देश की सेवा करता है, बल्कि आपदा राहत, पर्यावरण सुरक्षा और मानवीय मदद में भी सक्रिय भूमिका निभाता है। टीए पूरी तरह से नियमित सेना के साथ जुड़ा हुआ है और इसके जवानों को उनकी बहादुरी और सेवा के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

आज बेबाक

चालबाज चीन ने पगलेट पाकिस्तान को छोटी गंगा बोलकर गंदे नाले में कूदा दिया और उसके कपड़े लेकर भाग गया। चीन ने एयर डिफेन्स सिस्टम के नाम पर पाकिस्तान को करोड़ों डॉलर के बदले कबाड़ टिका दिया। जब भारत ने पाकिस्तान पर हवाई हमला किया तो पाकिस्तान का एयर डिफेन्स सिस्टम ही उड़ गया। अन्य चाइनीज माल की तरह वह भी घटिया निकला। यही नहीं बल्कि चीन ने पाकिस्तान को खैरात में जो मिसाइलें दी थी वे भी फुस्स हो गई। चीन के उकसाने पर पाकिस्तान ने भारत से पंगा लेकर अपने हाथों अपनी कब्र खोदने का काम किया है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बीसीसीआई का बड़ा फैसला

आईपीएल 2025 का सत्र एक हफ्ते के लिए स्थगित

नई दिल्ली(ए.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया है। बीसीसीआई ने तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 का सत्र बीच में ही एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि फिलहाल लीग को एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया है। इसके बाद हम हालात का जायजा लेंगे और फैसला करेंगे। इसके लिए बोर्ड अलग से कार्यक्रम जारी करेगा। लीग के लिए विंडो को लेकर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

हम उम्मीद करते हैं संघर्ष और न बढ़े

नई दिल्ली(ए.)। भारत पाकिस्तान संघर्ष के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच संघर्ष और न बढ़े। उन्होंने कहा कि संघर्ष का उद्योगों पर नकारात्मक असर पड़ता है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी दम्मू रवि ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि हमें उम्मीद करनी चाहिए कि मौजूदा संघर्ष और न बढ़े। नई दिल्ली में पब्लिक अफेयर्स फोरम द्वारा आयोजित ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पीएम मोदी की हाई लेवल मीटिंग खत्म

- **तीनों सेनाध्यक्षों संग करीब दो घंटे बनाई रणनीति**

नई दिल्ली (ए.)। भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाकर पाकिस्तान की सेना ने गुरुवार रात भारत के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में कई सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश की. लेकिन भारत ने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के जरिए इन हमलों को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान की तरफ से हमले तब किए गए, जब भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाली कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं और टेरर ठिकानों को तबाह कर दिया था। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज साउथ ब्लॉक में सीडीएस और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ स्थिति की समीक्षा की।एनएसए प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण माग पर इस वक्त हाईलेवल मीटिंग हो रही है, इस बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, एनएसए अजीत डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिसरी मौजूद हैं। ये बैठक मौजूदा भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण हालात में काफी अहम मानी जा रही है।

बेलआउट पैकेज लेकर टेरर फंडिंग कर रहा पाक

भारत ने आईएमएफ की वोटिंग में नहीं लिया हिस्सा

नई दिल्ली । भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से पाकिस्तान को प्रस्तावित 1.3 बिलियन डॉलर के बेलआउट पैकेज पर मतदान से किनारा किया है। भारत ने इसके पीछे इस्लामाबाद के 'वित्तीय सहायता के इस्तेमाल में खराब रिकॉर्ड' का हवाला दिया है। भारत ने पाकिस्तान के लिए आईएमएफ के बेलआउट पर मतदान से किया किनाराभारत ने पाकिस्तान के लिए आईएमएफ के बेलआउट पर मतदान से किया किनारा। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है. हाल ही में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर सैन्य कार्रवाई की थी। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

एलओसी के बाद अब नेपाल सीमा पर अलर्ट

पीलीभीत। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए जिले में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

भेजी गई अतिरिक्त फोर्स, यलो अलर्ट का रिहर्सल

भारत नेपाल सीमा पर अतिरिक्त फोर्स भेजी गई है। दिन के साथ ही रात में भी प्रभावी गश्त के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और एसएसबी के जवान बीहड़ और कच्चे रास्तों पर नजर रख रहे हैं। वहीं यूपी के पीलीभीत में शुक्रवार दोपहर यलो अलर्ट रिहर्सल कर आमजन को सुरक्षा का अहसास कराया गया। डीएम-एसपी ने शहर का भ्रमण किया।

सुशासन तिहार — समस्याओं का समाधान करने आमजन के बीच पहुंच रही है सरकार

ईमानदार सरकार ने जनता के सामने रखी अपनी रिपोर्ट

- **मड़ेली में 75 करोड़ की लागत से 132 केवी सब स्टेशन की होगी स्थापना**
- **147 करोड़ की लागत से राजिम-छुरा 43 किमी सड़क का होगा चौड़ीकरण**

रायपुर /नवप्रदेश । ईमानदारी से काम करने वाली सरकार ही जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड रख सकती है। हमने ये काम किया है। हमारी पारदर्शी सरकार सुशासन तिहार के माध्यम से समस्याओं का समाधान करने के लिए आपके बीच पहुंच रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार के अंतर्गत गरियाबंद जिले की ग्राम पंचायत मड़ेली में आयोजित समाधान शिविर को संबोधित करते हुए यह बातें कही। साय ने कहा कि सुशासन तिहार के तीसरे चरण के पांचवें दिन आज 10 वें जिले में आप सभी के बीच आया हूं ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत का पता चल सके। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 75 करोड़ की लागत से ग्राम पंचायत मड़ेली में 132 केवी सब स्टेशन और विद्युत लाइन विस्तार तथा 147 करोड़ रुपए की लागत से राजिम से छुरा (बेलटुकरी होते हुए) 43 किमी सड़क चौड़ीकरण और पिपरछेड़ी जलाशय के अधूरे निर्माण को पूर्ण कराए जाने की बड़ी घोषणा की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भगवान राजीव लोचन के जयकारे के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को लगभग डेढ़ साल पूरे होने वाले है। इस दौरान हम मोदी की सभी गारंटियों को पूरा करने का काम कर रहे हैं। साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने सभी से वादा किया था कि सरकार बनते ही मुख्यमंत्री का पहला काम होगा कि वे सभी गरीब व जरूरतमंद परिवारों को पक्का छत मुहैया कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने पहली कैबिनेट में 18 लाख गरीब परिवारों के आवास को स्वीकृति दी थी और लगातार अब भी आवास देने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

नक्सलियों ने छह महीने तक युद्धविराम की घोषणा की

बीजापुर /नवप्रदेश । छत्तीसगढ़-तेलंगाना राज्य में नक्सलियों ने छह महीने तक युद्धविराम की घोषणा कर दी है। तेलुगु कैडर के नक्सली और नक्सल संगठन के प्रवक्ता जगन ने प्रेस नोट जारी कर युद्धविराम का ऐलान किया है। जगन ने तेलुगु भाषा में प्रेस नोट जारी किया है। जिसमें लिखा है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव और कविता ने भी शांति वार्ता के लिए पहल की थी। ये गर्व की बात है। शांति वार्ता के लिए शांति समिति का भी गठन किया गया था।

उन्होंने लिखा कि राज्य के कई बुद्धिजीवी वर्ग और मशहूर हस्तियां इसी मुद्दे पर अभियान चला रहे हैं। वार्ता प्रक्रिया को राज्य और देश में लोकतांत्रिक माहौल लाने के प्रयास के रूप में समझा जाना चाहिए। इन प्रयासों को सकारात्मक प्रभाव देने के लिए छह महीने तक युद्धविराम की घोषणा कर रहे हैं। सरकार से शांति वार्ता के लिए नक्सलियों ने अब तक कुल 4 पत्र जारी किए है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने रद्द कीं छुट्टियां

रायपुर/नवप्रदेश। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी छुट्टियों को रद्द करने का फैसला लिया है। पाकिस्तान के साथ उपजे तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, अगले आदेश तक किसी भी अधिकारी को छुट्टी नहीं दी जाएगी। स्टेशन अवकाश भी नहीं मिलेगा। अपरिहार्य स्थितियों में चिकित्सा आधार पर छुट्टी मिलेगी। पहले से स्वीकृत छुट्टियों को रद्द कर दिया गया है। जो अधिकारी छुट्टी पर हैं, उन्हें तुरंत ड्यूटी ज्वाइन करने का निर्देश दिया गया है।

ब्रांड मोदी से चलती है विरोधियों की भी रोजी-रोटी : प्रो.संजय द्विवेदी

भारतीय जन संचार संस्थान(आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी से वरिष्ठ पत्रकार आनंद सिंह की बातचीत-

प्रो.संजय द्विवेदी, भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी), नयी दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार, भोपाल के प्रभारी कुलपति और कुलसचिव भी रहे हैं।सक्रिय लेखक हैं और अब तक35 पुस्तकें प्रकाशित। 14 साल की सक्रिय पत्रकारिता के दौरान कई प्रमुख समाचार पत्रों के संपादक रहे। संप्रति माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में आचार्य और अध्यक्ष हैं। उनसे बातचीत की वरिष्ठ पत्रकार आनंद सिंह ने। प्रस्तुत है इस चर्चा के मुख्य अंश।

• टीवी चैनलों और डिबेट्स में इन दिनों पाकिस्तान को लेकर जो कुछ भी चल रहा है, उसे आप कैसे देखते हैं?

कोई भी दृश्य माध्यम बहुत प्रभावशाली होता ही है। टीवी का भी असर है। उसके साथ आवाज और दृश्य का संयोग है। दृश्य माध्यमों की यही शक्ति और सीमा दोनों है। टीवी पर ड्रामा क्रियेट करना पड़ता है। स्पर्धा और आगे निकलने की होड़ में कई बार सीमाएं पार हो जाती हैं। यह सिर्फ भारत-पाक मामले पर नहीं है। यह अनेक बार होता है। जब मुद्दे नहीं होतेतब मुद्दे खड़े भी किए जाते हैं। मैं मानता हूं कि इस मुद्दे पर चर्चा बहुत हो रही है, किंतु इसका बहुत लाभ नहीं है। हर माध्यम की अपनी जरूरतें और बाजार है, वे उसके अनुसार ही खुद को ढालते हैं। बहुत गंभीर विमर्श के और जानकारियों से भरे चैनल भी हैं। किंतु जब मामला लोकप्रियता बनाम गंभीरता का हो तो चुने तो लोकप्रिय ही जाते हैं। शोर में बहुत सी आवाजें दब जाती हैं, जो कुछ खास कह रही हैं। हमारे पास ऐसी आवाजें को सुनने का धैर्य और अवकाश कहां हैं?

• क्या आप यह मानते हैं कि इस देश में ट्रेंड जर्नलिस्टों की घोर कमी है?

ट्रेनिंग से आपका आशय क्या है मैं समझ नहीं पाया। बहुत पढ़-लिखकर भी आपको एक व्यवस्था के साथ खड़ा होना पड़ता है। हम लोग जब टीवी में नौकरी के लिए गए तो कहा गया कि ये लेख लिखने वाले खालिस प्रिंट के लोग हैं टीवी क्या करेंगें। किंतु हमने टीवी और उसकी भाषा को सीखा। हम गिरे या उन्नत हुए ऐसा नहीं कह सकते। हर माध्यम अपने लायक लोग खोजता और तैयार करता है। मैंने प्रिंट, डिजीटल और टीवी तीनों में काम किया। तीनों माध्यमों की जरूरतें अलग हैं। इसके साथ ही संस्थानों के चरित्र और उनकी जरूरतें भी अलग-अलग हैं। आप आकाशवाणी में जिस भाषा में काम करते हैं, वे बाजार में चल रहे एफएम रेडियो के लिए बेमतलब है। कोई ऐसी ट्रेनिंग नहीं जो आपको हर माध्यम के लायक बना दे। आप किसी एक काम को सीखिए उसी को अच्छे से करिए। जहां तक ट्रेंड जर्नलिस्ट की बात है, देश में बहुत अच्छे मीडिया के लोग हैं। बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इतने बड़े देश, उसकी आकांक्षाओं, आर्तनाद,दर्द और सपनों को दर्ज करना बड़ी बात है, मीडिया के लोग इसे कर रहे हैं। अपने-अपने माध्यमों के अनुसार वे अपना कटेंट गढ़ रहे हैं। इसलिए मैं यह मानने को तैयार नहीं कि हमारे लोग ट्रेंड नहीं हैं।

• क्या आप मानते हैं कि मीडिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्रबिंदु मान कर पत्रकारिता कर रहा है? प्रो- मोदी, एंटी मोदी को क्या आप मानते हैं?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके समर्थकों के साथ उनके विरोधियों ने भी बनाया है। मोदी का नाम इतना बड़ा हो गया है कि उनके समर्थन या विरोध दोनों से आपको फायदा मिलता है। अनेक ऐसे हैं जो मोदी को गालियां देकर अपनी दूकान चला रहे हैं, तो अनेक उनकी स्तुति से बाजार में बने हुए हैं। इसलिए 'मोदी समर्थक' और 'मोदी विरोधी' दो खेमे बन गए हैं। यह हो गया है। समाज जीवन के हर क्षेत्र में यह बंटवारा दिखने लगा है। राजनीति, पत्रकारिता, शिक्षा, समाज सब जगह ये दिखेगा। इसमें अंधविरोध भी है और अंधसमर्थन भी। दोनों गलत है। किसी समाज में अतिवाद अच्छा नहीं। मैं यह मानता हूं कोई भी व्यक्ति जो देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचा है वह सिर्फ गलत कर रहा है या उससे कोई भूल नहीं हो सकती, मैं इसे नहीं मानता। गुण और दोष के आधार पर समग्रता से विचार होना चाहिए। किंतु मोदी जी को लेकर एक अतिवादी दृष्टिकोण विकसित हो गया है। यहां तक कि मोदी विरोध करते-करते उनके विरोध भारत विरोध और समाज विरोध तक उतर आते हैं। यह ठीक नहीं है।

• कई यूट्यूब चैनल्स मोदी के नाम पर, चाहे विरोध हो अथवा प्रशंसा, लाखों रुपये कमाने का दावा करते हैं। क्या आप इस तथ्य से सहमत हैं कि यूट्यूब हो या मीडिया का कोई और प्रकल्प, वहां मोदी ही हावी रहते हैं? यह स्वस्थ पत्रकारिता के लिए किस रुप में देखा जाएगा?

मैंने पहले भी कहा कि श्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व ऐसा है कि उन्होंने अपने विरोधियों और समर्थकों दोनों को रोजगार दे रखा है। उनका नाम लेकर और उन्हें गालियां देकर भी अच्छा व्यवसाय हो सकता है, यही 'ब्रांड मोदी' की ताकत है।आपने कहा कि मोदी हावी रहते हैं, क्या मोदी ऐसा चाहते हैं? आखिर कौन व्यक्ति होगा कि जो गालियां सुनना चाहता है। यह बात ठीक है कि किसी का अंधविरोध अच्छी पत्रकारिता नहीं है। यह 'सुपारी पत्रकारिता' है। एक व्यक्ति जिसने अपनी जिंदगी के पचास वर्ष सार्वजनिक जीवन में झोंक दिए। जिसके ऊपर भ्रष्टाचार, परिवारवाद का कोई कलंक नहीं है। उसके जीवन में कुछ लोगों को कुछ भी सकारात्मक नजर नहीं आता तो यह उनकी समस्या है। नरेंद्र मोदी को इससे क्या फर्क पड़ता है। वे गोधरा दंगों के बाद वैश्विक मीडिया के निशाने पर रहे , खूब षड़यंत्र रचे गए पर उनके विरोधी कहां हैं और वे कहां हैं आप स्वयं देखिए।

• अनेक चैनलों पर आपने अब संघ की विचारधारा के लोगों को प्राइम टाइम में डिस्कस करते देखा होगा। क्या आप मानते हैं कि देश का मिजाज बनाने के क्रम में संघ मीडिया में घुसपैठ करने में कामयाब हुआ है?

आमतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रचार से दूर रहता है। उनके लोगों में छपने और टीवी पर दिखने की वासना मैंने तो नहीं देखी। जो लोग संघ की ओर से चैनलों पर बैठते हैं, वे संघ के अधिकृत पदाधिकारी नहीं हैं। संघ के विचार के समर्थक हो सकते हैं। इसे घुसपैठ कहना ठीक नहीं। संघ दुनिया के सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन है। उसके विचारों पर चलने वाले दो दर्जन से अधिक संगठनों की आज समाज में बड़ी भूमिका है। यह भी सच है कि प्रधानमंत्री सहित उसके अनेक स्वयंसेवक आज मंत्री, सांसद,विधायक और मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में समाज और मीडिया दोनों की रुचि यह जानने में है कि संघ की सोच क्या है। लोग इस बारे में जानना चाहते हैं। संघ की रुचि मीडिया में छा जाने की नहीं है। समाज की रुचि संघ को जानने की है। इसलिए कुछ संघ को समझने वाले लोग चैनलों पर अपनी बात कहते हैं। मुझे जहां तक पता है कि संघ इस प्रकार की चर्चाओं, विवादों और वितंडावाद में रुचि नहीं रखता। उसका भरोसा कार्य करने में है, उसका विज्ञापन करने में नहीं।

• हाल ही में आपने एक खबर पढ़ी होगी कि संघ प्रमुख मोहन भागवत पहली बार पीएमओ बुलाए गये और प्रधानमंत्री से उनकी लंबी बातचीत हुई। युद्ध की आशंका से घिरे इस देश में भागवत का मोदी से मिलना क्या संकेत देता है?

देश के सबसे बड़े सांस्कृतिक संगठन के मुखिया का प्रधानमंत्री से मिलना जरूर ऐसी बात है जिसकी चर्चा होगी ही। पिछले महीने भी नागपुर संघ मुख्यालय में जाकर प्रधानमंत्री ने सरसंघचालक से मुलाकात की थी। यह बहुत सहज है। उनकी क्या बात हुई, इसे वे दोनों ही बता सकते हैं। पर मुलाकात में गलत क्या है। संवाद तो होना ही चाहिए।

• सक्रिय पत्रकारिता में एक तथ्यात्मक फर्क ये देखने को मिल रहा है कि फील्ड के संवाददाता बहुधा अब फील्ड में कम ही जाते हैं। ऐसे अनेक उदाहरण मेरे पास हैं। यह पत्रकारिता, खास कर हिंदी पत्रकारिता को कितना डैमेज कर रहे हैं?

यह सही है कि मैदान में लोग कम दिखते हैं। मौके पर जाकर रिपोर्ट करने का अभ्यास कम दिखता है। इसके दो कारण हैं। पहला है सोशल मीडिया जिसके माध्यम से कम्युनिकेशन तुरंत हो जाता है। घटना के खबर, फोटो, इंटरव्यू आपके पहुंचने से पहले आ जाते हैं। सूचनाओं को भेजने की प्रक्रिया सरल और सहज हो गयी है। बातचीत करना आसान है। आप कहीं से भी किसी से भी बात कर सकते हैं। दूसरा यह है कि मीडिया बहुत बढ़ गया है। हर कस्बे तक मीडिया के लोग हैं। हो सकता है वे वेतनभोगी न हों, पर पत्रकार तो हैं। खबरें, वीडियो सब भेजते हैं। सो चीजें कवर हो रही हैं। ग्रामीण, जिला स्तर पर कवरेज का दायरा बहुत बढ़ा है। जिलों-जिलों के संस्करण और टीवी चैनलों के राज्य संस्करण आखिर खबरें ही दिखा रहे हैं। यह सही बात है कि पहले की तरह राजधानियों के संवाददाता, बड़े शहरों मे विराजे पत्रकार अब हर बात के लिए दौड़ नहीं लगाते, तब जबकि बात बहुत न हो। अभी जैसे पहलगाम हमला हुआ तो देश के सारे चैनलों के स्टार एंकर मैदान में दिखे ही। इसलिए इसे बहुत सरलीकृत करके नहीं देखना चाहिए। मीडिया की व्यापकता को देखिए। उसके विस्तार को देखिए। उसके लिए काम कर रहे अंशकालिक पत्रकारों की सर्वत्र उपस्थिति को भी देखिए।

• हिंदी अथवा अंग्रेजी या उर्दू, किसी भी अखबार को उठाएं, सत्ता वर्ग की चिरौरीनुमा खबरों से आपके दिन की शुरुआत होती है। क्या आप इस तथ्य में यकीन करते हैं कि हर रोज का अखबार सरकार के लिए चेतावनी भरे स्वर में शीर्षकयुक्त होने चाहिए, ना कि चिरौरी में?

मैं नहीं जानता आप कौन से अखबार की बात कर रहे हैं। मुझे इतना पता है कि 2014 से कोलकाता का 'टेलीग्राफ' क्या लिख रहा है। 'हिंदू' क्या लिख रहा है। मुख्यधारा केअन्य अखबार क्या लिख रहे हैं। देश का मीडिया बहुत बदला हुआ है। यह वह समय नहीं कि महीने के तीस दिनों में प्रधानमंत्री की हेडलाइंस बने। राजनीतिक खबरें भी सिकुड़ गयी हैं। पहले पन्ने पर क्या जा रहा है,ठीक से देखिए। पूरे अखबार में राजनीतिक खबरें कितनी हैं, इसे भी देखिए। मुझे लगता है कि हम पुरानी आंखों से ही आज की पत्रकारिता का आकलन कर रहे हैं। आज के अखबार बहुत बदल गए हैं। वे जिंदगी को और आम आदमी की जरूरत को कवर कर रहे हैं। देश के बड़े अखबारों का विश्लेषण कीजिए तो सच्चाई सामने आ जाएगी।

• एक नया ट्रेंड यह चला है कि आपने सत्तापक्ष को नाराज करने वाली खबरें लिखीं नहीं कि आपका विज्ञापन बंद। फिर बड़े-बड़े संपादक-प्रबंधक-दलाल सरकार के मुखिया से दो वक्त का टाइम लेने के लिए मुर्गा तक बन जाते हैं। आखिर ऐसे अखबारों पर लोग यकीन करें तो कैसे और क्या जनता को ऐसे अखबारों को आउटरेट रिजेक्ट नहीं कर देना चाहिए?

सत्ता को मीडिया के साथ उदार होना चाहिए। अगर सरकारें ऐसा करती हैं तो गलत है। मीडिया को सत्ता के आलोचनात्मक विमर्श का रिश्ता रखना ही चाहिए। यही हमारी भूमिका है। मैंने देश भर की पत्र-पत्रिकाओं का देखता हूं। मैंने ऐसी पत्र-पत्रिकाओं में उत्तर-प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश सरकार के विज्ञापन लगातार देखे हैं जिन्होंने मोदी और योगी की सुपारी ले रखी है। मीडिया अपना काम कर रहा है, उसे करने दीजिए। मीडिया को सताने के मामले में स्वयं को बहुत लोकतांत्रिक कहलाने वाली राज्य सरकारों का चरित्र और व्यवहार क्या रहा है, मुझसे मत कहलवाइए।

• इन दिनों आपको म्यूजिक सुनने का मौका मिल पाता है? पसंदीदा गायक कौन हैं?

संगीत तो जीवन है। मेरे सुनने में बहुत द्वंद्व है या तो गजल सुनता हूं या फिर भजन। जगजीत सिंह की आवाज दिल के बहुत करीब है। फिर मोहम्मद रफी मुकेश भी कम नहीं। लता जी के तो क्या कहने। सब रूह को छू लेने वाली आवाजें हैं। शनिवार और मंगलवार सुंदरकांड भी सुनता हूं।

• आखिरी मर्तबा आपने कौन सी पुस्तक पूरी पढ़ी? क्या हासिल हुआ आपको?

देश के प्रख्यात पत्रकार, समाज चिंतक और विचारक श्री रामबहादुर राय की किताब 'भारतीय संविधान-एक अनकही कहानी' मैंने पढ़ी है। जिसने संविधान से जुड़े तमाम सवालों को फिर से चर्चा में ला दिया है। पद्मश्री से अलंकृत और जनांदोलनों से जुड़े रहे श्री रामबहादुर राय की यह किताब कोरोना काल के विषैले और कड़वे समय के वैचारिक मंथन से निकला 'अमृत' है। आजादी का अमृतकाल हमारे राष्ट्र जीवन के लिए कितना खास समय है, इसे कहने की जरूरत नहीं है। किसी भी राष्ट्र के जीवन में 75 साल वैसे तो कुछ नहीं होते, किंतु एक यात्रा के मूल्यांकन के लिए बहुत काफी हैं। वह यात्रा लोकतंत्र की भी है, संविधान की भी है और आजाद व बदलते हिंदुस्तान की भी है। आजादी और विभाजन दो ऐसे सच हैं जो 1947 के वर्ष को एक साथ खुशी और विषाद से भर देते हैं। दो देश, दो झंडे, विभाजन के लंबे सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक असर से आज भी हम मुक्त कहां हो पाए हैं। आजादी हमें मिली किंतु हमारे मनों में अंधेरा बना रहा। विभाजन ने सारी खुशियों पर ग्रहण लगा दिए। इन कहानियों के बीच एक और कहानी चल रही थी, संविधान सभा की कहानी। देश के लिए एक संविधान रचने की तैयारियां। कांग्रेस- मुस्लिम लीग के मतभेदों को बीच भी 'आजाद होकर साथ-साथ जीने वाले भारत' का सपना तैर रहा था। वह सच नहीं हो सका, किंतु संविधान ने आकार लिया। अपनी तरह से और हिंदुस्तान के मन के मुताबिक। संविधान सभा की बहसों और संविधान के मर्म को समझने के लिए सही मायने में यह किताब अप्रतिम है। यह किताब एक बड़ी कहानी की तरह धीरे-धीरे खुलती है और मन में उतरती चली जाती है। किताब एक बैठक में उपन्यास का आस्वाद देती है, तो पाठ-दर पाठ पढ़ने पर कहानी का सुख देती है। यह एक पत्रकार की ही शैली हो सकती है कि इतने गूढ़ विषय पर इतनी सरलता से, सहजता से संचार कर सके। संचार की सहजता ही इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता है।

इस क्रम में मैंने इतिहासकार सुधीरचंद्र की किताब 'गांधी एक असंभव संभावना' को पढ़ा। इस किताब के शीर्षक ने सर्वाधिक प्रभावित किया। यह शीर्षक कई अर्थ लिए हुए है, जिसे इस किताब को पढ़कर ही समझा जा सकता है। 184 पृष्ठों की यह किताब गांधी के बेहद लाचार, बेचारे, विवश हो जाने और उस विवशता में भी 'अपने सत्य के लिए' जूझते रहने की कहानी है।जाहिर तौर पर यह किताब गांधी की जिंदगी के आखिरी दिनों की कहानी बयां करती है। इसमें 'असंभव संभावना' शब्द कई तरह के अर्थ खोलता है। गांधी तो उनमें प्रथम हैं ही, तो भारत-पाकिस्तान के रिश्ते भी उसके साथ संयुक्त हैं। ऐसे में यह मान लेने का मन करता है कि भारत-पाक रिश्ते भी एक असंभव संभावना हैं? सामान्य मनुष्य इसे मान भी ले किंतु अगर गांधी भी मान लेते तो वे 'गांधी' क्यों होते? मुझे लगा कि प्रत्येक विपरीत स्थिति और झंझावातों में भी अपने सच के साथ रहने और खड़े होने का नाम ही तो 'गांधी' है।

कार्यालय संपदा अधिकारी छ.ग. गृह निर्माण मण्डल सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-दुर्ग (छ.ग.)

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री स्वपन सरकार आ. श्री विश्वनाथ, निवासी-एम.आई.जी. डुप्लेक्स-28, हा.बो. औ. क्षेत्र भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग अन्तर्गत भवन क्रमांक एम.आई.जी. डुप्लेक्स-28, औद्योगिक क्षेत्र भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) में आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का विक्रय पत्रक उप पंजीयक कार्यालय, दुर्ग से दिनांक 14.03.2016 एवं फ्री-होल्ड दिनांक 22.05.2017 के अनुसार, उक्त भवन बयनामा रजिस्ट्री दिनांक 16.08.2017 को श्री बिजय कुमार दास आ. श्री अरिहर दास के नाम पर विक्रय कर दिया गया है। नवीन क्रेता श्री बिजय कुमार दास के द्वारा आवेदन एवं पंजीकृत दस्तावेज आधार पर उक्त भवन का स्वामित्व मण्डल अभिलेख में अपने नाम पर दर्ज कराने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः नवीन क्रेता श्री बिजय कुमार दास के नाम पर हस्तान्तरण/नामांतरण किया जाता है, तो किसी भी व्यक्ति, वारिसान, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था बैंक, वित्तीय निकायों इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो, इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर लिखित में आपत्ति/दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर प्रस्तुत करे बाद में प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं नामान्तरण की कार्यवाही करने के लिए मण्डल स्वतंत्र रहेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के साथ आज दिनांक 06.05.2025 को जारी किया गया है।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र दुर्ग (छ.ग)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00040 कसारीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी.202425430104100174

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00040 के अंतर्गत ग्राम कसारीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी श्रीमती जामबाई पिता/पति भागवत सिंह पता दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 687/211(0.0110) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता भागवत सिंह ठाकुर पिता/पति स्व. फूलसिंह ठाकुर पता वार्ड 42 हनुमान मंदिर के पास दुर्ग, अनूप सिंह ठाकुर पिता/पति भागवत सिंह ठाकुर वार्ड 42 हनुमान मंदिर के पास दुर्ग, ईश्वर सिंह राजपूत पिता/पति भागवत सिंह ठाकुर वार्ड 42 हनुमान मंदिर के पास दुर्ग, संतोष सिंह राजपूत पिता/पति भागवत सिंह ठाकुर वार्ड 42 हनुमान मंदिर के पास दुर्ग, ममता गौर पिता/पति भागवत सिंह ठाकुर वार्ड 42 हनुमान मंदिर के पास दुर्ग, मालती बर्नवाल पिता/पति भागवत सिंह ठाकुर वार्ड 42 हनुमान मंदिर के पास दुर्ग, के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28.05.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05.05.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी.202425430104800147

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00049 के अंतर्गत ग्राम रिसाली के वर्तमान भूमिस्वामी अजय कुमार अरोड़ा पिता/पति अनंतराम पंजाबी पता 38 सी.एच.एस.सी.एल के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 77/10(0.0200) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता रश्मि अरोरा पिता/पति स्व. अजय अरोरा पता मैत्रीकुंज रिसाली भिलाई जिला दुर्ग, किर्ती अरोरा पिता/पति स्व. अजय अरोरा पता मैत्रीकुंज रिसाली भिलाई जिला दुर्ग, के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28.05.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05.05.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी.202425430104800149

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00049 के अंतर्गत ग्राम रिसाली के वर्तमान भूमिस्वामी एल.बी. सिंह पिता/पति विश्वनाथ सिंह पता 7एच/82/6 भिलाई जिला दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 102/13(0.0300) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता विजयंत सिंह पिता/पति स्व. लालबदन सिंह पता आकांक्षा कुंज रिसाली भिलाई जिला दुर्ग, विपीन कुमार सिंह पिता/पति स्व. लालबदन सिंह पता आकांक्षा कुंज रिसाली भिलाई जिला दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 29.05.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06.05.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00040 कसारीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी.202425430104100175

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00040 के अंतर्गत ग्राम कसारीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी नरोत्तम पिता/पति ज्ञानदास पता कसारीडीह जिला दुर्ग, गोपचंद पिता/पति अग्राहिज पता कसारीडीह दुर्ग, रामबाई टंडन पिता/पति स्व. गोपाल पता कसारीडीह दुर्ग, राजेश्वरी बाई टंडन पिता/पति स्व. ओमप्रकाश पता कसारीडीह दुर्ग, के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 725/1(0.8480), 725/62 (0.0080) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता गोपचंद पिता/पति अग्राहिज पता कसारीडीह जिला दुर्ग, रामबाई टंडन पिता/पति स्व. गोपाल पता कसारीडीह जिला दुर्ग, राजेश्वरी बाई टंडन पिता/पति स्व. ओमप्रकाश पता कसारीडीह जिला दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28.05.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05.05.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी.202425430103900221

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी हेमलाल यादव पिता/पति माखन यादव पता दुर्ग, पुरुषोत्तम यादव पिता/पति माखन यादव पता दुर्ग, शकुन बाई पिता/पति घनश्याम यादव पता दुर्ग, कौशिल्या बाई पिता/पति घनश्याम यादव पता दुर्ग, के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 211/1(0.0770), 211/7(0.1780) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता पुरुषोत्तम यादव पिता/पति माखन यादव पता दुर्ग, मनीष यादव पिता/पति स्व. हेमलाल यादव पता मकान नं. 473 वार्ड 01 नयापारा दुर्ग, अरुणाबाई यादव पिता/पति स्व. हेमलाल यादव पता मकान नं. 473 वार्ड 01 नयापारा दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28.05.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05.05.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी.202425430104800144

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00049 के अंतर्गत ग्राम रिसाली के वर्तमान भूमिस्वामी भोलाराम पिता/पति सोनूराम कमलाबाई ध.प. पिता/पति भोलाराम सुरेन्द्र कुमार पिता/पति भोलाराम, हिम्मत पिता भोलाराम पता रिसाली भिलाई जिला दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 593/1(0.0900), 594(0.1000) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता प्राची देशमुख पिता/पति विजय कुमार देशमुख पता डबरीपारा रिसाली भिलाई जिला दुर्ग, हिम्मत लाल देशमुख पिता/पति स्व. भोलाराम पता डबरीपारा रिसाली भिलाई जिला दुर्ग, सुरेन्द्र कुमार पिता/पति स्व. भोलाराम पता डबरीपारा रिसाली भिलाई जिला दुर्ग, के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 23.05.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30.04.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार 04 तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील -दुर्ग प.ह.न. 00016 उरला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण-आर.डी. 202425430107200082

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00016 के अंतर्गत ग्राम उरला के वर्तमान भूमिस्वामी चिंताराम पिता/पति रामाधीन पता उरला जिला दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 25(0.2350), 359/2(0.0540), 359/4 (0.0270) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता मंगलवती साहू पिता/पति चिंताराम साहू पता वार्ड नं. 58 उरला तह. व जिला दुर्ग, रुपलाल साहू पिता/पति चिंताराम साहू पता वार्ड नं. 58 उरला तह. व जिला दुर्ग, घनश्याम साहू पिता/पति चिंताराम साहू पता वार्ड नं. 58 उरला तह. व जिला दुर्ग, गोपाल साहू पिता/पति चिंताराम साहू पता वार्ड नं. 58 उरला तह. व जिला दुर्ग, के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 30.05.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 04 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07.05.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-03 जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र- 202504103300022 /अ-6/ वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रा.प्र. कं. 202504103300022/3-6/वर्ष 2024-25 आवेदिका सरस्वती सरस्वती साहू पिता स्व. विष्णुप्रसाद साहू (पति-चुन्नीलाल साहू) निवासी तारबहार गुरूघासीदास मंदिर के पिछे वार्ड कर्माक 29 बिलासपुर छ.ग. के द्वारा मौजा ग्राम खुरसुल प.ह.नं. 21 रा.नि.म. अंजोरा (ख) तहसील व जिला दुर्ग स्थित खसरा नंबर 569.787 रकबा 0,19,00, 0.6600 हे. भूमि आवेदिका के पिता स्व. विष्णुप्रसाद साहू आ. पूरनप्रसाद साहू के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी विष्णुप्रसाद साहू, आ. पूरनप्रसाद साहू कि मृत्यु दिनांक 27.06.2018 को हो जाने पर राजस्व अभिलेख से मृतक भूमिस्वामी के नाम को विलोपित कर उनके विधिक वारिसानो के नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 16.05.2025 तक स्वयं अथवा विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति पेश कर सकतें हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.04.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के पद मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार राजनांदगांव जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनंत बिसरू सतार, आशा बाई निषाद, निषा निषाद, राधा निषाद सभी आ0 स्व.बिसरू सतार निवासी- बेहाईन्ड शुले महिला विद्यालय तकिया, पो. धनतोली जिला नागपुर (महाराष्ट्र) के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम अंजोरा प.ह.नं. 62 तहसील व जिला राजनांदगांव स्थित भूमि खसरा नंबर 153/1 रकबा 0.1050 है. भूमि का फौती हक में वैध वारिसानो का नाम दर्ज किय जाने का निवेदन किया गया है।

उक्ताशय के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी तारिख 05/05/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय तक लिखित में प्रस्तुत कर सकते है, बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 25/04/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
राजनांदगांव (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.99/अ-20(3)/ वर्ष 2024-25

आवेदक गणेश्वर कुमार साहू आ. दशरथ लाल साहू, निवासी नयापारा दाउरामचन्द्र नगर वार्ड नं. 01 तह. व जिला दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग नजूल स्थित भूमि शीट क. 09 सी, प्लाट नं. 12/2 का भाग, रकबा 34.75 वर्गमीटर दशरथ साहू आ. झुमुक साहू के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक की मृत्यु दिनांक 30.11.2023 को हो चुकी है। आवेदक द्वारा धारक की मृत्यु उपरांत उनके वारिसानों बसन्तीन बाई साहू ध.प. स्व. दशरथ साहू, गणेश्वर कुमार साहू, भरत साहू व लोकेश्वर प्रसाद साहू आ. स्व. दशरथ साहू के नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 21.05.2025 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28.04.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर
नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वाशु शर्मा पिता श्री दिनेश शर्मा निवासी गंजपारा तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा रमेश पुरोहित शर्मा पिता श्री राधेश्याम पुरोहित की जन्म/मृत्यु दिनांक 13.11.2021 को हो जाने पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15.05.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 29.04.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-03 जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र- 202504103300015 /अ-6/ वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रा.प्र.कं. 202505103300015/3-6/वर्ष 2024-25 आवेदक दिना ठाकुर पिता स्व. हीरा लाल ठाकुर निवासी ग्राम पीपरछेडी, तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा मौजा ग्राम पीपरछेडी प.ह.नं. 22 रा.नि.म. अंजोरा (ख) तहसील व जिला दुर्ग स्थित खसरा नंबर 180 रकबा 0.590 हे. लगान 3.00 रू. भूमि आवेदक के पिता हीरा लाल ठाकुर पिता स्व. प्रेमलाल ठाकुर के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज हैं। उक्त भूमि के भूमिस्वामी हीरा लाल ठाकुर पिता स्व. प्रेमलाल ठाकुर कि मृत्यु दिनांक 24.04.2025 एवं आवेदक की माता उषा बाई ठाकुर पति हीरालाल ठाकुर की मृत्यु दिनांक 11.09.2014 को हो जाने पर राजस्व अभिलेख से मृतक हीरा लाल ठाकुर पिता स्व. प्रेमलाल ठाकुर के नाम को विलोपित कर उनके विधिक वारिसानो के नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 21.05.2025 तक स्वयं अथवा विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति पेश कर सकतें हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05.05.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के पद मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.102/अ-20(3)/ वर्ष 2024-25

आवेदक शत्रुघन कुमार सोनी आ. स्व. छेदूराम सोनी, निवासी बैगापारा, गौराचौक तह. व जिला दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग नजूल स्थित भूमि शीट क. 28 सी, भूखण्ड क. 25, रकबा 32.00 वर्गमीटर उमाबाई शर्मा ध.प. स्व. प्रेम शर्मा के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक द्वारा आवेदक के पक्ष में पंजीकृत बयनामा दिनांक 11.04.2025 निष्पादित किया गया है। उक्त आधार पर आवेदक द्वारा प्रश्नाधीन भूखण्ड से धारकगण का नाम विलोपित कर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 21.05.2025 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28.04.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर
नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-03 जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र- 202504103300026 /अ-5/ वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रा.प्र.कं. 202504103300026/3-5/ वर्ष 2024-25 आवेदक डॉ. रमेश चन्द्र गुलाटी पिता स्व. कस्तूरी लाल गुलाटी निवासी-हाल मुकाम गुलाटी नर्सिंग होम, शंकर नगर दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा मौजा ग्राम सिलोदा प.ह.नं. 23 रा.नि.मं. अंजोरा (ख) तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 20 रकबा 5.874 हे. भूमि आवेदक के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज था। बंदोबस्त पश्चात राजस्व अभिलेख में उक्त भूमि कुल खसरा नंबर 9 कुल रकबा 5.440 हे. भूमि दर्ज हो गया है। वर्तमान में भूमि 5.874 हे. भूमि में 0.434 हे. भूमि त्रुटिपूर्ण कम होकर 5.440 हे. भूमि दर्ज हो जाने पर आवेदक द्वारा बदोबस्त पश्चात/राजस्व सर्वेक्षण के पूर्व एवं राजस्व सर्वेक्षण मे पश्चात वर्तमान में उक्त भूमि में से कोई भी भाग बिकी या विकय नही किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 13.05.2025 तक स्वयं अथवा विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति पेश कर सकतें हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.04.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के पद मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम नागेन्द्र खिचरिया | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं.

20250510040038/अ-2/ वर्ष 24-25

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/आवेदिका नागेन्द्र खिचरिया आ./पति ए.के. खिचरिया निवासी प्रगति नगर रिसाली भिलाई तह.व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम धनोरा प.ह.न. 53 तह. व जिला दुर्ग	924/8 926/36	0.0090 हें 0.0110हे वर्ग. 2203	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 06.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग, जिला दुर्ग

तनाव के बीच राजधानी में हिंद सेना के विजय के लिए किया हवन

■ विजयश्रोत का पाठ कर मां बंगलामुखी से मांगा आशीर्वाद

रायपुर/नवप्रदेश। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते युद्ध तनाव के बीच छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भारतीय सेना की सुरक्षा और विजय के लिए कामना को लेकर विशेष धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन किए जा रहे हैं. स्थानीय नागरिकों और स्वयंसेवी संगठनों ने मिलकर आज खम्हारडीह स्थित सुरेश्वर महादेव मंदिर में बंगलामुखी माता का हवन किया. सभी ने मंत्रोच्चारण के साथ माता से प्रार्थना की है कि इस हवन-पूजन की ऊर्जा हिंद सेना को मिले और पाकिस्तान को करारा जवाब मिले। मंदिर के पुजारी डॉ स्वामी राजेश्वरानन्द ने बताया कि सेना को बल प्राप्त हो, इसके लिए बंगलामुखी माता का हवन किया जा रहा है. इसमें ब्रह्मास्त्र विद्या होती है. शत्रुओं को परास्त करने मंत्र होता है. इसके साथ जल, थल और वायु सेना की ताकत और प्रोत्साहन के लिए नियमित आदित्य विजय श्रोत का पाठ कर रहे हैं, जो भगवान श्री राम ने श्रीलंका में विजय के लिए किया था। बंगलामुखी हवन-पूजन में लोगों ने राष्ट्रध्वज तिरंगे को सम्मानपूर्वक प्रदर्शित करते हुए माता से सेना के लिए आशीर्वाद मांगा है. साथ ही सभी देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत होकर 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए. हवन कुंड के सामने दीप जलाकर और मंत्रोच्चारण के साथ लोगों ने सेना की रक्षा और राष्ट्र की अखंडता के लिए प्रार्थना की है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीती रात (8मई-9मई की दर्मियानी रात) पाकिस्तान ने भारत के जम्मू, राजस्थान, गुजरात और पंजाब में 15 जगहों पर ड्रोन हमले किए, जिसे भारतीय सेना ने ध्वस्त कर दिया. रात भर दोनों देशों के बीच लगातार तनाव बढ़ता नजर आया. इसे लेकर देशवासी अपने अपने स्तर पर भारत के जीत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं. वहीं छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों में लोग एकजुट होकर भजन-कीर्तन, पूजन और यज्ञों का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम में भाग ले रहे एक आयोजक ने कहा, ÷हम यहां भारतीय जवानों की हिम्मत और साहस के लिए प्रार्थना कर रहे हैं. यह अनुष्ठान हमारी एकजुटता और आस्था का प्रतीक है। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी देशभक्ति की भावना को मजबूती दी. रायपुर में इस प्रकार की गतिविधियां यह दर्शाती हैं कि देश के कोने-कोने में नागरिक सेना के साथ खड़े हैं, और हर रूप में उनका मनोबल बढ़ाने को तैयार हैं।

सुशासन तिहार तीसरा चरण :बलौदाबाजार जिले के बलदाकछार पहुंचा सीएम साय का हेलीकॉप्टर

■ ग्रामीणों से मुलाकात जाना समस्या को

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की आम जनता की समस्या के निराकरण के लिए साय सरकार का सुशासन तिहार जारी है। विशेष अभियान के तीसरे चरण का आज 5वां दिन है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज औचक निरीक्षण पर बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सुदूर वनांचल गांव बलदाकछार पहुंचे। सीएम के आगमन पर ग्रामवासियों ने उनका तिलक लगाकर स्वागत किया।5 मई से 'सुशासन तिहार' के तीसरे चरण की शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 31 मई तक आकस्मिक दौरे पर निकलेंगे। इस विशेष अभियान के दौरान मुख्यमंत्री किसी भी समय, किसी भी जिले या गांव में अचानक पहुंच सकते हैं। सीएम साय का दौरा पूरी तरह गोपनीय रखा गया है। स्थानीय प्रशासन से लेकर आम जनता तक, किसी को भी इस बात की जानकारी नहीं होगी कि मुख्यमंत्री साय कब और कहां पहुंचेंगे।सीएम साय किसी भी जिले में पहुंचकर आमजनों से सीधे संवाद करेंगे और ग्रामीणों से मिलकर योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लेंगे। वे समाधान शिविरों में भी शामिल होंगे और लोगों की समस्याओं को मौके पर ही सुनकर समाधान की दिशा में कार्य करेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री साय ने मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और कोरिया जिले का दौरा कर जनहित योजनाओं की स्थिति का जायजा लिया था।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले के बाद स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर हाईअलर्ट

रायपुर/नवप्रदेश। देशभर में बढ़ते सुरक्षा खतरे और पाकिस्तान द्वारा ड्रोन व मिसाइल हमलों के बाद आज रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर हाईअलर्ट जारी कर दिया गया है. जम्मू एयरपोर्ट पर हुए आत्मघाती ड्रोन हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर रायपुर सहित सभी प्रमुख एयरपोर्ट्स पर सुरक्षा को लेकर चौकसी बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट परिसर और आसपास के संवेदनशील इलाकों में ष्ट्ढ्डस्स्न और राज्य पुलिस की विशेष टीमें तैनात की गई हैं. ड्रोन गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एंटी-ड्रोन यूनिट्स को भी एक्टिव कर दिया गया है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने यात्रियों से डिपार्चर टाइम से कम से कम 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचने की अपील की है. चेक-इन प्रक्रिया उड़ान से 75 मिनट पहले बंद कर दी जाएगी। राज्य प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां लगातार केंद्र से संपर्क में हैं और स्थिति की पल-पल निगरानी की जा रही है।

चिकनी मन्दिर, बैजनाथपारा, जवाहर मार्केट के सामने सड़क, नाली पर रखे टेबल जब्ती

रायपुर/नवप्रदेश।लगभग सुबह 8 बजे रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव के निर्देशानुसार जोन नगर निवेश उप अभियंता श्री नवीन वर्मा की उपस्थिति में जोन 4 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र के अंतर्गत चिकनी मंदिर के पास , बैजनाथपारा ,जवाहर मार्केट के सामने , धोबी गली में सामने सड़क एवं नाली में बाहर रखे टेबल की जप्ती , लगे एंगल आदि अन्य सामानों को तोड़ने एवं जप्ती की कार्यवाही की गई।

कैट का क्विक कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ अभियान को पूर्ण समर्थन

रायपुर/नवप्रदेश। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, प्रदेश अध्यक्ष परमानन्द जैन, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि आज कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) एवं स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारियों की बैठक कैट के प्रदेश कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षयता कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने की।कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने ऑनलाइन कंपनियों जैसे ई- कॉमर्स, क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स अमेजन, फ्लिपकार्ट, ब्लिंकिट, इंस्टामार्ट, ज़ेप्टो, स्विगी आदि पर प्रत्येक् विदेशी निवेश (एफ्डीआई) के ज़रिए प्राप्त धन का दुरुपयोग लगाने का आरोप लगते हुए कहा है की इससे ये कम्पनियाँ सामान आपूर्तिकर्ताओं पर अपना नियंत्रण रखते हुए इन्वेंटरी पर प्रभुत्व और सामान के मूल्यों के निर्धारण में मनमानी कर रही हैं।

राजधानी रायपुर के फार्म हाउस में खुलेआम चल रही थी हुक्का पार्टी

■ इवेंट ऑर्गनाइजर को पकड़कर पुलिस ने की खानापूर्ति

■ फॉर्म हॉउस का मालिक अब भी पकड़ से दूर, कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के वीआईपी रोड स्थित आदित्य फार्म हाउस में मंगलवार देर रात तेलीबांधा पुलिस द्वारा की गई छापेमार कार्रवाई ने शहर की कानून व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह हाई-प्रोफाइल बर्थडे पार्टी रायपुर के एक बड़े कारोबारी की बताई जा रही है, जहां हुक्का, नशीली सामग्री और शराब का खुलेआम सेवन हो रहा था। सूत्रों के अनुसार पार्टी में करीब 50 युवक-युवतियां शामिल थे, जो पुलिस की दबिश पड़ते ही जन्मदिन मन रहे कारोबारी समेत फरार हो गए। पुलिस ने मौके से दर्जनों हुक्के और मादक पदार्थ बरामद किए। हालांकि, छापेमारी के बाद केवल इवेंट कंपनी से जुड़े पार्टी ऑर्गनाइजर विकास सिंह बरोई को ही गिरफ्तार किया गया, जो कोलकाता के रहने वाले है। उनके खिलाफ कोटपा एक्ट की धारा 4 और 21(1) के तहत मामला दर्ज कर जेल भेजा गया है।

फार्महाउस मालिक रिंकू अरोरा की अब तक नहीं हुई गिरफ्तारी-जिस फार्महाउस में यह पार्टी आयोजित की गई, उसके मालिक और रियल स्टेट कारोबारी रिंकू अरोरा को पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। वहीं एफआईआर में भी मालिक का नाम नामजद आरोपियों में नहीं जोड़ा गया। लल्लूराम डॉट कॉम के सूत्रों की मानें तो रिंकू अरोरा शहर में ही मौजूद हैं उन्हें शंकर नगर स्थित जिम में देखा गया, और वे अपने मोवा स्थित ऑफिस भी गए।

पुलिस के जवाब पर उठे सवाल-तेलीबांधा थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा ने लल्लूराम डॉट कॉम से बातचीत में स्वीकार किया कि रिंकू अरोरा फार्महाउस के मालिक हैं, लेकिन संचालन की जिम्मेदारी किसकी है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। उनका कहना है कि रिंकू अरोरा को पूछताछ के लिए जल्द बुलाया जाएगा और जरूरत पड़ने पर एफआईआर में नामजद किया जाएगा।

सिर्फ नाममात्र की कार्रवाई?

इस पूरी कार्रवाई में पुलिस की निष्पक्षता और तत्परता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। छापे के दौरान कारोबारी, उनके मित्रों और युवतियों के मौके से फरार हो जाने के बाद भी अब तक किसी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।सूत्रों का कहना है कि यह कार्रवाई केवल दिखावे की हो सकती है, क्योंकि प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिशें स्पष्ट रूप से नजर आ रही हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पुलिस आगे किन लोगों पर कार्रवाई करती है और क्या रिंकू अरोरा सहित अन्य जिम्मेदारों को भी न्यायिक प्रक्रिया के तहत लाया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने 3 जिलों के अधिकारियों की ली बैठक

■ जनहित के कामों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

रायपुर/नवप्रदेश। सीएम विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज सूरजपुर जिले के जिला पंचायत सभागार में सूरजपुर, कोरिया और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित हुई. सीएम ने बैठक में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त शिकायतों के अनुसार जिन हैंडपंपों में मरम्मत की आवश्यकता है, उन्हें 10 दिवस के भीतर दुरुस्त कराया जाए. उन्होंने निर्देश दिए कि हैंडपंपों में राइजिंग पाइप का विस्तार कर जल्द मरम्मत की व्यवस्था की जाए, जिससे ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। सीएम ने अधिकारियों राजस्व प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने के साथ ही स्वामित्व योजना के अंतर्गत अधिकार अभिलेखों का वितरण करने के निर्देश दिए.

सीएम ने अधिकारियों को अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और नक्शा बंटांकन जैसे मामलों का शीघ्र निराकरण करने के भी निर्देश दिए। सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजना है. इसकी प्रगति पर विशेष ध्यान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए. इस योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

कांग्रेस की तिरंगा यात्रा : राजधानी रायपुर की सड़को पर गूंजा जयहिंद

■ भारतीय सेना जिंदाबाद के लगे नारे, पीसीसी चीफ के नेतृत्व में निकली रैली

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय सेना जिंदाबाद, भारत माता की जय ये नारे आज राजधानी रायपुर की सड़कों में गूंजे। शुक्रवार को भारतीय सेना के सम्मान में छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने तिरंगा यात्रा निकाली। पीसीसी चीफ दीपक बैज के नेतृत्व में निकाली गई रैली में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, सांसद ज्योत्सना महंत सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह यात्रा इंदिरा गांधी चौक (कालीबाड़ी चौक) से जयस्तंभ चौक तक निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य भारतीय सेना के साहस को नमन करने और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का सम्मान करना था। रैली की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। जिसके बाद हाथों में तिरंगा झंडा लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मालवीय रोड होते हुए जयस्तंभ चौक तक रैली निकाली। गुरुवार की देर रात पकिस्तान ने एक के बाद एक भारत के 15 जगहों पर ड्रोन से हमला किया, जिसे भारत के डिफेंस सिस्टम एस-400 ने विफल कर दिया है. इसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए भारत की ओर से भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए, जिसमें पाकिस्तान में तबाही मचा दिया. फिलहाल चंडीगढ़ और राजस्थान में पाकिस्तान बॉर्डर से लगे गांव हाई अलर्ट पर है।

पाक फैला रहा अफवाह पुलिस की सभी मीडिया से अपील

■ किसी भी मैसेज को बिना जांचे न करें फॉरवर्ड

रायपुर/नवप्रदेश। पहलगाम आतंकी हमले के करीब दो हफ्ते बाद भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की, जो अब भी जारी है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान सोशल मीडिया पर अब अफवाह भी फैला रही है। अफवाहों से सतर्क रहने की जरूरत है। रायपुर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सावधान रहें, सोशल मीडिया पर खासकर भारतीय सेना से जुड़ी झूठी और भ्रामक खबरें फैलाई जा सकती हैं। कृपया किसी भी मैसेज को बिना जांचे फॉरवर्ड न करें।

रक्षा मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी करते हुए एक्स पर पोस्ट किया है, जिसमें लिखा है कि 'सभी मीडिया चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और व्यक्तियों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही की लाइव कवरेज या वास्तविक समय की रिपोर्टिंग से बचने की सलाह दी जाती है। ऐसी संवेदनशील या स्रोत-आधारित जानकारी का खुलासा परिचालन प्रभावशीलता को खतरे में डाल सकता है और जान को खतरे में डाल सकता है। कारगिल युद्ध, 26/11 हमले और सकंधार अपहरण जैसी पिछली घटनाएं समय से पहले रिपोर्टिंग के जोखिमों को रेखांकित करती हैं।'

केवल नामित अधिकारियों को होगी ब्रीफिंग की अनुमति

पोस्ट में आगे लिखा है कि 'केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के खंड 6(1)(पी) के अनुसार, आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान केवल नामित अधिकारियों द्वारा आवधिक ब्रीफिंग की अनुमति है। सभी हितधारकों से आग्रह किया जाता है कि वे राष्ट्र की सेवा में उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए कवरेज में सतर्कता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी बरतें।'

एक्शन का दावा

ओपी चौधरी ने भारतीय सेना की जमकर सराहना की और पाकिस्तान को चेताया

पाकिस्तान से अब अंतिम फैसला हो ही जाना चाहिए:गृहमंत्री शर्मा

रायपुर/नवप्रदेश। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। दोनों ही देशों ने गुरुवार को एक-दूसरे पर एक्शन का दावा किया, वहीं भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को घुटनों पर लाकर खड़ा कर दिया है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भारतीय सेना की जमकर सराहना की और पाकिस्तान को चेताया है।

पाकिस्तान का अंतिम फैसला कर देना चाहिए शर्मा

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर ें मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है. उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान इस कार्रवाई को गलत मानते हुए भारत की सीमाओं पर ड्रोन और मिसाइल से हमला करेगा, तो भारत भी मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है. हमारी सेना ने जिस तरह उनके मिसाइल को सीमा में दाखिल होने से पहले ही निष्क्रिय किया, वह उनके शौर्य और तकनीकी क्षमता का परिचायक है. अब समय आ गया है कि पाकिस्तान का अंतिम फैसला कर ही देना चाहिए।

घुटनों पर पाकिस्तान : वित्त मंत्री ओपी चौधरी

छग के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि भारतीय सेना के साहस से पाकिस्तान को करारा जवाब मिला है. उन्होंने कहा, ÷भारत का एयर डिफेंस सिस्टम बेहद सशक्त है. आज पाकिस्तान और अतंकवाद घुटने टेकने पर मजबूर हो गया है. हमारी सेना ने पाकिस्तान के लाहौर तक में मौजूद उनके एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट कर दिया है. यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और सेना की तैयारी से संभव हो पाया है. यही कारण है कि पाकिस्तान के सारे प्रयास विफल रहे।

नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर कहा कि पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है. भारत ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है और संयम बरतते हुए आतंक के अड्डों को नेस्तनाबूत किया है. उन्होंने कहा कि भारत की सेना पूरी तरह सक्षम है और पाकिस्तान के सभी मंसूबे नाकाम होंगे।

होटल, लॉज बिना आईडी प्रूफ के किसी को भी रूम ना दें

■ अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जायेगी : महापौर मीनल

रायपुर/नवप्रदेश।राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने शहर के होटल, लॉज संचालको को नगर निगम मुख्यालय में बुलाकर महापौर कक्ष में उनकी बैठक लेकर उन्हें शहर में किसी भी अप्रिय घटनाओं पर कारगर अंकुश लगाने एवं सुरक्षा की दृष्टि से निर्देषित किया कि होटल संचालक उनके होटल, लॉज में बिना आईडी प्रुफके किसी को भी रूम ना दें, अन्यथा कडी कार्यवाही की जायेगी। महापौर ने होटल संचालको को निर्देषित किया कि अपने होटलो में नियमानुसार व्यवस्थित वाहन कार पार्किंग का प्रबंध करें। महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम अपर आयुक्त श्ऱ यू.एस. अग्रवाल, उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, नगर निवेषक आभाष मिश्रा , स्वच्छ भारत मिषन के सहायक अभियंता श्री योगेष कडु, सहायक अभियंता नगर निवेष सोहन गुप्ता, उपअभियंता श्री अमित सरकार की उपस्थिति में राजधानी शहर रायपुर के होटल लॉज संचालको की बैठक लेकर जनहित में आवष्यक चर्चा व विचार विमर्ष करते हुए उन्हे अनेक निर्देष दिये है।

सुविचार

फना होने की इजाजत किसी से ली नहीं जाती। वतन से मोहब्बत पूछकर की नहीं जाती। वंदेमातरम्।

खुद अपनी कब्र खोदने पर उतारू पाकिस्तान

पड़ौसी देश पाकिस्तान विनाशकाले विपरीत बुद्धि वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत के साथ एक और जंग लड़ने की अपनी ख्वाहिश को पूरा करने की कोशिश करके खुद अपने हाथों अपनी कब्र खोदने पर उतारू है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने आपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान के नौ आतंकी अड्डों को तहस नहस कर दिया तो इससे बौखलाकर पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जंग का आगाज कर दिया है। यद्यपि अभी तक न तो पाकिस्तान ने और न ही भारत ने अधिकृत रूप से दोनों देशों के बीच जंग छिड़ने का ऐलान नहीं किया है लेकिन सच्चाई तो यही है कि पाकिस्तान ने जंग छेड़ दी है और इसके जवाब में भारतीय सेना भी पलटवार करके उसे मुंहतोड़ जवाब दे रही है। बीती रात पाकिस्तान में भारत के 15 सैन्य टिकानों पर हमला करने की नाकाम कोशिश की। भारत ने इसके जवाब में फिर से मिसाइल दागी और पाकिस्तान के चार लड़ाकू विमान सहित उसके सौ से ज्यादा ड्रोन को मार गिराया। यही नहीं बल्कि पाकिस्तान के लाहौर स्थित एयर डिफेन्स सिस्टम को भी भारत ने तबाह कर दिया। इसके बाद भी पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने नहीं लग रही है और वह चीन से खैरात में मिले हथियारों की बदौलत भारत से जंग लड़ने के लिए उतारू है। पाकिस्तान को चीन हर संभव मदद मुहैया करा रहा है इसका सबूत यह है कि भारत ने पाकिस्तान की एक ऐसी मिसाइल को भी नेस्तनाबूत किया है जो चीन में बनी हुई है। जाहिर है भारत के खिलाफ जंग तो पाकिस्तान लड़ रहा है लेकिन इसके पीछे चीन का ही हाथ है। बहरहाल भारत ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और यह आगे भी जारी रहेगा। आपरेशन सिंदूर के पहले चरण की सफलता के बाद सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी घोषणा करते हुए कहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ अभी भी आपरेशन सिंदूर जारी है। सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक पार्टियों ने सरकार और भारतीय सेना की कार्यवाही का समर्थन किया है यही वजह है कि भारतीय सेना के जवानों के हौसले बुलंद हैं वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को संसद में विपक्षी पार्टियां गीदड़ करार दे रही है। और पाकिस्तानी सेना के प्रमुख अनिस मुनीर की भी कड़ी आलोचना कर रही है। जिस देश का विपक्षी दल भी सरकार के साथ नहीं है वह भला भारत के साथ जंग करके आखिर क्या हासिल कर पाएगा। वैसे भी पाकिस्तानी सेना के हौसले पस्त हो चुके हैं। भारतीय वायु सेना के पराक्रम के आगे पाकिस्तानी फाइटर जैट एक के बाद एक तबाह हो रहे हैं। इससे डरे हुए पाकिस्तानी पायलटों ने तो अपने हाथ खड़े करते हुए फाइटर प्लेन उड़ाने से ही इंकार कर दिया है। जाहिर है पाकिस्तान में भारतीय सेना के पलटवार से दहशत फैल गई है। पाकिस्तान के सभी हमले नाकाम हो रहे हैं। और अब भारतीय सेना पाकिस्तान के खिलाफ और बड़ी कार्यवाही करने जा रही है। जिससे पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है। चीन से आयातित उसका डिफेन्स सिस्टम पूरी तरह से तबाह हो चुका है। ऐसे में अब यदि अब भारतीय वायु सेना पाकिस्तान पर प्रहार करती है तो पाकिस्तान का धुंआ धुंआ हो जाना लाजमी है। गौरतलब है कि भारतीय वायु सेना ने आपरेशन सिंदूर के पहले चरण में सिर्फ आतंकी अड्डों को निशाना बनाया था। पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर उसने कोई हमला नहीं किया था। किन्तु पाकिस्तान ने भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश करके अब भारत को भी अपने सैन्य ठिकानों पर हमला करने की वजह दे दी है। कुल मिलाकर पाकिस्तान भारत से पंगा मोल लेकर अपने हाथों से अपने पैर पर कुल्हाड़ी नहीं मार रहा है बल्कि अपना पैर ही कुल्हाड़ी पर मार रहा है। जिसका उसे खामियाजा भुगतना ही पड़ेगा। पाकिस्तान के पास न तो भारत से जंग लड़ने के लिए हथियार है और न ही पाकिस्तानी सेना के हौसले कायम है। भारत के पलटवार से पाकिस्तानी सेना के छक्के छूट गये हैं। यहां तक की पाकिस्तानी सेना के प्रमुख अनिस मुनीर भी बंकर में जा छुपे हैं। खबर तो यह भी है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ भी सुरक्षित स्थान पर पहुंच गये हैं। ऐसे में पाकिस्तान क्या खाक जंग लड़ पाएगा। पाकिस्तान की सरकार और उसकी सेना की नाकामी के कारण बलुचिस्तान में भी बलुच आर्मी फोर्स ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और बलुचिस्तान से पाकिस्तानी झंडा उतारकर वहां बलुचिस्तान का झंडा लगा दिया है। बलुचो ने एक तरह से खुद को पाकिस्तान से अलग कर बलुचिस्तान को नया देश घोषित कर दिया है। बलुचो के आक्रमण के सामने पाकिस्तान सेना टीक नहीं पा रही है और मैदान छोड़कर भाग रही है। भारत को इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाना चाहिए और बलुचिस्तान को स्वतंत्र देश के रूप में सबसे पहले मान्यता दे दनी चाहिए। गौरतलब है कि पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल का 40 प्रतिशत हिस्सा बलुचिस्तान में आता है। यदि बलुचिस्तानी पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश की तरह एक नया देश बन जाता है तो पाकिस्तान की कमर पूरी तरह टूट जाएगी। इस बीच भारतीय सेना पाक अधिकृत कश्मीर पर भी कब्जा कर सकती है। पीओके में भी पाकिस्तान की सरकार और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बज चुका है। जाहिर है पाकिस्तान के कई टुकड़े होन जा रहे हैं।

खंड- (1) : राष्ट्र की बात

हर घर तिरंगा

विजय कुमार गुप्ता

धारा तीन सौ सत्तर का अब असर सुहाना आया।
देखो कश्मीर की घाटी में बच्चों ने झंडा फहराया।
युवा बच्चे बड़ों ने राष्ट्रभक्ति में झंडा शान बढ़ाया।
हंस चातुर्य के जैसे नीर-क्षीर स्वभाव दिखलाया।
भटका युवा अंतर्मन में देखो परिवर्तन रंग आया।
हाथों में पत्थर के बदले जब राष्ट्र-ध्वज लहराया।
बेबाक बुरी बेबस बोली का ही सुखद अंत आया।
झंडा थामने कंधा नहीं मिलने कितना बरगलाया।
आजादी का अमृत-महोत्सव पछत्तर वर्ष में आया।
भारत का अभिन्न अंग कश्मीर स्वर्ग सिद्ध कराया।
एक राष्ट्र एक ध्वज एक विधान ही सत्य जतलाया।
हर घर तिरंगा नारे ने आन-बान का अमृत बरसाया।

आज का पंचांग

सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त : 07:00, चन्द्रोदय : 16:10, चन्द्रास्त : 27:51, अयन : उत्तरायणे (उत्तरगोलीय), ऋतु : ग्रीष्म, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत : 2082 (सिद्धार्थी), मास : वैशाख,पक्ष : शुक्ल, तिथि : त्रयोदशी, नक्षत्र : चित्रा, योग : सिद्धि, प्रथम करण : बालव (14:56 तक), द्वितीय करण : कौलव (28:12 तक)।

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : मेष, चंद्र : कन्या, मंगल : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : मेष (उदय, पूर्व, मार्गी),गुरु : वृष (अस्त, पश्चिम, मार्गी), शुक्र : मीन (अस्त, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, मार्गी) राहु : मीन, केतु : कन्या।

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त : 11:46 से 12:41, अमृत काल : 17:23 से 19:11, रवियोग : 24:09 से 29:27, विजय मुहूर्त : 14:29 से 15:23, गोधूलि मुहूर्त : 18:58 से 19:19, सायाह्न सन्ध्या : 19:00 से 20:02, निशिता मुहूर्त : 23:52 से 24:34, राहुकाल : 09:00 से 10:30, राहुवास : दक्षिण-पूर्व, यमगण्ड : 15:37 से 17:18, दुर्मुहूर्त : 08:10 से 09:04, होमाहुति : शनि (24:09 से चन्द्र), दिशा शूल : पश्चिम, अग्निवास : पृथ्वी, चन्द्रवास : दक्षिण,शिववास : कैलाश पर (14:56 से नन्दी पर)।

विलक्षण छत्तीसगढ़ी सपूत पं. दानेश्वर शर्मा

डॉ. परदेशीराम वर्मा

मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि जिस लिमतरा लीलामंडली में पंडित दानेश्वर शर्मा श्रीराम बने उसी मंडली में बाद में मुझे भी वही दायित्व पंडित ठुमुक लाल चौबे ने दिया । मैंने बाद में उनके विभाग स्टेट विभाग में सीनियर स्टेट इंस्पेक्टर के रूप में काम करते हुए उनका स्नेह प्राप्त किया। जीवन की संध्या में अकेलेपन के बावजूद उन्होंने लेखन किया। अपने इकलौते पुत्र को खोकर भी वे साहित्य सृजन से विरत नहीं हुए। हमारी पीढ़ी उनके संरक्षण से लाभान्वित होकर साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ी । पालीडोर, हिजमास्टर्स वायस, सरगम तथा वीनस रिकार्डस में उनकी रचनाओं के रिकार्ड बने । लाखों म हावय एकझन ओ मोर समधिन यह गीत घर घर पहुँचा । शादियों में उनके रिकार्ड आज भी बजते हैं । साला, साली समधन जैसे रिश्तों पर उनकी रचनाओं ने धूम मचा दिया । वे विश्वहिन्दी सम्मेलन न्यूयार्क में ससम्मान शामिल हुए । शिकागो विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित संकलन में उनकी रचनाएं संकलित हैं ।

छत्तीसगढ़ के मंचीय लोक और काव्यमंच के साथ भागवत प्रवचन के क्षेत्रों में संत पवन दीवान और पंडित दानेश्वर शर्मा सिद्ध माने गए । वह एक विलक्षण दौर था जिसमें बहुविधा प्रवीण पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी सहित एक से बढ़कर एक विलक्षण व्यक्त्वि ने अपना सर्वोत्तम देकर अपार यश अर्जित किया।

संत पवन दीवान राजनीति क्षेत्र में भी अपनी तेजस्विता के कारण छाए रहे। 10 मई 1931 को ग्राम मेड़ेसरा में विद्वान पिता पंडित गंगा प्रसाद द्विवेदी के घर जन्में दानेश्वर शर्मा हिन्दी और छत्तीसढ़ी के यशस्वी कवि और भिलाई इस्पात संयंत्र के पूर्व प्रबंधक थे। वे छत्तीसगढ़ लोककला महोत्सव के सूत्रधार और दिशा निर्देशक शक्तिशाली अधिकारी थे जिनकी योग्यता को प्रबंधन ने भरपूर महत्व दिया। वे न होते तो छत्तीसगढ़ लोककला महोत्सव का आयोजन शायद ही सम्भव होता।

उन्हें मेड़ेसरा, लिमतरा और बेल्हारी में संस्कार मिला। लिमतरा में उनके परिवार की खेतीबाड़ी थी। उनके पिता लिमतरा में रहकर भागवत प्रवचनकार के रूप में शुरूवाती उल्लेखनीय कार्यक्रमों में वहां के दाऊ रघुबर मढ़रिया के संरक्षण और प्रोत्साहन से आगे बढ़े। पहला प्रवचन दाऊ रघुबर मढ़रिया के संयोजन में हुआ । उसके बाद संस्कृत के उद्भट विद्वान पं. गंगा प्रसाद ने प्रवचन के क्षेत्र में इतिहास रच दिया। पाँच सौ भागवत मंचों पर उन्होंने लगातार प्रवचन दिया।

संस्कृत और सुमधुर गायन अपने पिता से विरासत में पंडित दानेश्वर शर्मा ने प्राप्त किया। वे प्रखर गीतकार थे। प्राथमिक शाला की पढ़ाई उनकी लिमतरा में हुई । फिर वे पिता के साथ दुर्ग आ गए।

यहीं कोदूराम दलित जी उन्हें गुरू के रूप में मिले। कोदूराम जी दलित उनके शालेय गुरू और काव्य गुरू भी थे।

दलित जी ऐसे व्याकरण सिद्ध गुरू थे जिनसे हिन्दी के विश्वविद्यालयीन प्राध्यापक भी व्याकरण के मामले में कई बातें सीखते थे । वे छत्तीसगढ़ी के अद्भुत कवि थे । उन्हीं की प्रेरणा से दानेश्वर शर्मा जी ने पहली छत्तीसगढ़ी कविता का लेखन किया ।

दानेश्वर शर्मा अपने गुरू दलित जी के साथ छत्तीसगढ़ सहित नागपुर के मंच तक काव्य पाठ के लिए गए । दलित जी की कविता सम्बन्धी परिभाषा चर्चित है -

जइसे मुसुवा निकले बिलले
तइसे कविता निकले दिलले

दानेश्वर शर्मा छत्तीसगढ के अत्यन्त लोकप्रिय कवि थे । उन्हें हिन्दी और छत्तीसगढ़ी की सिद्धि के लिए देश भर में सम्मान मिला । वे छंदशास्त्री थे । हर मौसम में छंद लिखूंगा यह उनका चर्चित काव्य संग्रह है । इसके

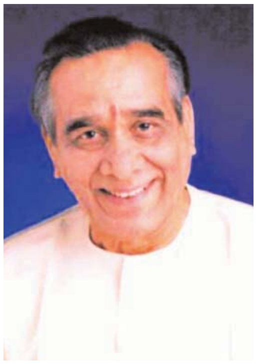

पं. दानेश्वर शर्मा

अतिरिक्त उनकी किताबें हैं लवकुश, लोकदर्शन, तपत कुरू भाई, तपत गुरू तथा गीत अगीत । यह सुखद संयोग है कि उनके गुरू कोदूराम दलित के योग्य सुपुत्र अरूण निगम आज छत्तीसगढ़ के छन्द गुरू के रूप में चर्चित हैं ।

दानेश्वर शर्मा जी कई कीर्तिमान रचते हुए आगे बढ़े । वे भिलाई इस्पात संयंत्र के द्वारा निर्मित स्टेट विभाग के न्यायालय के प्रथम जज थे । शुरू में दुर्ग में उन्होंने वकालत भी किया । लेकिन वे भिलाई इस्पात संयंत्र में चले आए और यहाँ प्रबंधक के पद तक पहुँचे ।

छत्तीसगढ़ के यशस्वी मंचीय सितारों की आभा से हम सब परिचित हैं । चंदूलाल चंद्राकर जी जब केन्द्रीय कृषि मंत्री और मोतीलाल वोरा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब दानेश्वर शर्मा जी ने अपने संपर्कों के प्रभाव से अंजोरा कृषि मेले में छत्तीसगढ़ के संभावनाशील चर्चित कलाकारों को एकजुट कर लोककला महोत्सव का शानदार आयोजन करवाया था ।

पद्मविभूषण तीजन बाई को भिलाई इस्पात संयंत्र में नौकरी दिलवाने में दानेश्वर शर्मा का विशेष हाथ था। वे तत्कालीन एम.डी. के.आर. संगमशेवरन के बहुत भरोसेमंद अधिकारी थे । वे भिलाई इस्पात संयंत्र के लिट्री क्लब के प्रथम अध्यक्ष बने ।

फिर छत्तीसगढ़ राज्य के राजभाषा आयोग के भी अध्यक्ष बनें। अखिल भारतीय ख्याति के हिन्दी विद्वानों को जब बख्शी समारोह में बुलाकर प्रभावशाली विद्वान कनक तिवारी ने भिलाई में साहित्यिक मेला लगाया तब दानेश्वर शर्मा जी को ही स्वागताध्यक्ष बनाया गया।

पं. दानेश्वर शर्मा अपने समय के ऐसे चर्चित काव्य मंच संचालक थे जिन्हे देश के बड़े से बड़ा कवि सम्मान देता था। उन्होंने दैनिक समाचार पत्रों में स्तंभ लेखन भी किया । मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि जिस लिमतरा लीलामंडली में पंडित दानेश्वर शर्मा श्रीराम बने उसी मंडली में बाद में मुझे भी वही दायित्व पंडित ठुमुक लाल चौबे ने दिया । मैंने बाद में उनके विभाग स्टेट विभाग में सीनियर स्टेट इंस्पेक्टर के रूप में काम करते हुए उनका स्नेह प्राप्त किया।

जीवन की संध्या में अकेलेपन के बावजूद उन्होंने लेखन किया। अपने इकलौते पुत्र को खोकर भी वे साहित्य सृजन से विरत नहीं हुए। हमारी पीढ़ी उनके संरक्षण से लाभान्वित होकर साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ी। पालीडोर, हिजमास्टर्स वायस, सरगम तथा वीनस रिकार्डस में उनकी रचनाओं के रिकार्ड बने । लाखों म हावय एकझन ओ मोर समधिन यह गीत घर घर पहुँचा । शादियों में उनके रिकार्ड आज भी बजते हैं। साला, साली समधन जैसे रिश्तों पर उनकी रचनाओं ने धूम मचा दिया । वे विश्वहिन्दी सम्मेलन न्यूयार्क में ससम्मान शामिल हुए । शिकागो विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित संकलन में उनकी रचनाएं संकलित हैं।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)।1526 में 10 मई के दिन ही पानीपत की लड़ाई जीतने के बाद मुगल शासक देश की तत्कालीन राजधानी आगरा पहुंचा था। 1655 में आज ही के दिन ब्रिटिश सेना ने जमैका पर कब्जा किया था। 1796 में आज ही के दिन नेपोलियन ने लोदी ब्रिज के युद्ध में ऑस्ट्रिया को हराया था। 1857 में 10 मई के दिन से ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफपहले स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत हुई थी। 1945 में आज ही के दिन रूसी सेना ने चेक गणराज्य की राजधानी प्राग पर कब्जा किया था। 1959 में 10 मई को ही सोवियत सेना अफगानिस्तान पहुंची थी। 1967 में आज ही के दिन मशहूर रॉक बैन्ड रोलिंग स्टोन्स के दो सदस्यों को मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में अदालत में पेश होना पड़ा था।1972 में आज ही के दिन अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया था। 1994 में 10 मई को रंगभेद को समाप्त करने की मुहिम में अपना पूरा जीवन लगा देने वाले नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बने थे और उन्हें 1993 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

खोना - पाना, रोना

खोना - पाना, रोना - धोना, बेबस और मजबूर पर। छले जा रहे नित ही पग-पग दुनिया के मज़दूर पर। किंतु न फिर भी हालत सुधरी इतना सब कुछ बीत गया- ना जाने कितनी कविताएँ, लिखीं गयी सिंदूर पर।

- अमित शिवकुमार दुबे

कुछ गलती की

कुछ गलती की माफ़ियां, होती नहीं जनाब। उजड़ी मांगो का उसे,अच्छा दिया जवाब।। हिन्दु धर्म में नारियों,को मिलता सम्मान ।मिटे हमेशा वो यहाँ,जो करते अपमान।। रावण,तो जलता यहाँ,आज भी वर्षो बाद। दुर्योधन,कीचक मिटे,तुम रखना ये याद।।भारत की नारी सदा, है भारत का मान । लेने देगें हम भला, धमकी देकर जान।। भारत में ही क्यों बहे, निर्दोषों का खून ।आतंकी मारे गये , सबको मिला सुकून।

- शालिनी शर्मा

खास पाती

नापाक दरिंदों अब झेलो

नापाक दरिंदों अब झेलो, बज उठी शौर्य की रणभेरी। विध्वंस तुम्हारा है निश्चित, तुम देखो अब तम की घेरी। राफेल हमारा गरजा है, खँडहर लश्कर को कर डाला। अरि का अब शीश उड़ाने को, उठ चुका हिंद का अब भाला। सिंदूर की शक्ति न्याय भरी, हुई प्रतिकार से पूरी है॥ यह समरभूमि अधिकारों की, प्रतिशोध रिपु से जरूरी है॥ - **डॉ प्रतिभा गर्ग**

नापाक पाक पिट के भी क्यों मानता नहीं

नापाक पाक पिट के भी क्यों मानता नहीं। छेड़ा गया जो हिन्द को फिर छोड़ता नहीं। खुद को ग़लीज़ हरकतों से मोड़ता नहीं। अब तो सिवाय जंग कोई रास्ता नहीं। वो बार-बार आँख दिखाता है बाप को, हर बार मार खाता है पर मानता नहीं। जन्नत सी वादियों को ज़ेहन्नुम बना रखा, अच्छाई से तो उसका कोई राब्ता नहीं। लेकर कटोरा भीख वो लड़ने पे आमादा, तक़लीफ़ से अवाम की कुछ वास्ता नहीं। आतंकियों को मुल्क में देता है तरबियत, इन्सानियत से रिश्ता मगर पालता नहीं। देता है धौंस एटमी ताक़त की बारहा, क्या होगा हश्र बाद में ये जानता नहीं। बेचा है सर ज़मीन तलक चीनियों के हाथ, कर्जे का दर्द भी उसे क्यों सालता नहीं। टुकड़ों में बंट चुका है वो मिटने को आमदा, अंज़ाम जंग जान के 'हरि' टालता नहीं। - **हरिवल्लभ शर्मा 'हरि'**

प्रभु नफरत मिटा कर प्रेम धरती

प्रभु नफरत मिटा कर प्रेम धरती पर फैला देना। रहें आपस में मिल जुल सब वतन ऐसा बना देना। सनी ना हो कभी वादी दुबारा खून के रंग से, डरे दुश्मन भी धंसने से ध्वज इसका सजा देना।। - **रानी इंदु**

जिन्हें कभी कोई श्रेय नहीं दिया जाता...

जिन्हें कभी कोई श्रेय नहीं दिया जाता... ना उनके काम की चर्चा होती है... ना कोई हिसाब किताब... एक धन्यवाद उनके लिए तो बनता ही है...थैंक यू RAW... फ़ौज तो हमारी है ही अचूक... पर आपके सहयोग के बिना...ये सब संभव नहीं...अस्त-व्यस्त निजी जीवन... लेकिन फिर भी आप लोग...गुमनाम रहकर देश की जो सेवा कर रहे हो...उसके लिए आपका हृदय से धन्यवाद...ये देश सदैव आपका ऋणी रहेगा... । - **कुमार संतोष**

पाकिस्तान से ज्यादा खतरनाक तो भारत

पाकिस्तान से ज्यादा खतरनाक तो भारत के आतंकी है इन्हें सिंदूर नाम से दिक्कत है महिला ऑफिसर से दिक्कत है पाकिस्तान पर हमले से दिक्कत है भारत की जयघोष से दिक्कत है किसी दिमाग से पैदल इंसान ने इन सबको पढ़ा दिया है कि हर बात पर छाती पीटकर रोने से लोग आपको अल्ट्रा बुद्धिजीवी समझेंगे। बस वही साबित करने में उम्र निकल रही है कि ये बुद्धिजीवी है। इतने वाहियात लोग पैदा होते ही मर क्यों नहीं जाते। - **अनु नेवटिया**

लगता है तुम स्नेह-प्रीति का हो अक्षय भंडार

लगता है तुम स्नेह-प्रीति का हो अक्षय भंडार भोजन करते वक्त हमेशा मेरी थाली देख रोटी-सब्जी का धीरे से करके तुम उल्लेख खिला दिया करतीं धीरे से कौर अधिक दो-चार डॉक्टर जैसी हिदायतें तुम देती रहतीं रोज या वैज्ञानिक-सा इलाज का करती हो फिर खोज जब हो मुझको सर्दी-खाँसी या फिर तनिक बुखार बोली से लगता है जैसे बजे सुहाने ढोल या बंसी के रव में मधु कोदिया किसी ने घोल हर शब्दों में मैं कोकिल-सा पाता हूँ व्यवहार। - **भाऊराव महंत**

QUIZ TIME

1) कौन सा द्वीप आइलैंड ऑफ क्लोवस कहा जाता है?

2) पार्थियोन मंदिर किसके शासनकाल में बनाया गया था?

3) थर्मोपल्ली का युद्ध किनके मध्य हुआ था?

4) इंस्टिट्यूट ऑफक्रिश्चियन रिलिजन नामक पुस्तक का लेखक कौन था?

5) हाल ही में किस भारतीय को ग्रीन ऑस्कर व्हिटली गोल्ड अवार्ड 2024 प्राप्त हुआ?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) जंजीबार (2) ऑगस्टस (3) यूनान एवं ईरान (4) कालविन (5) पूर्णिमा देवी बर्मन

आज का राशिफल

ज्योतिषाचार्य वास्तुविशेषज्ञ डॉक्टर देवव्रत गुरुजी

मेषः आज का दिन आपके लिये आरामदायक रहेगा लेकिन आज बेतुकी बयानबाजी से बचना होगा।

वृषः आज के दिन परिजनों का व्यवहार आपके स्वभाव पर निर्भर रहेगा इसलिये सनकी मिजाज त्याग मिलनसार बने अन्यथा आज सुख चैन से नही बैठ पाएंगे।

मिथुनः आज के दिन भी आप अपने ही स्वभाव के कारण घर मे अशांति का कारण बनेंगे। घर मे स्त्री वर्ग से सावधान रहें।

कर्कः आज आप जिस भी कार्य को करना आरंभ करेंगे या करने का विचार करेंगे उसमे कोई ना कोई बिना मांगे अपनी राय देगा।

सिंहः आज आप बीते कल की तुलना में कुछ संतोषि रहेंगे लेकिन महिला वर्ग इसके विपरीत अन्य लोगो से स्वयं एवं परिवार की तुलना करने पर कुछ समय के लिये उदास रहेंगी।

कन्याः आज आप किसी भी कार्य को लेकर गंभीर नही रहेंगे दिन के आरंभ से ही आलस्य और सुस्ती बनी रहेगी।

तुलाः आज का दिन कुछ कार्यो को छोड़ व्यर्थ की भागदौड़ में बीतेगा घरेलू कार्यो को लेकर किसी से बहस होकर दिन का आरंभ होगा।

वृश्चिकः आज के दिन आपको बैठे बिठाये आकस्मिक लाभ की प्राप्ति होगी चाहे किसी भी रूप में हो। घर का वातावरण धार्मिक रहेगा।

धनुः आज के दिन आप कोई नापसंद कार्य करने पर गुस्से में रहेंगे लेकिन कार्य क्षेत्र पर अनुकूल वातावरण भी मिलते रहेंगे।

मकरः आज परिस्थिति में थोड़ा सुधार अनुभव करेंगे लेकिन कामना पूर्ति में आज भी कोई न कोई अड़चन बनी रहेगी।

कुंभः आज के दिन आपका व्यवहार ढुलमुल रहेगा मध्यान तक आप प्रत्येक कार्य मे आलस्य दिखाएंगे।

मीनः आज के दिन आपके व्यक्तित्व में निखार रहेगा लेकिन स्वभाव का जिद्दीपन अन्यलोगों विशेषकर परिजनों के लिये भारी पड़ेगा।

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुखपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 042 का हल

ग	ल	त				खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च			प			य	
म	र	णा	स	न्न		पा	नी	
ची			प		पा			भो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

न्यूज गैलरी

आज नेशनल लोक अदालत

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छ.ग.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2025 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय दुर्ग, परिवार न्यायालय दुर्ग, श्रम न्यायालय दुर्ग, स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाए) दुर्ग तथा किशोर न्याय बोर्ड व तहसील व्यवहार न्यायालय पाटन, भिलाई-3 व धमधा में 10 मई 2025 को आयोजित की गई है।

सेल अध्यक्ष ने किया 'वन डे चेयरमेन' प्रतियोगिता का शुभारंभ

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने सेल-कर्मचारियों के लिए एक अभिनव और प्रेरणादायक पहल 'वन डे चेयरमेन प्रतियोगिता' का शुभारंभ किया है। इस प्रतियोगिता के तहत सेल-कर्मचारियों को एक दिन के लिए अध्यक्ष की भूमिका में संगठन में सार्थक परिवर्तन लाने का विचार प्रस्तुत करना होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये सेल के सभी कर्मचारी पात्र हैं, चाहे वे किसी भी संयंत्र, इकाई या विभाग से संबंधित हों। वन डे चेयरमेन प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों को नेतृत्व के दृष्टिकोण से सोचने के लिए प्रेरित करने और सेल की विकास यात्रा में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कर्मचारियों को अधिकतम 500 शब्दों में अपना विचार लिखकर इंट्रानेट पोर्टल या ईमेल पते पर भेजना होगा। प्रविष्टियाँ 9 मई से 23 मई तक भेजी जा सकती है। प्रतियोगिता में चयनित शीर्ष 10 प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया जाएगा। तीन सर्वश्रेष्ठ विचारों के प्रस्तुतकर्ताओं को सेल के शीर्ष प्रबंधन के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर भी मिल सकता है।

निधन : भुवन लाल चंद्राकर

दुर्ग/नवप्रदेश। सुनील न्यूज एजेंसी के संचालक भुवन लाल चंद्राकर (78 वर्ष) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 9 मई को सुबह 11 बजे हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे सुनील चंद्राकर, संजय चंद्राकर के पिता और योगेंद्र चंद्राकर, विवेक चंद्राकर के दादा थे।

गणपति विहार में प्लाट खरीदने वालों को नहीं मिल रही बिल्डिंग परमीशन

■ **नियमितीकरण के बाद ही मिलेगी मंजूरी**

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शहर के पोटिया इलाके में रिहायशी कॉलोनी गणपति विहार में प्लाट खरीदने वालों को बिल्डिंग परमीशन नहीं मिल रही है। नगर निगम ने करीब दो दर्जन आवेदनों को खारिज कर दिया है। लाखों रुपए खर्च कर महंगी दर पर गणपति विहार के प्लाट खरीदने वाले नागरिक अब नगर निगम में भवन शाखा के चक्कर काट रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि प्लाट बिक्री के लिये कॉलोनाइजर एक्ट का पालन करना जरूरी है। लेकिन ऐसा न करने के कारण भवन निर्माण की परमीशन नहीं दी जा रही है। जानकारी के अनुसार अब तक करीब दो दर्जन से ज्यादा बिल्डिंग परमीशन के आवेदनों को मंजूरी नहीं दी गई है। भवन निर्माण की अनुमति न मिलने से प्लाट क्रेता परेशान हैं। निगम अफसरों का कहना है कि स्वीकृत ले आउट से ज्यादा प्लाटिंग करने के कारण बिल्डिंग परमीशन देना संभव नहीं है।

ट्विनसिटी में कई कॉलोनियों में ऐसी झांसेबाजी

दुर्ग-भिलाई की कई कॉलोनियों में प्लाट खरीदने वालों के साथ झांसेबाजी की जा रही है। आशियाना बनाने का सपना देखने वालों को विकसित कॉलोनी में प्लाट खरीदने का ऑफर दिया जाता है। शानदार कॉलोनी, आकर्षक प्रवेश द्वार, चौड़ी सड़कें, सुनियोजित विकास देखकर लोग झांसे में आ जाते हैं। लोग यही समझते हैं कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग और नगर निगम से अप्रूव्ड कॉलोनी है। लोगों को यह पता ही नहीं चलता है कि कॉलोनी के पीछे का हिस्सा अवैध प्लाटिंग के अंतर्गत आता है।

इसलिये अटक रही फाइल

छत्तीसगढ़ कॉलोनाइजर एक्ट के तहत कॉलोनी विकसित करने के लिये कुल एरिया का करीब 45 प्रतिशत भूमि रोड-नाली- गार्डन व अन्य सुविधाएं विकसित करने के लिये रिजर्व करना आवश्यक है। शेष लगभग 55 प्रतिशत भूमि पर मकान या फ्लैट का निर्माण किया जा सकता है। गणपति विहार में इस एक्ट का पालन नहीं किया जा रहा है। इसके कारण ही प्लाट खरीदने वालों को बिल्डिंग परमीशन नहीं मिल रही है।

कई फेज में हो रही प्लाटिंग

जानकारी के अनुसार गणपति विहार में सबसे पहले पोटिया में गणपति विहार कॉलोनी का निर्माण किया गया। शानदार लोकेशन और बेहतरीन सुविधाओं का दावा करते हुए कॉलोनाइजर ने यहां बने आवास बेच दिये। कॉलोनी विकसित होने के बाद भी काफी बड़े इलाके में प्लाट बेचने का काम चलता रहा। यहां अभी भी प्लाटिंग हो रही है। सूत्रों का कहना है कि पहले फेज में कॉलोनी का निर्माण कॉलोनाइजर एक्ट के तहत किया गया, लेकिन इसके बाद से एक्ट का पालन न करने के कारण भवन निर्माण की मंजूरी नहीं दी जा रही है।

गणपति विहार के अवैध प्लाटिंग वाले हिस्से में प्लाट खरीदने वालों को बिल्डिंग परमीशन नहीं दी जा रही है। नियमानुसार प्लाट खरीदने वालों को ही बिल्डिंग परमीशन दी जाएगी। गणपति विहार में कई फेज में प्लाटिंग की गई है। गणपति विहार का कुछ हिस्सा अवैध कॉलोनी के अंतर्गत आता है। यहां अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही है। इन प्लाटों को खरीदने वालों को बिल्डिंग परमीशन नहीं दी जाएगी। नियमानुसार कॉलोनी का नियमितिकरण होने के बाद बिल्डिंग परमीशन मिल सकती है।

गिरीश दीवान, भवन अधिकारी, नगर निगम दुर्ग

साय सरकार ने घटा दिये मनरेगा में मजदूरी के मानव दिवस : 16 मई को आंदोलन की चेतावनी

■ **जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने सौंपा ज्ञापन, कहा मजदूरों के लिये मनरेगा के रोजगार दिवस घटाना सरासर गलत**

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। साय सरकार द्वारा मनरेगा योजना के तहत मजदूरी के मानव दिवस घटाने पर विशाल आंदोलन की चेतावनी दी है। जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में आज कांग्रेसजनों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मानव दिवस बढ़ाने की मांग की। ऐसा न करने पर 16 मई से आंदोलन शुरू किया जाएगा।

राकेश ने कहा कि पूर्व में कांग्रेस सरकार द्वारा मनरेगा में 42 लाख मानव दिवस सृजन का लक्ष्य दिया गया था। प्रदेश की भाजपा सरकार ने पिछले साल इसे घटाकर 32 लाख मानव दिवस कर दिया। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में इसे और घटाते हुए 18 लाख मानव दिवस कर दिया गया है। इससे ग्रामीण मजदूरों की आजीविका प्रभावित हो रही है।

राकेश ठाकुर ने कहा कि जिले में सक्रिय मनरेगा मजदूरों की संख्या लगभग डेढ़ लाख है। केवल दस हजार मजदूरों को मनरेगा योजना के तहत काम दिया जा रहा है। मनरेगा योजना के तहत काम न मिलने के कारण मजदूरों के सामने रोजी रोटी का संकट शुरू हो गया है। मजदूर अपने घर-परिवार को छोड़कर अन्य राज्यों में पलायन करने पर मजबूर हो रहे हैं। 14 मई तक मनरेगा के मानव दिवस को 42 लाख किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर जिले के ग्रामीण और किसान, मजदूर अपनी टोकना, घमेला लेकर जिला कलेक्ट्रेट में 16 मई को बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

आज ज्ञापन देने वालों में पूर्व धमधा नगर पंचायत अध्यक्ष राजीव गुप्ता, जामवंत गजपाल, हीरा वर्मा, जिला पंचायत सदस्य उषा सोनवानी, विक्रांत अग्रवाल, प्रकाश ठाकुर, उमेश साहू, विशाल देशमुख, मन्नू यादव, उमेश बंजारे, कृष्णा देवांगन, संतलाल बंजारे, मुकेश साहू, कलीम खान, धरम बर्रे, प्रदीप चंद्राकर, सुनीति यादव, कमलेश साहू, किशोर यादव, लोकेश साहू, रविंद्र यादव, अभिनव बघेल, चांद खान, उमाकांत चंद्राकर, रज्जाक भाई, प्रदीप चंद्राकर, अलाउद्दीन, नासिर खोखर, आनंद ताम्रकार, सौरभ ताम्रकार, मोहित वाल्दे, हेमा साहू सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री साव ने किया कुम्हारी पालिका का आकस्मिक निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

कुम्हारी। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कुम्हारी नगर पालिका कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। अधिकारी, कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए सीएमओ को कार्यवाही के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने अमृत मिशन के कार्य में हो रही देरी का कारण पूछा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट को 25 मई तक पूरा करना था। अब तक काम अधूरा क्यों है। उपमुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने कहा। साव ने नगर में पेयजल व्यवस्था को लेकर आ रही शिकायतों पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने पालिका के सभी विभागों में जाकर आवश्यक जानकारी ली। टैक्स वसूली की समीक्षा के दौरान 70 प्रतिशत से अधिक टैक्स की वसूली की जानकारी मिली। साव ने टैक्स वसूली पर जोर देते हुए कहा कि बेहतर तरीके से काम करते हुए आम लोगों को जागरूक किया जाए। पालिका में स्टाफ की कमी की समस्या बताई गई । उपमुख्यमंत्री ने वार्ड 15 में निर्माणाधीन अटल परिसर का निरीक्षण किया और 30 मई तक यह काम पूरा करने कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निकाय के कार्य सुव्यवस्थित हों। शहर स्वच्छ और सुंदर बने और कार्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार लाया जाए। इस दौरान नगर पालिकाध्यक्ष मीना वर्मा, पार्षद लोकेश साहू, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा, पार्षद अनुराग गुप्ता, पार्षद अश्वनी देशलहरे, मिथलेश यादव, अवधेश शुक्ला उपस्थित थे।

बारिश से पहले करें पानी निकासी की व्यवस्था : महापौर

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शहर में महासफाई अभियान के तहत महापौर अलका बाघमार ने स्टेशन रोड सन्तरा बाड़ी वार्ड 26 और पोलसाय पारा वार्ड 27 का भ्रमण किया और रहवासियों की समस्याओं को सुना। इस दौरान निगम सभापति श्याम शर्मा, कमिश्नर सुमित अग्रवाल, स्वास्थ्य प्रभारी नीलेश अग्रवाल, देवनारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, शशि साहू, हर्षिका जैन, पार्षद आरएन वर्मा, पार्षद मनीष बघेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महापौर ने नाली सफाई कार्य की जानकारी दोनो वार्डों के पार्षदों से ली। स्थानीय नागरिकों से चर्चा करने के बाद स्वास्थ्य अधिकारी को सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिये। महापौर ने पोलसाय पारा तालाब के किनारे अवैध अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। सड़क किनारे अवगमान में बाधित बांस बल्ली हटाने कहा। महापौर ने कहा कि सड़क किनारे बिल्डिंग मटेरियल रखने वालों से जुर्माना वसूल किया जाए। नाली के ऊपर अवैध कब्जे पर जेसीबी चलाएं। महापौर ने संतराबाड़ी में पाइपलाइन लीकेज को तत्काल सुधारने के निर्देश दिये। बारिश का मौसम जून माह के मध्य में शुरू हो जाता है। सफाई के लिये करीब 35 दिनों का समय है।

खण्ड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक 13 को

दुर्ग/नवप्रदेश। खण्ड स्तरीय बैंकर्स समिति (बीएलबीसी) की बैठक 13 मई 2025 को शाम 4 बजे जनपद पंचायत सभागार दुर्ग में आयोजित की गई है। पूर्व में बैठक 14 मई को आयोजित किया था जो अपरिहार्य कारणों से स्थगित करते हुए 13 मई 2025 को आयोजित किया गया है। विभिन्न विकासखंडो में मार्च-25 तिमाही की विकासखंड के सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों की समयानुसार शाखावार योजनाओं पर समीक्षा हेतु संबंधित अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

निगम कमिश्नर ने दिए शहर के उद्यानों को संवारने के निर्देश

■ **दो वार्डों में तोड़े गए अतिक्रमण**

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई नगर। सुराज तिहार के अंतर्गत मिली शिकायतों के आधार पर कई अवैध कब्जे तोडने़ की कार्रवाई निगम की टीम द्वारा की गई। जोन दो के वार्ड 29 वृंदानगर और शांति नगर वार्ड 15 में सड़क 6 बी व 6 सी के बीच मकानों के पीछे से गुजरने वाली नाली पर अवैध कब्जा कर जगह जगह गेट लगा कर बंद करने से सफाई कार्य में कामगारों को परेशानी हो रही थी। निगम कमिश्नर ने स्थल का निरीक्षण कर जोन कमिश्नर येशा लहरे और सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे को समयसीमा में नियमानुसार कार्यवाही करने कहा। रवि भावते के मकान के मुख्य गेट का पिल्लर नाली में खड़ा किया था, जिसे उखाड़ा गया। यहां के 5 गेट भी तोड़े गए। वृंदावन नगर में नाले के किनारे शासकीय भूमि पर तार, बाँस-बल्ली, लोहा गेट लगा कर किये गये अवैध कब्जे को बेदखल किया गया। कार्यवाही के दौरान शरद दुबे, हरिओम गुप्ता, हरि ताम्रकार, कृष्ण सुपैत, समीर अहमद, प्रतीक सहित पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे।

निगम अधिकारियों ने बताया कि केनाल रोड निर्माण का सर्वेक्षण कार्य जोन दो और तीन की टीम ने शुरू कर दिया है। लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग के आरआई, पटवारी के साथ प्रभावित भवन की नापजोख व सूची तैयार करने का काम चल रहा है।

निगम कमिश्नर राजीव पाण्डेय ने मैत्री विहार और संजय तालाब उद्यान का आकस्मिक निरीक्षण किया। उद्यानों में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू को निर्देश दिये। उद्यानों में टूटे झूलों का संधारण कराने, ग्रिल, फेंसिंग, पाथ-वे, टूटे नल की मरम्मत कराने के निर्देश दिये। बारिश में जिन उद्यानों में पानी भराव वाले स्थानों पर मिटटी डालकर लेवलिंग कराने के निर्देश भी दिये।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के लिए पंजीयन जारी

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। हर साल की तरह इस वर्ष भी बीएसपी के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा 15 मई से 5 जून तक स्कूली बच्चों के लिये भव्य और विशाल ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर के लिये सभी संबंधित ग्राउंड्स/स्टेडियम में खिलाडियों का पंजीयन चल रहा है। 14 मई तक पंजीयन किया जायेगा। ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025 में शामिल 22 खेलों का विभिन्न खेल परिसरों, शालाओं के हॉल व खेल मैदानों में किया जाएगा। एथलेटिक्स, बैडमिन्टन, बॉल बैडमिन्टन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, हैण्डबॉल, हॉकी, जूडो, पावर लिफ्टिंग, कबड्डी, टेनिस, वालीबॉल, योगा, सायकल पोलो, कराटे, जिम्नास्टिक, खो-खो, नेटबॉल और कुश्ती खेल का प्रशिक्षण अनुभवी कोच द्वारा दिया जाएगा। एथलेटिक्स प्रशिक्षण शिविर जयंती स्टेडियम और आईटीआई-खुर्सीपार में, बैडमिन्टन प्रशिक्षण शिविर इन्डोर स्टेडियम, इंदिरा प्लेस में, बॉल बैडमिन्टन प्रशिक्षण शिविर सेक्टर-4 ग्राउंड, बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन पंत स्टेडियम, सेक्टर-1 बास्केटबॉल कोर्ट में और बॉक्सिंग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन से-2 इस्पात क्लब, से-8 इस्पात क्लब, इन्डोर स्टेडियम, से-1 इस्पात क्लब व दिव्यांग खेल परिसर में दिया जाएगा। शतरंज प्रशिक्षण शिविर भिलाई विद्यालय सेक्टर-2, क्रिकेट प्रशिक्षण से-1 इस्पात क्लब और बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड, इंदिरा प्लेस, फुटबॉल प्रशिक्षण पंत स्टेडियम, रिसाली ग्राउंड और हॉस्पिटल सेक्टर, हैंण्डबॉल प्रशिक्षण ईएमएमएस, से-10 और हैंडबॉल ग्राउण्ड से-4, हॉकी प्रशिक्षण जयंती स्टेडियम, जूडो प्रशिक्षण से-4 जूडो हॉल में, पावर लिफ्टिंग प्रशिक्षण से-6 पॉवर जिम, कबड्डी प्रशिक्षण पंत स्टेडियम और खुर्सीपार, टेनिस प्रशिक्षण बीएसपी टेनिस कॉम्पलेक्स, सिविक सेंटर में दिया जाएगा। वालीबॉल प्रशिक्षण पंत स्टेडियम, इस्पात क्लब-खुर्सीपार, हुडको और से-5, योगा एसएसएस से-10, सायकल पोलो एसएसएस, से-7, कराटे से-5 इस्पात क्लब, इस्पात क्लब-मरोदा में दिया जाएगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम मोनिका शर्मा | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं.
202505100400036/अ-2/ वर्ष 24-25

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/आवेदिका मोनिका शर्मा आ./पति अंकित शर्मा निवासी शंकर नगर दुर्ग तह.व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम कसारीडीह प.ह.न. 40 तह. व जिला दुर्ग	490/18	0.020 हें वर्गफीट 2130	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 06.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

नाम-परिवर्तन

मैं शपथकर्ता श्रीमती निरूपा बारिक (NIRUPA BARIK) पति श्री अरूण कुमार बारिक, निवासी- 244, दशहरा मैदान वार्ड नं. 2, रुआबांधा, रिसाली, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूँ जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ :-यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है। यह कि, मेरा परिचय पत्र, राशन कार्ड में सही नाम श्रीमती निरूपा बारिक (NIRUPA BARIK) पति श्री अरूण कुमार बारिक दर्ज है। यह कि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरा घरेलू नाम नीरू बारिक (NIRU BARIK) पति श्री अरूण बारिक दर्ज हो गया है एवं मेरे पेन कार्ड में मेरा नाम नीरू बारिक (NIRU BARIK) दर्ज है। यह कि नीरू बारिक (NIRU BARIK) पति श्री अरूण बारिक एवं श्रीमती निरूपा बारिक (NIRUPA BARIK) पति श्री अरूण कुमार बारिक दोनो नाम एक ही व्यक्ति का है अर्थात् मेरे व मेरे पति का ही नाम है। यह कि मैं अपने आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं अन्य समस्त शासकीय, अशासकीय दस्तावेजों में अपना वास्तविक एवं सही नाम श्रीमती निरूपा बारिक (NIRUPA BARIK) पति श्री अरूण कुमार बारिक दर्ज करवाना चाहती हूँ। जिस संबंध में यह शपथपत्र प्रस्तुत है। अत: यह शपथपत्र नाम सुधार हेतु शासकीय, गजट में प्रकाशन हेतु शासकीय मुद्रणालय राजनांदगांव के सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करती हूँ ।

शपथकर्ती — श्रीमती निरूपा बारिक, पति श्री अरूण कुमार बारिक, निवासी- 244, दशहरा मैदान वार्ड नं. 2, रुआबांधा, रिसाली, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाईनगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

(धारा 178 प्रारूप)
रा.प्र.क्र./अ-27/वर्ष 2024-25

क्योंकि मौजा कुरुद तह. व जिला दुर्ग के सहभूमिस्वामी श्रीमती कमला खण्डेलवाल पति स्व. हजारीलाल खण्डेलवाल निवासी ब्लाक ए लोटस-2 तालपुरी भिलाई तह. व जिला दुर्ग ने निम्नांकित अनुसूचि में निर्दिष्ट खाते के अपने भाग के विभाजन के लिए आवेदन किया है एवं क्योंकि उक्त खाते का बंटवारा किया जाना प्रस्तावित हुआ है एवं सुनवाई का दिनांक 02.06.2025 स्थान तहसील कार्यालय भिलाईनगर पर दिन 11:00 बजे नियत किया गया है। उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर हाजिर नहीं होने पर एवं आक्षेपों को पेश नहीं कर पाने की स्थिति में आक्षेपों पर विचार नहीं किया जावेगा।

(खाते का विवरण)
खसरा नं. 1487/2, 1635/6, 1487/2
रकबा 0.2700, 0.2200 हे.

आज दिनांक 08.05.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाईनगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

नोटिस

रा.प्र.क्र./अ-6/वर्ष 2024-25

प्रति,
पी.एन.जी नायर आ. नारायण नायर निवासी क्वा. नं. 4/बी मरोदा सेक्टर भिलाई तह. व जिला दुर्ग।

आवेदक रामलाल नेमा आ. दुर्गाप्रसाद नेमा साकिन अयप्पा नगर कोहका द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. रा.नि.मं. दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 284/166 रकबा 4200 वर्गफीट को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से दिनांक 08.03.1989 को आपसे कय किया था, जिसका नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तत किया गया है, जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है । अपरोक्त प्रकरण में आपकी उपस्थिति के लिए दिनांक 26.05.2025 नियत किया गया है। उपरोक्त तिथि को उपस्थित नही होने पर एक पक्षीय कार्यवाही किया जावेगा।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाईनगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

(धारा 178 प्रारूप)
रा.प्र.क्र.20250510100051 /अ-27/वर्ष 2024-25

क्योंकि मौजा कुरुद तह. व जिला दुर्ग के सहभूमिस्वामी श्रीमती किरण खण्डेलवाल पति श्री प्रदीप खण्डेलवाल निवासी ब्लाक ए लोटस-2 तालपुरी भिलाई तह. व जिला दुर्ग ने निम्नांकित अनुसूचि में निर्दिष्ट खाते के अपने भाग के विभाजन के लिए आवेदन किया है एवं क्योंकि उक्त खाते का बंटवारा किया जाना प्रस्तावित हुआ है एवं सुनवाई का दिनांक 02.06.2025 स्थान तहसील कार्यालय भिलाईनगर पर दिन 11:00 बजे नियत किया गया है। उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर हाजिर नहीं होने पर एवं आक्षेपों को पेश नहीं कर पाने की स्थिति में आक्षेपों पर विचार नहीं किया जावेगा।

(खाते का विवरण)
खसरा नं. 1453/1, 1453/2, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1470
रकबा 0.0300, 0.1900, 0.0700, 0.0600, 0.0700, 0.0400, 0.0300, 0.0300 हे.

आज दिनांक 08.05.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00015 करहीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी.202425430107300012

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00015 के अंतर्गत ग्राम करहीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी चिंताराम पिता/पति रामाधीन पता उरला जिला दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 74(0.4600), 79(0.1500) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता घनश्याम साहू पिता/पति चिंताराम साहू पता वार्ड नं. 58 उरला तह. व जिला दुर्ग, गोपाल साहू पिता/पति चिंताराम साहू पता वार्ड नं. 58 उरला तह. व जिला दुर्ग, रुपलाल साहू पिता/पति चिंताराम साहू पता वार्ड नं. 58 उरला तह. व जिला दुर्ग, मंगलवती साहू पिता/पति चिंताराम साहू पता वार्ड नं. 58 उरला तह. व जिला दुर्ग, के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28.05.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05.05.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 202504101000107/अ-6अ/सन्- 2024-25

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न.00045 हे.)
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार- अनुतोष कोंडा
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

आवेदक अनुतोष कोंडा आ.स्व.के. एम. स्वामी निवासी कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 2741 रकबा 0.02 हे. भूमि को के. संतोष, अनुतोष कोंडा दोनों पिता के. एम. स्वामी का नाम फौती नामांतरण हेतु इस न्यायालय का राजस्व प्र.क्र. 202309101000109/3-6/2022-23 के तहत दर्ज किये जाने का आदेश पारित किया गया है। उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख दुरुस्ती नही किया गया है। जिसे वर्तमान अभिलेख में आवेदक के पिता का नाम दर्ज है! जिसे विलोपित कर पूर्व आदेश के तहत रिकार्ड दुरुस्ती हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 13.05.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16.04.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 202504101000188/अ-6अ/सन्- 2024-25

मामले की श्रेणी-राजस्व

कुरुद प.ह.न.00046 हे.)
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार- संदीप कुमार सिंह,/ अनावेदक पक्षकार- छ.ग. शासन

ईश्तहार

आवेदक संदीप कुमार सिंह पिता/पति/विभाग-बिरेन्द्र सिंह पता-रिसाली सेक्टर भिलाई द्वारा ग्राम -कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व् जिला दुर्ग की भूमि पुराना ख.न. 106/2, 106/3 शामिलात का टू. रकबा 0.01 है./ 1410.62 वर्गफीट विक्रेता एन.एस.आर. डेवलपर्स पार्टनर नारायण राय आ. खुमान सिंह राय से क्रय किया गया था। नामांतरण पश्चात खसरा नबर 106/31 रकबा 0.01 है./1410 वर्गफीट ऋष्ठा पुस्तिका में आवेदक का नाम दर्ज है। उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख में आवेदक के स्थान पर विक्रेता का नाम प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 21.05.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28.04.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 202505101000011/ब-121/सन्- 24-25

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न.00045 हे.)
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार- संजय सिंह
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

आवेदक संजय सिंह पिता/पति/विभाग-स्व. रामानंद सिंह पता-कोहका भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि पुराना खसरा नबर 246/2 का टू. नया खसरा न. 1352, 1353 रकबा 0.02, 0.02 है. आवेदक के नाम पर दर्ज है। जिसे क्रय विक्रय पर रोक लगाया गया है क्रय विक्रय पर रोक को हटाये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15.05.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01.05.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र. 202505103000013 /अ-6/ वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धर्मेश कुमार साहू पिता विरेन्द्र साहू पता-ग्राम मचान्दुर तह. व जिला दुर्ग के द्वारा मौजा मचान्दुर प.ह.नं. 58 तह. व जिला दुर्ग में खसरा नंबर कमश :- 51, 52/2, 55/1, 93/3, 983/2, 1072/1, 1109/2, 1190/3 रकबा कमश :-0.1300, 0.2100, 0.2500, 0.1400, 0.1500, 0.1300, 0.6000, 0.9500, 0.0010 हे0 है। कुल खसरा संख्या- 09 रकबा 2.0210 हे. जिसमें कुल 09 सहखातेदारों के नाम शामिल है। 1. धर्मेश कुमार साहू पिता बिरेन्द्र कुमार जाति तेली ग्राम मचांदुर 2. नाबा. चेतना साहू पिता बिरेन्द्र कुमार जाति- तेली ग्राम मचांदुर 3. मोहनी साहू पति बिरेन्द्र कुमार जाति- तेली ग्राम मचान्दुर पूर्व में नाबा. चेतना साहू पिता बिरेन्द्र कुमार जाति - तेली पता- ग्राम मचान्दुर वली मोहनी साहू मां नाबालिक अवस्था में थी वर्तमान स्थिति में बालिक हो चुकी है। नाबा. चेतना साहू पिता बिरेन्द्र कुमार जाति - तेली ग्राम मचान्दुर वली मोहनी साहू (माँ) नाबालिग से बालिक राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किये जाने शेष खातेदारों का नाम यथावत् रखे जाने आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 22.05.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 08.05.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-20(3)/ वर्ष 2024-25

आवेदक दुष्यंत कुमार सोनी आ. एस.एस. सोनी, निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई जिला दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित नजूल भूमि खसरा नं. 1/2 2/2 का भाग प्लाट नं. एम.आई.जी. 1/998 रकबा 150.00 वर्गमीटर धारक एस.एस. सोनी आ. मुरलीधर सोनी के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक की मृत्यु दिनांक 08.01.2022 को हो चुकी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड को धारक की मृत्यु उपरांत वारिसानो शांति देवी सोनी ध.प. एस.एस. सोनी, दुष्यंत कुमार सोनी, सुरेश कुमार सोनी, विद्युत कुमार सोनी, तरंग सोनी व वीरभद्र सोनी आ. एस.एस. सोनी के नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 29.05.2025 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06.05.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

पंजी. नं. 202504100600034 /अ-2/ वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती अंजू राय पिता/पति श्री अंजनी कुमार राय निवासी- भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम- चुनकट्टा, प.ह.न. 23 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 334 रकबा 0.0800 हे. भूमि पर आवासीय प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 15.05.2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

पंजी. नं. 202504100600034 /अ-2/ वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती अंजू राय पिता/पति श्री अंजनी कुमार राय निवासी- भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम- चुनकट्टा, प.ह.न. 23 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 331, 333/3 रकबा 0.0600, 0.0200 हे., भूमि पर आवासीय प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 15.05.2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यूज गैलरी

किराना दुकान में शराब पीने देने पर कार्रवाई

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम रिसेकला में लोगों को अपनी किराना दुकान में शराब पीने की सुविधा दे रहे जयपाल डड़सेना के खिलाफ सरायपाली पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है।

ट्रक दुर्घटना में चालक की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। नेशनल हाईवे 53, चैनडीपा के पास खड़े ट्रक के पीछे से टकरा जाने से एक अन्य ट्रक के चालक की मौत हो गई। सांकरा पुलिस ने बताया कि ट्रक एमएच 21 बीएच 9765 का चालक अपने वाहन को नो पार्किंग जोन पर बिना संकेत दिए खड़ा किया था। पीछे से बलांगीर ओडिशा से बल्ली (लकड़ी) लोड कर रायपुर की ओर जा रहे ट्रक क्रमांक वाहन क्रमांक सीजी 04 पीएच 3515 टकरा गया। टक्कर से चालक परसदा जिला रायपुर निवासी दिनेश कुमार साहू (26) की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफधारा 285,106(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

बीएसएनएल ऑफिस से केवल की चोरी

महासमुंद/नवप्रदेश। बीएसएनएल ऑफिस में चोरी हो गई। मामले में पिथौरा और बागबाहरा थाने में रिपोर्ट लिखाई गई है। पुलिस ने बताया कि लाखागढ़ बीएसएनएल ऑफिस से 6 मई की रात अज्ञात चोर ने 4 नग कापर, पट्टी, कापर बेल 30 मी. 50 एमएम, तीन नग 4जी बीटीएस केबल 30 मी., पावर केबल 50 एमएम 10 मी., 25 एमएल केबल 20 मीटर 2 जीबीटीएस केबल 20 मीटर (कीमत करीब 30 हजार रुपए) पार कर दी। रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ धारा 331(4), 305 ए बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। इसी तरह 7 मई को बीएसएनएल ऑफिस बागबाहरा से 5 नग लिथियम बैटरी अज्ञात ने चोरी कर ली है। इन दोनों चोरी के मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 331(4), 305 ए बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है।

तेंदूपत्ता संग्राहण करने गयी दो महिलाओं पर जंगली सुअर ने किया हमला

महासमुंद/नवप्रदेश। पिथौरा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सांकरा परिवृत के माटीदरहा परिसर में तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान दो महिला श्रमिकों पर जंगली सुअर ने हमला कर दिया। यह घटना मोहगांव की लघु वनोपज समिति के अंतर्गत ग्राम बगारदरहा से लगे कक्ष क्रमांक -290 में सुबह लगभग 6 बजे घटी। हमले में घायल महिलाओं की पहचान ग्राम बगारदरहा निवासी देवना बाई साव, वृंदावती चौहान के रूप में की गई है। हमले के बाद दोनों महिलाओं का प्राथमिक उपचार ग्राम बगारदरहा में ही एक अस्पताल में कराया गया। वन विभाग ने प्रत्येक को तात्कालिक सहायता के रूप में 5 सौ रुपए प्रदान की है।

चिखली स्कूल में समाधान शिविर का हुआ आयोजन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओ का समाधान कर उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ देने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुशासन तिहार मनाने का निर्णय लिया गया। जिसके प्रथम चरण में नागरिको की समस्या से अवगत होने उनसे आवेदन लिया गया, जिसका समाधान द्वितीय चरण में किया गया और अब तृतीय चरण में उसका समाधान बताने समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है। उक्त उदगार महापौर श्री मधुसूदन यादव ने चिखली स्कूल में आयोजित समाधान शिविर में दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में राशन कार्ड, निराश्रित पेंशन, प्रधानमंत्री आवास के अलावा, श्रमिक कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, आयुष्मान कार्ड जैसे अनेक शासन की योजनाओ का लाभ दिया जा रहा है। साथ ही आवेदको के समस्याओं का समाधान भी बताया जा रहा है। उन्होंने शिविर में उपस्थित सभी विभाग के अधिकारियो व कर्मचारियो को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके द्वारा प्राप्त आवेदनों का समाधान कर लोगो तक पहॅुचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिनका समाधान नही हुआ है, वे भी आवेदन डाल सकते है, ताकि उसमें पुर्न विचार किया जा सके।

चिखली में वार्ड नं. 5,6,9,10,11,12 व 13 के लिए आयोजित समाधान शिविर में संबंधित वार्ड के पार्षद श्री शिव वर्मा, श्री सुनील साहू, श्रीमती श्रुति जैन, श्रीमती अपूर्वा श्रीवास्तव शामिल हुए। वरिष्ठ पार्षद श्री शिव वर्मा ने कहा कि शासन द्वारा जनता की भावना को ध्यान में रखकर उनकी समस्या का समाधान करने और योजना का लाभ देने सुशासन तिहार के तहत राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, नल कनेक्शन आदि अनेक कार्यो का निराकरण करने शिविर लगाया जा रहा है।

मारपीट गाली गलौज दोनों पक्षों पर केस दर्ज

महासमुंद/ नवप्रदेश। लाखागढ़ में मारपीट हो गई। पिथौरा थाने में काउंटर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को लाखागढ़ निवासी पोमल कोसरिया ने बताया कि 7 मई की शाम 7 बजे इमाम बाड़ा वार्ड-01 में बाइक का काम करा रहा था। तभी, सरपंच प्रियरंजन कोसरिया व उनके अन्य 04 भाई आशुतोष, किशोर, कैलाश, सोमेश ने उनसे और तारेंस कोसरिया के साथ मारपीट कर दी। मामले में आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 191(2), 296 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है। वहीं दूसरे पक्ष के आशुतोष कोसरिया ने पोमल कोसरिया, तारेंस कोसरिया के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के संबंध में एक लिखित शिकायत की है। आवेदन पर धारा 296, 115(2), 351(2), 3(5) के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

प्रदेश के नगर पंचायत: निगम जैसा टैक्स, गांव से भी बदतर सुविधा!

राजनांदगांव -छुरिया / नव प्रदेश। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में टैक्स की असमान नीति आम जनता के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गई है। पूर्ववर्ती सरकार के समय से चले आ रहे टैक्स के भारी बोझ से नगर पंचायत के नागरिक बुरी तरह परेशान हैं। विडंबना यह है कि नगर निगमों और नगर पालिकाओं के बराबर टैक्स वसूला जा रहा है, जबकि यहां मूलभूत सुविधाओं का स्तर ग्राम पंचायतों से भी कम है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सरकार द्वारा नगर पंचायत अध्यक्षों और पार्षदों को विकास कार्यों के लिए जो निधि आवंटित की जाती है, उसका उपयोग अक्सर गैर-जरूरी कार्यों में होता है। जनप्रतिनिधियों द्वारा मूलभूत सुविधाओं जैसे साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, सड़कों का रखरखाव और उद्यानों के विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। इसके चलते नगर पंचायत में विकास कार्य ठप पड़े हैं और नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसी स्थिति में, नगर पंचायत के पास विभिन्न विकास कार्यों के लिए राशि जुटाने का एकमात्र जरिया संपत्ति कर और अन्य तरह के बेजा टैक्स ही रह जाते हैं। इन भारी टैक्सों के कारण आम लोगों की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है और वे छत्तीसगढ़ सरकार से इस टैक्स में राहत की उम्मीद कर रहे हैं।

नगर निगम जैसी वसूली, ग्राम पंचायत से भी बदतर हालातः

छतीसगढ़ मे नगर पंचायत के नागरिकों का कहना है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में नगरीय निकायों द्वारा टैक्स का निर्धारण न्यायसंगत नहीं है। नगर निगमों और नगर पालिकाओं में जहां नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं, वहीं उनसे उसी अनुपात में टैक्स भी वसूला जाता है। इसके विपरीत, नगर पंचायत में टैक्स की दरें तो नगर निगमों और नगर पालिकाओं के बराबर हैं, लेकिन यहां सुविधाओं का घोर अभाव है।

शहर में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है, पेयजल की आपूर्ति अनियमित है, उद्यानों की हालत खस्ता है और नगर के वार्डों में सड़कों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। गड्ढों और धूल से भरी सड़कें आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। वहीं, दूसरी ओर ग्राम पंचायतों की स्थिति पर गौर करें तो सरकार द्वारा सरपंचों और पंचों को कोई विशेष निधि आवंटित नहीं की जाती और उनका बजट भी नगर पंचायतों से कम होता है। इसके बावजूद, कई ग्राम पंचायतों में मूलभूत सुविधाएं नगर पंचायतों के मुकाबले बेहतर हैं।

सरकार से उम्मीदें:

आम लोगों का छत्तीसगढ़ सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं:

टैक्स दरों में कमी:

नगर पंचायत के नागरिकों से वसूले जा रहे संपत्ति कर और अन्य टैक्सों की दरों को नगर निगमों और नगर पालिकाओं की तुलना में कम किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके। सुविधाओं में सुधारः नगर पंचायत में मूलभूत सुविधाओं जैसे सफाई, पेयजल, सड़क निर्माण और रखरखाव, और उद्यानों के विकास के लिए विशेष बजट आवंटित किया जाए और इन कार्यों की नियमित निगरानी की जाए।

जनता का सवाल: यह कैसा न्याय है?

प्रदेश के नागरिकों का सवाल है कि जब उन्हें नगर निगमों और नगर पालिकाओं जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, तो उनसे उतना ही टैक्स क्यों वसूला जा रहा है? यह सीधे-सीधे आम जनता के साथ अन्याय है। नागरिकों का आरोप है कि राजनेता और सरकारें अपने-अपने फायदे के लिए नियम बनाते और खत्म करते हैं, जबकि आम आदमी महंगाई और टैक्स के बोझ तले पिसता रहता है।

स्थानीय निवासी रमेश कुमार ने कहा, ÷हम हर साल संपत्ति कर भरते हैं, लेकिन हमारे वार्ड में न तो अच्छी सड़कें हैं और न ही नियमित सफाई होती है। यह कैसा विकास है?÷ वहीं, एक महिला निवासी सीता बाई ने बताया, ÷पानी की समस्या इतनी गंभीर है कि हमें दूर से पानी भरकर लाना पड़ता है, और टैक्स हम नगर निगम वालों के बराबर भरते हैं।

सुबह नगर भ्रमण में निकले महापौर एवं कलेक्टर

■ शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु विभागीय अधिकारियों के साथ शासकीय भूमि का किया निरीक्षण

राजनांदगांव/ नव प्रदेश

निगम सीमाक्षेत्र मे शासन द्वारा स्वीकृत योजनाओं का क्रियान्वयन करने स्थल निरीक्षण हेतु महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे विभागीय अधिकारियों के साथ आज शहर भ्रमण किये। भ्रमण के दौरान निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, एस.डी.एम. श्री खेमलाल वर्मा, तहसीलदार श्री मनीष वर्मा सहित महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा व श्री आलोक श्रोती, पार्षद श्रीमती प्रियंका पंकज कुरंजेकर उपस्थित थे। भ्रमण के दौरान उन्होंने मोहारा जलसयंत्र गृह का निरीक्षण कर नदी में पानी की स्थिति एवं समाग्री की उपलब्धता की जानकारी लिए।

उल्लेखनीय है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनहित में विभिन्न योजनाए संचालित की जाती है, जिसका लाभ जनता को देने उसका क्रियान्वयन आवश्यक होता है। इसी प्रकार राजनांदगांव में नागरिकों की सुविधा के लिये राज्य सरकार द्वारा घोषणा कर विभिन्न योजनाओ की स्वीकृति दी गयी है। उन्ही घोषणाओ को धरातल में पूरा करने आज महापौर श्री यादव एवं कलेक्टर डॉ. भुरे नगर निगम, राजस्व एवं राजगामी के अधिकारियों के साथ निगम सीमाक्षेत्र में भूमि की उपलब्धता देखने सुबह निकले।

महापौर श्री यादव ने कहा कि शासन द्वारा निगम सीमाक्षेत्र में नागरिको की सुविधा के लिये विभिन्न घोषणाए की गयी है, जिसका धरातल में क्रियान्वयन करने आज स्थल चयन किया जा रहा है। योजनाओ में हॉकी एकेडमी, नालंदा परिसर, सर्वसुविधायुक्त आडिटोरियम निर्माण, थोक मार्केट जैसे अन्य कार्य के लिये स्थल चयन कर निर्माण किया जाना है, ताकि निर्माण उपरांत माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की मंशानुरूप राजनांदगांव की जनता को लाभ मिल सके। इन योजनओ के क्रियान्वयन के लिए आज कलेक्टर के साथ उर्जा पार्क के बाजू, कुज विहार कालोनी में कृष्ण कुंज के बाजू तथा मोहारा बाईपास रोड के शासकीय भूमि का निरीक्षण किया गया। भूमि उपलब्धता के आधार पर योजना का क्रियान्वयन किया जायेगा।

कलेक्टर डॉ भुरे ने कहा कि योजना की स्वीकृति अनुसार स्थल चयन करना है और मापदण्ड के अनुरूप निर्माण कार्य किया जाना है। उन्होंने राजस्व, राजगामी एवं नगर निगम के अधिकारियो से कहा कि उक्त भूमि के अलावा निकाय क्षेत्र में आपके विभाग के अधीन शहर की रिक्त भूमि की सम्पूर्ण जानकारी नक्शा खसरा सहित प्रस्तुत करे, जिससे योजना को मूर्त रूप दिया जा सके।

भ्रमण के दौरान महापौर श्री यादव व कलेक्टर डॉ. भुरे मोहारा स्थित जलसयंत्र गृह का निरीक्षण किये। महापौर श्री यादव ने कहा कि मोगरा से पानी लिया जा रहा है जो एनीकट में पहॅुच गया है, जिससे लगभग एक माह पानी आपूर्ति की जा सकती है। कलेक्टर डॉ. भुरे ने मोहारा एनीकट में पानी संग्रहण की जानकारी लेकर कहा कि प्लांट में आवश्यक समाग्री का पर्याप्त भण्डारण रखे तथा जल संकट वाले क्षेत्र में टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई करे। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता श्री यू.के.रामटेके व श्री संजय वर्मा, सहायक अभियंता श्री प्रणय मेश्राम

मुख्यमंत्री ने राज मिस्त्री बन सोखता गड्ढा के लिए की ईंट जोड़ाई

■ पानी बचाने के लिए जल संचयन वाहिनी के काम को सराहा

भाटापारा/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रदेश व्यापी सुशासन तिहार अंतर्गत जिले के विशेष पिछडी जनजाति कमार बाहुल्य गांव बल्दाकछार पहुंचे। उन्होंने मोर गांव, मोर पानी महाभियान अंतर्गत जल संचयन के लिए जल संचयन वाहिनी द्वारा निर्माण किये जा रहे सोखता गड्ढे का अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं कैचा लेकर निर्माणाधीन सोखता गड्ढा में ईंट जोड़ाई किया। पानी बचाने के लिए जल संचयन वाहिनी के कार्यों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संकट से बचने इस तरह के प्रयास जरुरी है।

जल संचयन वाहिनी के सदस्य ललिता ध्रुव ने बताया कि मोर गांव, मोर पानी महाभियान के तहत बल्दाकछार में अब तक 10 नलकूपो के पास सोखता गड्ढे का निर्माण किया जा चुका है। इस अभियान के तहत तालाबों की सफाई, जागरूकता रैली, दीवाल लेखन, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

आशीष छाबड़ा ने संभाला जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का पदभार

साजा/बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी के राजीव भवन में आज नए जिला अध्यक्ष का पदभार ग्रहण का कार्यक्रम रखा गया था। जहां पूर्व विधायक बेमेतरा आशीष छाबड़ा ने जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष का पदभार विधिवत रूप से राजीव भवन में जाकर आज अपना पदभार ग्रहण किया। जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे, गुरु रुद्र कुमार एवं पूर्व संसदीय सचिव गुरुदयाल सिंह बंजारे उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा पूर्व में भी मैं जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष रहा हूं, जिसमें कांग्रेसियों का सहयोग मिलता रहा है तथा निकट भविष्य में भी इस सहयोग का मैं आकांक्षी हूं। जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार सत्ता में आसीन हुई है तब से प्रदेश में चारों ओर अराजकता का माहौल बना हुआ है, आम जनता बुरी तरह से परेशान है। लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। भाजपा सरकार चारों ओर लूट मचा रखी है। आने वाले समय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बेमेतरा जिले में कांग्रेस को मजबूत किया जाएगा। साथ ही साथ ऊर्जावान लोगों को जिला कांग्रेस कमेटी में स्थान दिया जाएगा। जिससे कांग्रेस की विचारधारा को आमजन मानस में विस्तारित किया जा सके। आशीष छाबड़ा के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पद पर आसीन होने से बेमेतरा जिले में युवा कांग्रेसियों में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। साथ ही सभी के द्वारा बोला जा रहा है कि युवा तुर्क लोगों को बेमेतरा जिला कांग्रेस कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। आज के कार्यक्रम में पूरे बेमेतरा जिले से भारी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

विधायक दीपेश साहू ने खमरिया में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

■ खमरिया के समाधान शिविर में 3905 आवेदनों का हुआ निराकरण

साजा/बेमेतरा। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज बेमेतरा जिले के बेरला विकासखंड के क्लस्टर ग्राम खमरिया में आठवा सुशासन समाधान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत आयोजित किया गया। क्लस्टर खमरिया सहित इसमें 11 ग्राम पंचायतें संण्डी, बहिंगा, डंगनिया ब, बहेरघट, सत्था, सिंधौरी, देवरबीजा, घोटमर्रा, खम्हरिया डी और भेड़नी शामिल रहीं।

शिविर में 11 ग्राम पंचायतों से प्राप्त 3905 विभिन्न समस्याओं, मांगों और शिकायतों के आवेदनों का निराकरण संबंधित अधिकारियों द्वारा किया गया और जनसमूह के समक्ष पढ़कर सुनाया गया। साथ ही ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने मेधावी विद्यार्थियों को साल और प्रमाण पत्र भेंट किए। साथ ही हितग्राहियों को राशन कार्ड, नरेगा जॉब कार्ड, मोची बाक्स, पासबुक और बुजुर्गों को वय वंदन कार्ड सौंपे। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने जल सरक्षण की शपथ दिलाई। शिविर में जनसंपर्क विभाग की मासिक पत्रिका जनमन का वितरण किया गया।

विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा है कि आम जनता को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं औचक निरीक्षण कर रहे हैं और भीषण गर्मी में भी जनता से सीधे मिलकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं तथा उनके आवेदनों के निराकरण की जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे इन शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लें और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

शिविर के प्रथम सत्र में पूर्व विधायक अवधेश चंदेल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी टेकचंद्र अग्रवाल, क्षेत्र के पंच, सरपंच और विभिन्न विभागों के अधिकारीगण भी मौजूद थे। शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों से संपर्क किया।

पेज 1 का शेष

करतारपुर कॉरिडोर के...

जारी है। सुरक्षा बल पूरी सतर्कता के साथ हर मोर्चे पर जवाबी कार्रवाई में जुटे हुए हैं।

नई दिल्ली/वार्ता। 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाकिस्तान की कायरना हरकतों को लेकर विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के नापाक चेहरे और इरादों का पर्दाफाश कर दिया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह 8 से 9 मई की रात की पाकिस्तान के हमलों की जानकारी दी। इस दौरान सबसे बड़ी खुलासा यह हुआ कि पाकिस्तान ने अतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर लेह से लेकर सरक्रीक तक 36 जगहों पर 300-400 ड्रोन से घुसपैठ की कोशिश की। ये ड्रोन तुर्किये के बताए जा रहे हैं।

'यात्री विमानों को ढाल बनाया'

उन्होंने बताया, 'पाकिस्तान ने 7 मई को शाम 8:30 बजे एक असफल बेवजह ड्रोन और मिसाइल हमला करने के बावजूद अपना नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया। पाकिस्तान नागरिक विमान को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि भारत पर उसके हमले के बाद उसे तेज हवाई रक्षा प्रतिक्रिया मिलेगी। यह भारत और पाकिस्तान के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास उड़ान भरने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानों सहित सभी नागरिक विमानों के लिए सुरक्षित नहीं है। हमने आपको एक स्क्रीनशॉट भी दिखा रहे हैं, उसमें पंजाब सेक्टर में उच्च वायु रक्षा चेतावनी की स्थिति के दौरान एप्लीकेशन फ्लाइट रडार 24 का डेटा दिखाया गया है। जैसा कि आपने देखा है, हमारे घोषित बंद के कारण भारतीय पक्ष का हवाई क्षेत्र नागरिक हवाई यातायात से पूरी तरह से खाली है। हालांकि, कराची और लाहौर के बीच हवाई मार्ग पर नागरिक विमान उड़ान भर रहे हैं। भारतीय वायुसेना ने अपनी प्रतिक्रिया में काफी संयम दिखाया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय नागरिक वाहकों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।'

भारत-पाकिस्तान तनाव...

पूछ गए सवाल में उन्होंने कहा कि सभी बोर्ड हमारा समर्थन करते हैं। ऐसे में विंडो कोई चिंता की बात नहीं है। विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर उन्होंने कहा कि यह उनका निजी फैसला होगा, वो खुद ही इस पर फैसला लेंगे। इससे पहले आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने गुरुवार रात बताया था कि मौजूदा स्थिति में आईपीएल का 18वां सत्र जारी रहेगा, लेकिन अब बोर्ड में इसे स्थगित करने का फैसला किया है।

हम उम्मीद करते हैं ...

एक कार्यक्रम में दम्मू रवि से सवाल किया गया कि क्या भारत-पाकिस्तान संघर्ष का देश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा? तो इसके जवाब में रवि ने कहा कि सुरक्षा, विकास और आर्थिक विकास एक दूसरे से जुड़े हैं। इसलिए संघर्ष की स्थिति में इसका असर स्वभाविक तौर पर उद्योगों पर होगा। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि मौजूदा संघर्ष और न बढ़े। उल्लेखनीय है कि बुधवार रात को पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों पर हमले की कोशिश की, लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों ने हमले को नाकाम कर दिया। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के लाहौर में स्थित रडार सिस्टम को तबाह कर दिया। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष बढ़ने की आशंका बन गई है।

पहलगाम आतंकी हमले से हुई संघर्ष की शुरुआत- पाकिस्तान ने जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कई अन्य शहरों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले की कोशिश की थी। इससे पहले भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें कई आतंकी मारे गए। भारत पाकिस्तान के बीच तनाव पहलगाम आतंकी हमले के बाद से बढ़ा हुआ है। हमले के जवाब में भारत ने पहले पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया था। साथ ही अटारी एकीकृत चेक पोस्ट को बंद कर दिया। साथ ही दूतावास से सुरक्षा अधिकारियों को देश छोड़ने का फरमान सुना दिया।

ईमानदार सरकार ने जनता के...

का काम कर रहे हैं। साय ने कहा कि आगामी 13 तारीख को केंद्रीय पंचायत मंत्री की मौजूदगी में 3.5 लाख आवास गरीब परिवारों को और मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आवास प्लस प्लस की सर्वे तिथि को भी बढ़ा दिया गया है और आवास की पात्रता नियमों को भी शिथिल कर दिया गया है। उन्होंने सभी से आवास प्लस प्लस सर्वे में शामिल होने का आग्रह किया। साय ने कहा कि हमारी सरकार ने 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, धान के बकाया बोनस की राशि देने और महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं -बहनों को आर्थिक संबल देने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से हम अपने प्रदेशवासियों और वृद्धजनों को तीर्थ यात्रा करवा रहे हैं। साय ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ लेने को कहा।

नन्हें बच्चों का कराया अन्नप्राशन- समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल और विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को अन्य उपकरण और सामग्रियां वितरित किए। मुख्यमंत्री ने विभागीय स्टालों का दौरा कर अधिकारियों से आवेदनों के निराकरण की जानकारी ली और लंबित आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया और गर्भवती माताओं की गोद भराई की रस्म में शामिल हुए।

इस अवसर पर विधायक रोहित साहू, छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, जिला पंचायत गरियाबंद के अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजु एस. मौजूद रहे।

समूचे गरियाबंद अंचल को चाहिए चिकित्सा महाविद्यालय, जनस्वास्थ्य की बुनियादी जरूरत

जीवन एस साहू

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती और वनांचल जिले गरियाबंद में मेडिकल कॉलेज की माँग अब जनभावना से निकलकर एक ठोस आंदोलन का रूप ले रही है। इस जिले के लोग वर्षों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा की बाट जोह रहे हैं। अब समय आ गया है कि राज्य सरकार गरियाबंद जैसे पिछड़े अंचल की सुध ले और यहाँ चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना कर जनस्वास्थ्य को मजबूती दे।

गरियाबंद अंचल की सामाजिक-भौगोलिक आवश्यकता : गरियाबंद जिला नक्सल प्रभावित, आदिवासी बहुल और दुर्गम वन क्षेत्रों से घिरा है। यहाँ मैनपुर, देवभोग, छुरा, फिंगेश्वर और गरियाबंद जैसे ब्लॉक ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति अत्यंत सीमित है। गंभीर रोगों या दुर्घटनाओं की स्थिति में मरीजों को 100 से 150 किलोमीटर दूर रायपुर, महासमुंद या धमतरी जाना पड़ता है।

राज्य सरकार की प्राथमिकता में गरियाबंद क्यों?

सीमा क्षेत्रः ओडिशा से लगा यह क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास की दृष्टि से संवेदनशील है।

वनांचल और आदिवासी बहुलताः अनुसूचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा के सशक्तिकरण के लिए विशेष नीति लागू होनी चाहिए।

पूर्व में उपेक्षाः पड़ोसी जिलों में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हो चुकी है, लेकिन गरियाबंद अब तक वंचित है।

जनता की आवाज – यह हमारा हक है - गरियाबंद के पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यार्थी संगठन, पंचायत प्रतिनिधि और आम नागरिक लगातार यह माँग कर रहे हैं कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना केवल सुविधा नहीं, एक मौलिक अधिकार है। कई बार जनपद, जिला पंचायत और विधायक मंच से प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं।

निष्कर्ष- यदि सरकार सच में ÷हर जिले में मेडिकल कॉलेज÷ की नीति को साकार करना चाहती है, तो गरियाबंद उसकी सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। यह कॉलेज न केवल गरियाबंद अंचल बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र को स्वास्थ्य का नया जीवन देगा।

मेडिकल कॉलेज क्यों आवश्यक है?

1. जिला अस्पताल का दर्जा ऊँचा होगाः मेडिकल कॉलेज के साथ बनने वाला अधुनातन हॉस्पिटल गरियाबंद जिला अस्पताल की स्थिति को मजबूत करेगा।
2. गंभीर बीमारियों का इलाज यहीं होगाः कैंसर, हृदय रोग, प्रसव जटिलता जैसे गंभीर मामलों में समय पर इलाज संभव होगा।
3. स्थानीय युवाओं को मेडिकल शिक्षा का अवसरः गरियाबंद अंचल के मेधावी छात्र अब रायपुर-दुर्ग जाकर मेडिकल की कोचिंग व पढ़ाई के बोझ से बचेंगे।
4. रोजगार और विकासः चिकित्सा शिक्षा संस्थान बनने से डॉक्टर, स्टाफ लैब, दवा, छात्रावास, हॉस्टल, दुकान आदि क्षेत्रों में नए रोजगार सृजित होंगे।

प्रशासनिक रिपोर्ट की धज्जियां उड़ाना प्रशासन के लिए शर्मनाक : चोपड़ा

महासमुंद/नवप्रदेश। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा ने कहा है कि सांसद रूपकुमारी चौधरी द्वारा कमिश्नर एवं कलेक्टर की उपस्थिति में आवेदनों के निराकरण संबंधी प्रशासनिक

रिपोर्ट की धज्जियां उड़ाना प्रशासन के लिए शर्मनाक है। डॉ. चोपड़ा ने कहा कि जनता के साथ किया जा रहा मजाक जनप्रतिनिधियों का अपमान है। जिले के राजस्व विभाग के मुखिया की उपस्थिति में उनके ही विभाग की धज्जियां उड़ी और वे मौन रहे। इससे लगता है कि सारा कुछ उनकी जानकारी और सहमति से हो रहा है। महासमुंद तहसील एवं अनुविभागीय कार्यालय के भ्रष्टाचार के संबंध में कलेक्टर से शिकायत के बावजूद किसी प्रकार की कार्रवाई न होना अनेक संदेहों को जन्म देता है। उन्होंने कहा कि स्वयं कलेक्टर को तीन माह पूर्व जनता के कामों में आ रही कठिनाइयों की जानकारी उनके द्वारा देने के बावजूद आश्वासन के सिवाय कुछ नहीं मिला। महासमुंद तहसील कार्यालय में खुलेआम चल रहे भ्रष्टाचार की जानकारी भी कलेक्टर को दी गयी। लेकिन, उसकी जांच में भी कोई प्रगति नहीं है। अभनपुर कांड के एक बड़े भू-माफिया को महासमुंद के अधिकारियों का खुला संरक्षण है। जिसके कारण वह अभनपुर के साथ-साथ महासमुंद क्षेत्र में भी करोड़ों के खेल में संलिप्त है। जिसकी भी जांच की जरूरत है। डॉ.चोपड़ा ने सांसद की साफगोई की प्रशंसा की।

आपत्तिजनक फोटो वायरल, गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। झलप क्षेत्र की एक महिला का आपत्तिजनक फोटो वायरल करने के मामले में पटेवा पुलिस ने गज्जू ध्रुव को गिरफ्तार किया है। पुलिस गज्जू के जरिए उक्त फोटो को वायरल करने वाले अन्य युवकों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। मामला सप्ताह भर से झलप-पटेवा अंचल में चर्चा में है। मामला संभ्रांत परिवार से जुड़ा है। पुलिस ने धारा-79, आईटी एक्ट की धारा 67 व 67 (ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में जुटी है।

पीईटी, पीपीएचटी परीक्षा संपन्न

महासमुंद/नवप्रदेश। शहर के दो केंद्रों में आज पीईटी तथा पीपीएचटी परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। जबकि, पीपीएचटी परीक्षा 2 बजे से 5.15 बजे तक आयोजित हुआ। आज हुई पीईटी परीक्षा के लिये कुल 459 परीक्षार्थियों ने पंजीयन कराया था। इसमें 252 उपस्थित रहे तथा 207 अनुपस्थित रहे। वहीं, पीपीएचटी परीक्षा में कुल पंजीयन 866 थे। जिसमें 482 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 384 अनुपस्थित रहे।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का किया निरीक्षण

खैरागढ़/नवप्रदेश। ग्रीष्मकालीन कलात्मक शिविर के उद्घाटन में पहुंचे राज्यपाल रमेन डेका ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। कैंपस 1 में बने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का अवलोकन कर जल संरक्षण के लिए सार्थक पहल बताया। लोक संगीत विभाग में छत्तीसगढ़ के लोक वाद्यों के साथ ही लोक वेशभूषाओं से अवगत हुए। राज्यपाल डेका ने लोक वाद्यों सहित लोक वेशभूषाओं के उपयोग के संबंध में जानकारी ली। चित्रकला विभाग पहुंच छात्र कलाकारों द्वारा निर्मित विभिन्न चित्रकारी का अवलोकन किया और छात्र कलाकारों की प्रतिभा की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दूसरे दिन राज्यपाल ने लाइब्रेरी के सामने स्थित गार्डन में एक पेड़ मां के नाम पर वृक्षारोपण कर कला संकाय के पास कम्पोस्ट खाद निर्माण हेतु निर्मित टंकी का निरीक्षण किया। क्राफ्ट एंड डिजाइन विभाग का अवलोकन कर जहां छात्राओं द्वारा बनाए गए विभिन्न डिजाइनों के कपड़ों को लेकर विद्यार्थियों से जानकारी ली और उनके उज्जवल भविष्य के लिये इसे बेहतर बताया। इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के बेहतर विकास के लिये हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

गरियाबंद ज़िले के मैनपुर, देवभोग, पैलीखंड एवं सेंधमुड़ा क्षेत्र की धरती पर गड़े बहुमूल्य रत्न 'हीरा एवं एलेक्जेंडर' के त्वरित दोहन की नितांत आवश्यकता

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद ज़िले के मैनपुर, देवभोग, पैलीखंड और सेंधमुड़ा क्षेत्र की धरती न केवल सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से समृद्ध है, बल्कि भूगर्भीय संपदा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिक सर्वेक्षणों एवं खनिज विशेषज्ञों की रिपोर्टों में यह प्रमाणित हुआ है कि इन क्षेत्रों की भूमि के गर्भ में बहुमूल्य रत्न विशेषकर हीरा तथा दुर्लभ एलेक्जेंडर अच्छी मात्रा में मौजूद हैं।

इन प्राकृतिक निधियों का त्वरित, वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से दोहन न केवल छत्तीसगढ़ राज्य की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकता है, बल्कि स्थानीय विकास, स्वरोजगार, पलायन की रोकथाम और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने में भी अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकता है।

प्रमुख आवश्यकताएँ:

1. भू-वैज्ञानिक पुनः सर्वेक्षणः केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा इन क्षेत्रों में विस्तृत खनिज सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए।

2. राजनीतिक एवं प्रशासनिक प्राथमिकताः मैनपुर, देवभोग, पैलीखंड और सेंधमुड़ा क्षेत्र को विशेष खनिज क्षेत्र घोषित कर त्वरित विकास योजनाएं बनाई जाएं।

3. स्थानीय सहभागिताः खनन कार्यों में स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता मिले तथा ग्रामसभा की सहमति से कार्य हों।

4. पर्यावरणीय संरक्षणः खनिज दोहन के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन हेतु सावधानीपूर्वक योजना बनाई जाए।

आज जब भारत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है, तब गरियाबंद ज़िले के ये क्षेत्र ङ्क जो अब तक उपेक्षित रहे हैं ङ्क राष्ट्रीय खनिज मानचित्र पर अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करवा सकते हैं। यह समय है कि इन बहुमूल्य रत्नों की पहचान, सुरक्षा एवं दोहन हेतु त्वरित कदम उठाए जाएं।

एनीकट बनाकर भूल गया प्रशासन

- नदियों के संरक्षण की दिशा में काम नहीं हो रहा,
- सूख गई जीवनदायिनी, आमनेर, पिपरिया और मुस्का नदी में पानी नहीं, निस्तारी का संकट,मवेशी भी नहीं पी रहे पानी,
- नालों का गंदा पानी पहुंच रहा, मवेशी भी पीने से कतरा रहे

खैरागढ़/नवप्रदेश। शहर को जल देने वाली तीनों जीवन दायिनी नदी आमनेर, मुस्का और पिपरिया गर्मी की शुरूआत में ही पूरी तरह सूख गई है। इन तीनों नदियों के बूते शहर में जल स्तर बनता है। आमनेर नदी बारिश के बाद सूखने के कगार पर पहुँच जाती है। जबकि पिपरिया और मुस्का में ठंड के दौरान भी बेहतर पानी का स्टाक रहता है। लेकिन गर्मी के पहले व्यवस्था नही सुधारने के चलते तीनों जीवनदायिनी नदियों का अस्तित्व खतरे में आ रहा है।

मवेशी भी नहीं पी रहे पानी : गर्मी के दौरान फ्लिहाल तीनों नदियों में शहर भर के नालों का गंदा पानी ही भरा है। आमनेर में तुरकारीपारा, ईतवारीबाजार, किलापारा, अमलीपारा वार्ड के नालों का पानी समाहित होता है। पिपरिया में गंजीपारा, लालपूर मोंगरा, राजफेमली, बरेठपारा, ठाकुरपारा,धरमपूरा, किलापारा वार्ड के नालो का पानी पहुँचता है। मुस्का नदी में दाउचौरा, अंबेडकरवार्ड के नालों का पानी सीधे गिरता है। फ्लिहाल तीनो जीवनदायिनी नदियों में नालो का पानी ही भरा है। जिसे पीने मवेशी भी पीछे हट रहे है। निस्तारी की समस्या सालों से जस की तस पड़ी है। इसके बाद भी नदियों के संरक्षण को लेकर कोई उपाय अब तक नहीं किए जा सके। कूछ साल पहले तक इन नदियों को बचानें, संरक्षण के लिए गहरीकरण, पौधारोपण जैसे अभियान चलाए गए। लेकिन गहरीकरण को व्यापार बनाकर काम किया गया। पौधारोपण अभियान केवल एक समय तक सीमित रह गया। शहर की जीवनदायिनी तीनों नदियों को फ्लिहाल खुद पानी की दरकार है। नदियों के संरक्षण की दिशा में गंभीरता नहीं दिखा रहे। इसलिए नदी सूख रहे हैं।

जलस्तर, निस्तारी सहित सभी व्यवस्था इन्ही नदियों के भरोसे

शहर की पूरी जल व्यवस्था आमनेर, मुस्का और पिपरिया नदी के बूते ही होती है। तीनों नदियों में पानी रहने के दौरान शहर का जल स्तर सबसे बेहतर होता है। गर्मी के पहले ही तीनो नदियों का जल सूखते ही शहर में जलसंकट शुरू हो जाता है। फ्लिहाल तीनों नदियों में निस्तारी तो दूर पशुओं के पीने लायक भी पानी नही बचा है। जिसके चलते गर्मी में शहर में जलसंकट की शुरूआत हो गई है। इन नदियों में जलस्तर भरने तीन एनीकट का निर्माण भी किया गया है। जिसकी मरमत नही होने से गर्मी में पानी बचाने की मुहिम धूमिल पड़ गई है। एनीकट में गर्मी के पहले ही पानी की कमी हो जाती है। जिसके चलते एनीकट के गेट बंद होने के बाद भी अब इन नदियों में पानी नही बचा है।गर्मी के दौरान आमनेर नदी, मुस्का नदी और पिपरिया पिपरिया नदी पूरी तरह से सुखने के चलते इन नदियों को भरने की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है केवल पिपरिया नदी को गर्मी के दौरान एकात बार रश्मि देवी जलाशय से पानी छोड़कर भरा जाता है।

> पिछले साल बाढ़ के चलते आमनेर एवं मुस्का नदी में बने एनिकट के गेट क्षतिग्रस्त हो गया था , जिससे पानी लीकेज हो रहा था, जल संसाधन विभाग को पत्र के माध्यम से इसकी जानकारी दे दी गई है बजट आने पर दोनों एनीकट का सुधार एवं मरम्मत कार्य किया जाएगा ।
>
> **नरेश वर्मा** , मुख्य नगर पालिका अधिकारी खैरागढ

गरीबों के लिए वरदान बना प्रधानमंत्री आवास योजना

धमतरी/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री आवास योजना ने देशभर के कई आवासहीन परिवारों के लिए एक नई उम्मीद जगाई है। बेघर परिवारों को इस योजना के माध्यम से मिल रहे पक्के मकान ने न केवल लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाया है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और स्थायी आवास भी प्रदान कर रही है।

इसी योजना के तहत जिले के धमतरी विकासखंड के ग्राम पंचायत कोड़ेगांव रै के आश्रित ग्राम कोदागहन निवासी श्री कवलू राम पिता सुखराम का सपना भी साकार हुआ। मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले कवलू राम के लिए पक्का मकान बनाना एक सपने जैसा था, जिसे पीएम जन-मन प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत साकार किया। कच्चे मकान में रहते हुए श्री कवलू राम और उनके परिवार को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था, विशेषकर बरसात के मौसम में। छत से पानी टपकता था, जिससे घर में रहना मुश्किल हो जाता था। इस मुश्किल समय में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके जीवन में नई रोशनी लेकर आई।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत श्री कवलू राम को 2.00 लाख रुपये की वित्तीय वर्ष 2024-25 में आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस राशि से उन्होंने अपनी बचत मिलाकर एक पक्का मकान बनाया, जो अब उनके परिवार के लिए एक स्थायी और सुरक्षित घर है। इस संबंध में श्री कवलू राम बताते है कि पहले हम कच्चे मकान में रहते थे, जिससे बारिश के समय बहुत परेशानी होती थी। अब हमारे पास पक्का मकान है। अब हम बिना किसी डर भय के पक्के आवास में रहते हैं।

संकुल भवन है ही नहीं, फिर मरम्मतखर्च कैसा? समग्र शिक्षा में घोटाले का संदेह

गरियाबंद/नवप्रदेश। छुरा विकासखंड अंतर्गत लगभग तीन वर्ष पूर्व 20 संकुल केंद्र थे, इसी आधार पर संकुल भवन बनाये गये थे, किंतु लगभग 3 वर्ष पूर्व यहां संकुल केंद्रों की संख्या 20 से बढ़कर 35 कर दी गई है, जिससे 15 संकुल केंद्र बढ़ गये है किंतु इन बढ़े हुये संकुल केंद्रों के संचालन के लिये,नये संकुल कार्यालय भवन नहीं बनाये गये।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत प्रत्येक संकुल समन्वयक को प्रति वर्ष लगभग 70 से 80 हजार रुपया मिलता है, जो विभिन्न मदों में दिया जाता है, इन्हीं मदों में से एक मद मरम्मत कार्य के लिये भी होता है, मिली जानकारी के अनुसार लगभग 20000 की राशि का व्यय संकुल भवन की मरम्मत के लिये किया जाता है।

अब सवाल उठता है कि जब इन 15 नये संकुल केंद्रों के संकुल भवन ही नहीं है तो फिर 20000 रु की राशि मरम्मत के नाम कहाँ खर्च की जा रही है ? ये सिलसिला लगभग दो-तीन वर्षों से जारी है। वहीं मामले में जिम्मेदार अधिकारी ने कोई भी जानकारी नहीं होने की बात कही है।

आपको बता दें कि समग्र शिक्षा के तहत एक संकुल समन्वयक अपने चार-पांच किलोमीटर के दायरे में कार्य करता है, साथ ही साथ जिस स्कूल में पदस्थ है वहां पर उसे दो कालखंड का अध्यापन कार्य अनिवार्य है किंतु इस अनिवार्यता की लगातार उपेक्षा किये जाने की शिकायत प्राप्त होती रही है।

जानकारी ये भी मिलती है कि कई जगह पर तो दो में से एक शिक्षक को समन्वयक बना दिया गया है जिससे संबंधित स्कूल की शिक्षा गुणवत्ता प्रभावित होती है। इन संकुल समन्वयकों को प्राप्त होने वाली राशि और इसके व्यय पर अनेक लोग संदेह व्यक्त करते हैं।

प्राप्त राशि के दिशा निर्देश

मेंटेनेंस बांट में 20000 प्रति संकुल के दर से राशि प्रदान की जा रही है जिसका उपयोग संकुल स्त्रोत केंद्र में भवन का रख रखाव और रंगरोगन, शौचालय मरम्मत सफाई आदि हेतु किया जाना है। टीएलएम ग्रांट मद से 5000 रु की राशि स्वीकृत की गई है जिसका उपयोग शिक्षक प्रशिक्षण के समय, शिक्षण अधिगम सामग्री हेतु उपयोग किया जाता है, मीटिंग टी.ए. मद में 15000 प्रति संकुल की दर से राशि प्रदान की जा रही है जिसका उपयोग समग्र शिक्षा हेतु आयोजित बैठकों में उपस्थिति तथा संकुल केंद्र की मॉनिटरिंग हेतु की गई यात्रा के देयक भुगतान किया जाना है। आकस्मिक व्यय मद से 40000 रु प्रति संकुल की दर से राशि प्रदान की जाती जिसका उपयोग स्टेशनरी, विद्युत कंप्यूटर सामग्री एवं अन्य कार्यालीन उपयोग की सामग्री क्रय करने में किया जाता है।

जिम्मेदार ने किया जानकारी से इनकार

हरीश देवांगन खंड स्त्रोत समन्वयक छुरा ने इस संबंध में कहा कि, कितने संकुल भवन है मुझे जानकारी नहीं है, किंतु प्रत्येक संकुल समन्वयक को कार्यालय का संचालन किया जाना है, हो सकता है उक्त राशि का खर्च वह अस्थाई भवन में करता होगा उक्त राशि का निरीक्षण समग्र शिक्षा जिला कार्यालय के द्वारा किया जाता है इसलिये इस बारे में मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय को नए भवन की नितांत आवश्यकता

गरियाबंद/नवप्रदेश। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, गरियाबंद जिले की एक प्रमुख शैक्षणिक संस्था बनकर उभर रही है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की पहली पसंद बन चुकी है। परंतु यह विद्यालय वर्तमान में गंभीर अव्यवस्थाओं और संसाधनों की कमी से जूझ रहा है।

फिलहाल यह विद्यालय शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गरियाबंद के भवन में दो पाली में संचालित किया जा रहा है। प्रातःकालीन व सायंकालीन पाली के कारण न तो विद्यार्थियों को पर्याप्त समय मिल पा रहा है और न ही शिक्षकों को शैक्षणिक गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार हेतु उचित अवसर। इससे शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।

विद्यालय में नामांकन लगातार बढ़ रहा है, जिससे कक्षाओं की संख्या और स्थान की आवश्यकता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सीमित कक्षाओं और अधोसंरचना के अभाव में विद्यार्थियों की समग्र विकास प्रक्रिया बाधित हो रही है।

शासन द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट योजना के अंतर्गत अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों को उन्नत अधोसंरचना देने का संकल्प लिया गया है, परंतु गरियाबंद जिले में यह विद्यालय अब तक स्थायी भवन से वंचित है। यह समय की माँग है कि गरियाबंद मुख्यालय में इस विद्यालय हेतु पृथक, सुसज्जित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन शीघ्र निर्मित किया जाए। यह मांग न केवल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य से जुड़ी है, बल्कि जिले की समग्र शैक्षणिक प्रगति के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। शासन-प्रशासन को इस दिशा में शीघ्र निर्णय लेकर निर्माण प्रक्रिया आरंभ करनी चाहिए।

10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का राज्यपाल ने किया शुभारंभ

खैरागढ़/नवप्रदेश। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में 16 मई तक आयोजित 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कलात्मक शिविर (निःशुल्क समर कैम्प) का शुभारंभ राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रमेन डेका ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.(डॉ.) लवली शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि संस्थापक परिवार सदस्य डॉ. उज्जवला सिंह तथा विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रेम कुमार पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल ने कहा कि संगीत, कला व संस्कृति किसी भी समाज व प्रदेश की जीवन रेखा की तरह होती है। छत्तीसगढ़ इतना समृद्ध है कि यहां रामायण काल के पहले की संस्कृति मौजूद है। संगीत एक ऐसा माध्यम है जो सुख में तथा दुख में सही रास्ता दिखाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का जिक्र करते हुये राज्यपाल ने कहा कि इसमें बहुत स्कोप है, फाइन आर्टस के क्षेत्र में भी आप बेहतर कर सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अलग-अलग विषयों पर अध्ययन-अध्यापन की सुविधा दी गई है जिसका फायदा निश्चित रूप से विद्यार्थियों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि संगीत व कला से समृद्ध इस तरह का विश्वविद्यालय हमने कभी नहीं देखा।

मुढ़ीपार में हुआ समाधान शिविर का आयोजन , 318 आवेदन मिले

- शिविर में समाधान काउंटर से आवेदनों की निराकरण की दी जा रही है जानकारी

खैरागढ/नवप्रदेश। सुशासन शिविर के बाद आयोजित हो रहे समाधान शिविर के तहत ब्लाक के ग्राम मुढ़ीपार में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 318 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें मांग संबंधी 311 आवेदन और शिकायत से संबंधित 7 आवेदन मिले। जिसका परीक्षण उपरांत नियमानुसार निराकरण किया जा रहा है। शिविर मे कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, वनमण्डलाधिकारी पंकज राजपूत, जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल सहित प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा बारी बारी से योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कहा कि यह पिछली बार यह बात सामने आई थी कि आपके द्वारा दिए गए आवेदनों के निराकरण की जानकारी समय पर आपको नहीं मिल पा रही थी। इस समस्या के समाधान के लिए अब प्रत्येक शिविर में एक विशेष समाधान काउंटर स्थापित किया गया है, जहाँ आवेदनों की स्थिति और समाधान की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रधानपाठ बैराज के निर्माण की मांग पर उन्होंने बताया कि इस संबंध में उच्च स्तरीय अधिकारियों की एक टीम जांच हेतु शीघ्र ही आएगी। साथ ही निर्माण हेतु आवश्यक प्राक्कलन तैयार कर शासन को प्रशासकीय स्वीकृति के लिए भेजा जा चुका है।

गांव में महाविद्यालय की मांग शीघ्र सर्वेक्षण कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश

कलेक्टर सिंह ने जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी ग्रामीणों से अपने घरों में सोखता गड्ढा अनिवार्य रूप से बनवाने की अपील करते कहा कि जल है तो कल है, अतः जल संचयन के प्रति गंभीरता से कार्य करना चाहिए। उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों से सोखता गड्ढों का निर्माण कर इस अभियान में भाग लेने और अन्य लोग को प्रेरित करने कहा । पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने समाधान शिविर के उद्देश्य बताते कहा कि शासन की योजनाओं और सेवाओं को नागरिकों तक पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रभावशीलता के साथ पहुँचाना है। यह तिहार या उत्सव प्रशासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। उन्होंने मुढ़ीपार में थाने की मांग पर कहा कि अभी गातापार में थाना संचालित है जिनकी दूरी होनें के कारण ग्रामीणों को परेशानी हो रही , मुढ़ीपार थाने की स्थापना हेतु शासन को स्तर पर पत्र भेजा गया है। इस दौरान उन्होंने गाड़ी चलते हुए हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने की अपील की।

कबीरधाम की बेटियों ने राज्य की प्रवीण्य सूची में स्थान पाकर किया गौरवान्वित

■ कलेक्टर ने बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए दी बधाई एवं शुभकामनाएं

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल दसवीं बोर्ड परीक्षा में राज्य के मेरिट सूची में दबदबा बानने वाले विद्यार्थियों ने कलेक्टर से सौजन्य भेंट की। इस उपलब्धि पर कलेक्टर ने छात्र-छात्राओं उनके माता-पिता और स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षकों को सम्मानित किया। कलेक्टर श्री वर्मा ने छात्रों को जिले का नाम गौरवान्वित करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने टॉप-10 में शामिल विद्यार्थियों को भविष्य में उनके उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शासन एवं प्रशासन स्तर पर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा यह सफ्लता स्कूल के शिक्षकों, पालकों और विद्यार्थियों के मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इन विद्यार्थियों की मेहनत से टॉप-10 में जगह बनाने से अन्य विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी। ये विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ेगें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि मंजिल को पाने के लिए लक्ष्य पहले से ही निर्धारित कर लेना चाहिए और उसी के अनुरूप मेहनत कर सफ्लता प्राप्त कर सकते है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अजय त्रिपाठी जिला शिक्षा अधिकारी वाईडी साहू, सहायक संचालक एम. के गुप्ता, सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा में सरस्वती शिशु मंदिर पांडातराई के छात्र जैनेन्द्र जायसवाल ने 98.67 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश की टॉप टेन सूची में चौथा स्थान प्राप्त किया है।

प्रावीण्य सूची में आने वाली बेटियां सीए और सिविल सर्विस में देना चाहती है अपनी सेवा

कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में छठवा स्थान हासिल करने वाली बीआरसी पब्लिक इंग्लिश मीडियम हायर सेकंडरी स्कूल, कुंडा के प्रिंसि चंद्राकर ने बताया कि ग्यारहवीं कक्षा में वाणिज्य संकाय लेकर पड़ना चाहती है। उनका सपना सीए बनना है। उन्होंने कहा कि शिक्षक और माता पिता ने सभी विषयों को पढ़ते हुए व्यवहारिक जीवन में उपयोगिता को बताया। जिससे पढ़ाई करना आसान हुआ। उन्होंने बताया कि स्कूल में शिक्षकां के मार्गदर्शन और माता-पिता से मिली प्रेरणा से सफ्लता मिली है। 9 वे स्थान में प्रवीण्य सूची में अपनी जगह सुनिश्चित करने वाली मौली चंद्राकर ने अपने माता पिता और शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी के मार्गदर्शन में यह सफ्लता मिली है। हायर सेंकेण्डरी में विज्ञान संकाय से पड़ना चाहती है और भविष्य में सिविल सर्विस में अपना सेवा देना चाहती है।

■ न्यूज गैलरी

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट हेतु शिविर का होगा आयोजन

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाया जाना है। इस योजना अंतर्गत रोजमेरटा टेक्नोलॉजिस लिमिटेड रायपुर कपंनी को शासन द्वारा अधिकृत किया गया है। ॥स्त्रक्क (हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट) लगाने हेतु शिविर का आयोजन जिला परिवहन कार्यालय बलौदा बाजार में निरंतर जारी रहेगा। 8 मई से 7 जून 2025 तक आस्था कम्प्युटर महरानी चौक एफ्सीआई गोदाम के सामने भाटापारा, 10 मई को जिला एवं सत्र न्यायालय बलौदाबाजार, 12,13 एवं 14 मई को जनपद पंचायत कार्यालय पलारी एवं 15,16 एवं 17 मई को जनपद पंचायत कार्यालय कसडोल में होगा।

अवैध शराब के साथ चार गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी पुलिस ने अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्र में दबिश देकर अवैध शराब बेचते चार कोचियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 150 पाव देशी शराब व 600 रुपए बिक्री रकम जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार खरोरा पुलिस ने तिगड्डा चौक के पास दबिश देकर आरोपी कमलेश्वर बंजारे 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 18 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 330 रुपए जब्त किया है। वहीं मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपी हरीश चेलक 28 वर्ष के पास से 16 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 270 रुपए जब्त किया है। इसी तरह अभनपुर पुलिस ने ग्राम छोटे उरला के पास आरेपी सबरजीत दुआ 31 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास 20 पाव अंग्रेजी शराब जब्त किया है। वहीं आरंग पुलिस ने ग्राम छटेरा में आरोपी सुमरन चेलक 65 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 96 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

प्रतिमाह इकाई मूल्यांकन से प्रगति की समीक्षा की जाती रही

10 वीं व 12 वीं के टॉपर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा हाथों सम्मानित

■ हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा में जिले ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में कक्षा 10 वी एवं 12 वी बोर्ड परीक्षा में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले जिले के 5 होनहार छात्रों को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा ने गुरुवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में गुलदस्ता एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उन्होने मेधावी छात्रों का मुंह मीठा कर बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी। सम्मानित होने वाले छात्रों में कक्षा 10 वी के लिव्यांश देवांगन 99.00 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान,कंचनबाला गेण्डरे 98.33 प्रतिशत के साथ छठवां स्थान एवं साक्षी अग्रवाल 98.00 प्रतिशत के साथ आठवां स्थान एवं कक्षा 12 वी के हिमेश कुमार यादव 97.00 प्रतिशत के साथ चौथा स्थान एवं लूभी साहु 97.00 प्रतिशत के साथ चौथा स्थान शामिल हैं। इस अवसर पर कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, डीएफ्ओ गणवीर धम्मशील, डीईओ हिमांशु भारतीय, जिला स्काउट एवं गाइड के अध्यक्ष रामाधार पटेल सहित बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे।

बेहतर परिणाम के लिए यह रणनीति हुई कारगर

कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार जिले 10 वीं एवं 12 बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम लाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा रणनीति तैयार की गईजुलाई माह से ही प्रतिमाह ईकाई मूल्यांकन कराया गया जिसमें प्रश्न पत्र जिला स्तर में गठित विशेषज्ञ टीम द्वारा भेजा जाता रहा है। प्रतिमाह ईकाई मूल्यांकन से प्रगति की समीक्षा की जाती रही है।सितंबर माह में तिमाही परीक्षा और दिसंबर माह में छमाही परीक्षा जिला स्तर से आयोजित की गई।

बताया गया कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा वर्ष 2025 में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में कक्षा 10 वीं का परिणाम 81.69 प्रतिशत और कक्षा 12वीं का परिणाम 86.51 प्रतिशत रहा जो कि पिछले वर्ष की तुलना में कक्षा 10वीं में लगभग 13 प्रतिशत (12.9 प्रतिशत) की वृध्दि और कक्षा 12वीं में लगभग 10 प्रतिशत (9.64 प्रतिशत) की वृध्दि हुई है। जिले में पहली बार विद्यार्थी उत्तीर्ण प्रतिशत में बड़ी वृद्धि प्राप्त हुई है। हाईस्कूल परीक्षा में कुल 17252 पंजीकृत हुये। इनमें से 7315 बालक, 9568 बालिकायें कुल 16883 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये, जिनमें से 16852 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। घोषित परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 13768 है। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों में प्रथम श्रेणी 6319, द्वितीय श्रेणी 6594 तथा तृतीय श्रेणी 855 प्राप्त किये। 685 परीक्षार्थी पूरक पात्र एवं 2399 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे। इसी तरह हायर सेकेण्डरी परीक्षा में कुल 11316 पंजीकृत हुये। इनमें से 4651 बालक, 6576 बालिकायें कुल 11227 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये जिनमें से 11217 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। घोषित परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की सख्या 9704 है। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों में प्रथम श्रेणी 5267. द्वितीय श्रेणी 4167 तथा तृतीय श्रेणी 270 प्राप्त किये। 878 परीक्षार्थी पूरक पात्र एवं 635 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे।

शासन की योजनाओं को जन -जन तक पहुंचाने सभी जिम्मेदारी से काम करें

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों की बठक लेकर विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होने शासन की योजनाओं क़ा लाभ सभी पात्र हितग्राहियो तक पहुंचाने राजस्व प्रकरणों का तेजी से निराकरण तथा निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियो को दिये। राजस्व मंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में सुशासन तिहार का तीसरा चरण चल रहा है जिसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं समाधान शिविरों एवं गांवो में पहुंच कर योजनाओं की जमीनी हकीकत से रूबरू हो रहे हैं। हमारी सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है कि सभी योजना धरातल पर पहुंचे और सभी पात्र हितग्राही योजनाओं से लाभान्वित हो। इसके लिए सभी अधिकारी - कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी का बेहतर प्रदर्शन करें। उन्होंने राजस्व प्रकरणों को संवेदनशील बताते हुए सीमांकन, बंटांकन, नामांतरण जैसे छोटे छोटे कार्यों को शीघ्र निराकरण करने कहा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भूमि रजिस्ट्री के बाद नामांतरण को सुविधाजनक बनाने के लिए रजिस्ट्री के साथ ही पंजीयन सुविधा का शुभारम्भ किया है। उन्होंने ग्रीष्म ॠतु में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल एवं निस्तारी की समस्या का प्राथमिकता से समाधान करने कहा। जिला अस्पताल न बने रिफ्रल सेंटर मंत्री वर्मा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए बड़ी संख्या में मरीजों का निजी अस्पताल में ईलाज को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिला अस्पताल सुविधा सम्पन्न है और चिकित्सक भी मौजूद है इसलिए यहां से गंभीर बीमारी का ईलाज उच्च संस्थाओ में कराने के लिए ही रिफ्र किया जाए।

लंबे समय से अनुपस्थित 13 कर्मचारियों पर की कार्रवाई

कोरबा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत, लंबे समय से बिना सूचना अनुपस्थित कर्मचारियों-अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। जिला कोरबा में विभागीय जांच उपरांत कुल 07 कर्मचारियों को जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा सेवा से पदच्युत किया गया है। ये सभी विभिन्न विकासखंडों के स्कूलों एवं कार्यालयों में कार्यरत थे।इसके साथ ही कलेक्टर कोरबा की अनुशंसा अनुसार 06 प्रकरणों में कार्रवाई हेतु उच्च कार्यालयों को भेजा गया है। इनमें तीन प्रकरण संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर, दो लोक शिक्षण संचालनालय, नया रायपुर तथा एक जनपद पंचायत कोरबा को प्रेषित किए गए हैं।दो प्रकरणों में जांच लंबितहै। एक लापता शिक्षक और एक चिकित्सकीय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने वाले कर्मचारी के संबंध में। कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि अनुशासनहीनता को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह कार्रवाई सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए चेतावनी और व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने की दिशा में उठाया गया कदम है। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग (नियम शाखा) द्वारा दिनांक 14.05.2024 को जारी परिपत्र क्र. एफ 3-1/2024/1-3 के तहत लम्बे समय से अनुपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय जांच उपरांत अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए थे।

वार्ड स्तर पर चिखली स्कूल में समाधान शिविर का आयोजन

■ शिविर में राशन कार्ड, श्रमिक कार्ड, लर्निंग लाइसेंस का हुआ वितरण

राजनांदगांव /नवप्रदेश। आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओ का समाधान कर उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ देने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुशासन तिहार मनाने का निर्णय लिया गया। जिसके प्रथम चरण में नागरिको की समस्या से अवगत होने उनसे आवेदन लिया गया, जिसका समाधान द्वितीय चरण में किया गया और अब तृतीय चरण में उसका समाधान बताने समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है। उक्त उदगार महापौर मधुसूदन यादव ने चिखली स्कूल में आयोजित समाधान शिविर में दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में राशन कार्ड, निराश्रित पेंशन, प्रधानमंत्री आवास के अलावा, श्रमिक कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, आयुष्मान कार्ड जैसे अनेक शासन की योजनाओ का लाभ दिया जा रहा है। साथ ही आवेदको के समस्याओं का समाधान भी बताया जा रहा है। उन्होंने शिविर में उपस्थित सभी विभाग के अधिकारियो व कर्मचारियो को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके द्वारा प्राप्त आवेदनों का समाधान कर लोगो तक पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिनका समाधान नही हुआ है, वे भी आवेदन डाल सकते है, ताकि उसमें पुर्न विचार किया जा सके।

चिखली में वार्ड नं. 5,6,9,10,11,12 व 13 के लिए आयोजित समाधान शिविर में संबंधित वार्ड के पार्षद शिव वर्मा,सुनील साहू, श्रुति जैन, अपूर्वा श्रीवास्तव शामिल हुए। वरिष्ठ पार्षद शिव वर्मा ने कहा कि शासन द्वारा जनता की भावना को ध्यान में रखकर उनकी समस्या का समाधान करने और योजना का लाभ देने सुशासन तिहार के तहत राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, नल कनेक्शन आदि अनेक कार्यो का निराकरण करने शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में बड़े कार्यो एवं मांगो संबंधित प्रकरणो को शासन को प्रेषित कर निराकरण किया जायेगा।

शिविर के प्रारंभ में आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने समाधान शिविर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज वार्ड नं. 5,6,9,10,11,12 व 13 के लिये चिखली स्कूल में समाधान शिविर लगाया गया है। उक्त वार्डो से 371 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 342 आवेदनों का निराकरण किया गया है, शेष 29 आवेदनो में प्रधानमंत्री आवास, जल विभाग संबंधी आवेदन का निराकरण किया जा रहा है।

जिले के मेधावी विद्यार्थियों से मिले कलेक्टर

कोरबा/नवप्रदेश। हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 10 वी में टॉप टेन में स्थान प्राप्त करने वाले जिले के मेधावी विद्यार्थियों से कलेक्टर अजीत वसंत मिले।कलेक्टर ने आस्था,डिंपल और निखिल को पुष्प गुच्छ और टेबलेट देकर सम्मानित किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर परजिला शिक्षा अधिकारी टी पी उपाध्याय, सहायक आयुक्त श्रीकांत कसेर, विद्यार्थियों के अभिभावक,शिक्षक उपस्थित थे।

महापौर मधुसूदन यादव चिखली व शंकरपुरवासियों से हुए रूबरू

राजनांदगांव/नवप्रदेश। महापौर मधुसूदन यादव आज सुबह वार्ड नं. 5 व 9 में जल विभाग के प्रभारी सदस्य सुनील साहू तथा वार्ड पार्षद श्रुति लोकेश जैन एवं अपूर्वा समीर श्रीवास्तव के साथ चिखली एवं शंकरपुर वासियों से रूबरू हो उनकी समस्यो से अवगत हुए। उन्होंने पानी की समस्या के संबंध में चर्चा कर समस्याग्रस्त क्षेत्र में सिंटेक्स टंकी लगाने के निर्देश दिए। इस अवसर उन्होंने चिखली स्कूल मैदान में खिलाडियो से मुलाकात कर उन्हें हॉकी वितरित किए। महापौर यादव चिखली वार्ड में भ्रमण कर वार्डवासियो से रूबरू हुए, साई मंदिर गली, केवट पारा के लोगो ने पानी नही आने की शिकायत की। उन्होंने कहा कि गर्मी में कम प्रेशर के कारण पानी की समस्या आ रही है, इस क्षेत्र में सिंटेक्स टंकी लगाया जायेगा, जिसमें नल लगाकर पानी सप्लाई की जावेगी तथा टंकी को टैंकर के माध्यम से भरा जायेगा। उन्होंने वार्डवासियो से कहा कि पानी की समस्या को ध्यान में रखकर आवश्यकता अनुसार ही पानी का उपयोग करे, पानी का अपव्यय न करे।

शिवरतन शर्मा और नपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने किया गौठान पहुंच मार्ग का भूमिपूजन

भाटापारा/नवप्रदेश। नगर पालिका अंतर्गत 49 लाख रुपये की लागत से बनने वाले गौठान पहुँच मार्ग का भूमिपूजन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के करकमलों से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि नगरवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति और क्षेत्र का समग्र विकास ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गौठान पहुँच मार्ग का निर्माण न केवल आवागमन को सरल बनाएगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास और आजीविका संवर्धन को भी बल

मिलेगा। वही नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि यह मार्ग क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है, जो न केवल गौठान तक सुगम आवागमन सुनिश्चित करेगा, बल्कि पशुधन की देखरेख और कृषि कार्यों में सहयोग मिलेगा। इस प्रकार की आधारभूत सुविधाएं नागरिकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती हैं।यह मार्ग निर्माण स्थानीय विकास को नई दिशा देगा और भविष्य में गौठान क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाएगा। इस अवसर पर सभापति गोविंद पटेल, भाजपा जिला महामंत्री राकेश तिवारी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुनील यदु, पार्षद सतीश तलरेजा, मनीष मिश्रा,नंदकिशोर वैष्णव, संध्या राजेश साहू, भुवन सिंह ठाकुर, योगेश अनंत, गेन्दू साहू, दशरथ साहू, आशिष टोडर, नीरा साहू, आयेशा खान, प्रकाश शर्मा, संतोष वैष्णव सहित अनेक गणमान्यजन और स्थानीय नागरिक गण उपस्थित थे।

आर्थिक मदद... हादसे में प्रभावित व्यक्तियों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना

विधायक दीपेश साहू ने राखी जोबा राइस मिल हादसे के पीड़ितों से की मुलाकात

साजा/बेमेतरा/नवप्रदेश। साजा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम राखी जोबा स्थित सूरज राइस मिल में हाल ही में आए आंधी-तूफ्रन के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में मृतक और घायल परिवारों से मिलने आज बेमेतरा विधायक दीपेश साहू पहुंचे। उन्होंने ग्राम चोंगी खपरी निवासी मृतक नंदकुमार निषाद के परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी एवं हादसे के बारे में जानकारी ली। इस दुर्घटना में नंदकुमार निषाद की दुखद मृत्यु हो गई थी, जबकि उनके पुत्र भगवान दास गंभीर रूप से घायल हैं और वर्तमान में दुर्ग में उपचाररत हैं।

आर्थिक सहायता राशि - विधायक साहू ने हादसे में प्रभावित अन्य व्यक्तियों नरेंद्र यादव एवं खेलन ठाकुर से भी मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वही विधायक दीपेश साहू मृतक नंद कुमार निषाद के परिवार को आर्थिक सहायता राशि भी दिये।

राइस मिल मालिक की लापरवाही - मुलाकात में ग्रामवासियों ने बताया कि यह हादसा राइस मिल मालिक की लापरवाही के कारण हुआ, जहां सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया। यदि आवश्यक सावधानियां बरती गई होतीं तो यह दुखद घटना टाली जा सकती थी।

मैं व सरकार आपके साथ - इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने कहा ÷हमारी सरकार और मैं स्वयं पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्हें न्याय दिलाने और हर आवश्यक सहयोग प्रदान करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।÷

हर संभव मदद - उन्होंने नन्दकुमार निषाद के बच्चों से भी मुलाक़ात किया और उनके स्वास्थ्य और पढ़ाई लिखाई की जानकारी ली और बच्चों की पढ़ाई लिखाई, इलाज के लिए हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया।

जांच कर दोषियों पर कार्रवाई व आर्थिक सहायता के निर्देश - विधायक श्री साहू ने जिलास्तरीय विभागीय अधिकारियों से फोन पर बात कर मामले की गहन जांच करने और दोषियों पर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए।

जीपीएफ की राशि नहीं मिलने से युवक ने की आत्महत्या

■ लापरवाह बाबुओं के खिलाफकठोर कार्यवाही करने की मांग

कोरबा/नवप्रदेश। कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग कोरबा के अधीनस्थ कार्यालय जल संसाधन' उपसंभाग पाली में सहायक मानचित्रकार के सपने चूर-चूर हो गए। जिस बेटे की शादी के लिए वह तैयारी कर रहा था, समय पर जीपीएफ की राशि नहीं मिली,अड़चन आई और बेटे ने आत्महत्या कर ली। यदि बाबुओं ने समय पर पैसे जारी कर दिए होते तो शायद यह नौबत नहीं आती। पीड़ित को न्याय की उम्मीद अपने प्रशासन से है। शिकायत के मुताबिक सहायक मानचित्रकार महेंद्र पाल सिंह कंवर ने अपने पुत्र प्रवीण के विवाह हेतु सामान्य भविष्य निधि खाते से राशि स्वीकृत करने हेतु अप्रैल 2024 में आवेदन किया था। अधीक्षण अभियंता जल संसाधन बिलासपुर से 2 जुलाई 2024 को राशि 2 लाख 49 हजार रुपये स्वीकृत होने के बावजूद समय पर राशि प्रदान नहीं की गई।

संक्षिप्त खबरें

सुशासन तिहार में लोगों की समस्याओं का किया गया निराकरण

कासडोल/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण योजना सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों का निराकरण करते हुए छत्तीसगढ़ शासन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत पूर्व में व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रों का वितरण किया गया है। वन अधिकार पत्र धारकों की मृत्यु/फौत हो जाने के कारण शासन की कई योजनाओं जैसे धान विक्रय,खाद बीज लेने सहित योजनाओं का लाभ लेने से वंचित हो जा रहे थे।छत्तीसगढ़ शासन ने इस हेतु पत्र धारकों की मृत्यु/फौत होने पर विधिक वारिसानों के नाम पर काबिज वन भूमि का हस्तांतरण नामांतरण एवं अभिलेखीकरण हेतु रेंजर को अधिकृत कर विस्तृत प्रक्रिया का अधिसूचना जारी किया गया। उक्त अधिसूचना के परिपालन में वन मंडल बलौदाबाजार अंतर्गत वन परिक्षेत्र देवपुर के ग्राम गिधपुरी में कुल 06.व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र धारकों की मृत्यु/फौत हो जाने के कारण उनके आश्रित से आवेदन प्राप्त कर आवेदन का विस्तृत जांच प्रतिवेदन,पंचनामा,सहमति प्राप्त कर आश्रित के नाम संशोधित ऋष्टा पुस्तिका रेंजर(वन परिक्षेत्र अधिकारी) द्वारा जारी किया गया है। अपने नाम से संशोधित ऋष्टा पुस्तिका प्राप्त हो जाने से शासन की सभी योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है। इससे लोगों में हर्ष है। इस हेतु छत्तीसगढ़ शासन एवं वन विभाग को धन्यवाद ज्ञापित कर रहे है। बाकी अन्य ग्रामों में भी इसका प्रचार कर इस प्रक्रिया के तहत आवेदन लिया जा रहा है।

नगर पंचायत कसडोल में सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का किया गया समाधान: नागेश्वर

कसडोल//नवप्रदेश। 8 मई को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की महत्वकांक्षी अभियान सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण अंतर्गत नगर पंचायत कसडोल के वार्ड 01, 02, 03, 04 एवं 05 में प्राप्त मांगों एवं शिकायतों का समाधान करने हेतु नगर पंचायत कसडोल क्षेत्रांतर्गत नगर भवन में समाधान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से मान. अध्यक्ष नागेश्वर साहू एवं मान. सुदीप दास मानिकपुरी उपाध्यक्ष, पार्षदगणों एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा भारत माता पर माल्यार्पण कर शिविर का प्रारंभ किया गया साथ ही सभी विभागों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण की स्थिति का जायजा लिया गया। और सभी उपस्थित विभागों के कर्मचारियों को शासन की महत्वकांक्षी योजनाओं को ध्यान में रखते हुए नागरिकों की समस्याओं एवं मांग का उचित निराकरण करने की अपील किया गया। शिविर में वार्ड क्र. 01 से 05 से विभिन्न विभागों को कुल 1916 मांग एवं 02 शिकायतों प्राप्त हुए जिसमें से 1660 मांगों एवं 02 शिकायतों का निराकरण किया गया है। शिविर में सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत प्राप्त मांग में से नगर पंचायत कसडोल द्वारा 03 आवेदको को मांग अनुरूप राशन कार्ड बनाकर मान. अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदगणों के माध्यम से वितरण किया गया। जिसमें लाभार्थी द्वारा राशन कार्ड प्राप्त कर खशी व्यक्त की और मान. मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया गया। कृषि विभाग द्वारा लाभार्थी को शिविर स्थल पर ही स्प्रे पंप एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रमाण पत्र प्रदान की गई।

संध्या मानिकपुरी बनी अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा

धमतरी/नवप्रदेश। संध्या सुभाष मानिकपुरी अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी है। धमतरी जिले की वनांचल सिहावा (नगरी) की रहने वाली श्रीमती संध्या सुभाष मानिकपुरी बिहान समूह से जुड़कर साबित कर दिखाया कि अंधेरों से मिल रही रोशनी के जरिए हम अपने जीवन को नई दिशा दे सकते हैं। आज महिलाओं को आत्मनिर्भरता के साथ स्वावलंबी जीवन जीने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। इन्हीं योजनाओं में से एक है बिहान की लखपति दीदी योजना। जिसमें महिलाओं को वित्तीय सहायता देकर उन्हें आर्थिक रुप से सुदृढ़ किया जा रहा है। जिले में भी कई ऐसी महिलाएं हैं जो इन योजनाओं के सहारे अपने पैरों पर खड़ी हुई हैं। सिहावा में ऐसी ही लखपति दीदी संध्या मानिकपुरी को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत पूर्व में महिला मेट सम्मान भी मिला। पति के गुजर जाने के बाद राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कोई स्वरोजगार करना चाहती थी। बारहवीं तक पढ़ी लिखी संध्या को विश्वास था कि अब वे सिलाई सीख सकती है। इससे आमदनी भी अच्छी होगी। यह सोचकर गांव में 10 महिला सदस्यों का ओम स्व-सहायता समूह के नाम गठन किया। सभी दीदीयों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की जानकारी दी। समूह की महिलाओं को आय स्रोतों में वृद्धि कैसे हों, आत्मनिर्भरता की ओर कैसे अग्रसर हों इन चीजों को वह भली-भांति समझती थी । योजना की अच्छी समझ होने के कारण एफएलसीआरपी का काम बखूबी निभा रही है। समूह की महिलाओं को पांच पोस्टरों के माध्यम से गरीबी के चक्र, भविष्य के लिए वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण , वित्तीय नियोजन अभ्यास, बुद्धिमानी से खर्च, जरूरतों ,इच्छाओं और बुराइयों के लिए खर्चे जैसे विषयों पर पांच पोस्टरों के माध्यम से वित्तीय साक्षरता का प्रशिक्षण भी दिया। इससे समूह की महिलाएं अपने अधिकार को जानने लगे।

इस संबंध में लखपति दीदी बनी श्रीमती संध्या मानिकपुरी बताती हैं कि वह बिहान समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी। मेहनत रंग लाई। ब्लाउज, पेटीकोट, डिजाइनर शूट, शाला गणवेश, बच्चों के लिए शर्ट-पेंट, सलवार कुर्ती के कार्य से माह में लगभग 10 हजार रुपए से 12 हजार रुपए तक आमदनी हो जाती है। अब गांव की अधिकांश महिलाएं संध्या के पास ही कपड़े सिलवाने आती हैं। इससे उनकी आय इजाफा हुई है। आज संध्या मानिकपुरी की आंखों में विश्वास झलकता है।

फर्जी भू उपयोग से कृषि भूमि का 65 टुकड़ा कर लोगों को बेचा, विशाल कॉलोनी स्थापित करने की तैयारी!

पटवारी का कारनामा 34 टुकड़े जमीन का नक्शा काटा भुइंया एप पर किया अपलोड, शेष टुकड़ा नक्शे से गायब

- **तीन भाइयों में जमीन बांटकर साजिश को दिया अंजाम**

महासमुंद/नवप्रदेश। कृषि भूमि को कूट रचना कर के फर्जी लैंड यूज बनाकर जिस तरह डायवर्सन कराया गया है, उस जमीन को 34 टुकड़ा नहीं बल्कि 65 टुकड़े कर बेचा गया है। पटवारी ने शातिराना तरीके से सिर्फ 34 टुकड़े का ही नक्शा काटा और ऑनलाइन भुइंया एप में अपलोड किया। इस साज़िश की परते न खुल जाए जिसे बहुत पहले ही रची गई थी, इस लिए बची हुई लोगों की जमीन की जानकारी सिर्फ वो भी बी -1 ऑनलाइन में देखा जा सकता है।

महासमुंद के अंतिम छोर पर स्थित पटवारी हल्का नंबर 42 कृषि भूमि खसरा नंबर 19 को पहले तो तीन टुकड़ों में काटा गया। फिर तीन भाइयों के नाम पर उक्त भूमि को ऑनलाइन भुइंया एप पर अपलोड किया गया। इसमें से खसरा नंबर 19/1 रकबा 0.2346 हेक्टेयर, 25 हजार 252 स्कावयर फीट जमीन जीवन लाल चंद्राकर पिता खेदूराम चंद्राकर के नाम किया गया। इसी तरह खसरा नंबर 19/2 का रकबा 0. 2038 हेक्टेयर, 21 हजार 937 स्कावयर फीट कृषि भूमि को जयप्रकाश चंद्राकर पिता खेदूराम चंद्राकर के नाम पर चढ़ाया गया। खसरा नंबर 19/3 का रकबा 0.0393 हेक्टेयर को बलदाऊ चंद्राकर के नाम किया गया। बस यहीं से शुरू हुआ फर्जीवाड़ा का खेल। जमीन दलाल निरंजन सोनी, पटवारी दुध नाथ साहू, राजस्व निरीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की मिलीभगत से बलदाऊ चंद्राकर के नाम दर्ज खसरा नंबर 19/3 कृषि भूमि का 12 हजार वर्ग फुट जमीन का लैंड यूज (भू उपयोग) को कूट रचना से कृषि को बदल कर आवासीय बनाया फिर दस्तावेज तैयार कर डायवर्सन के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भागवत प्रसाद जायसवाल के न्यायालय में पेश किया। इस

नवप्रदेश लगातार

फर्जीवाड़ा को और भी बल तब मिला जब भाजपा विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा के भाई दानेश्वर सिन्हा ने डायवर्सन के लिए भूमि स्वामी बलदाऊ चंद्राकर द्वारा बनाए गए शपथपत्र में गवाही दी। डायवर्सन करने से पहले नगर पालिका से भी अभिमत लेना होता है, लेकिन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जमीन दलाल के सहयोग करने में इतने मशगूल थे कि नगर पालिका का अभिमत है या नहीं यह भी देखना मुनासिब नहीं समझा। इससे अफसर की भूमिका साफतौर पर समझा जा सकता है, कि फर्जी लैंड यूज के आधार पर डायवर्सन किए जाने को लेकर पहले से ही तैयार थे। इस लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा पारित आदेश में आवासीय प्रयोजन के लिए डायवर्सन कर दिया।

भू माफिया के शिकार होने वाले

देवकी धुव्र पति पवन कुमार ध्रुव, लक्ष्मी यादव पति शंकर लाल यादव बिरकोनी महासमुंद, उमाशंकर यादव पिता दुखु राम यादव मचेवा महासमुंद, रामेश्वर साहू पिता किशन लाल साहू भोरिंग महासमुंद, दिलेश्वर साहू पिता रामानुज साहू खैरझिटी फिंगेश्वर, सोनिया बघेल पति हेम सिंह बघेल बरोंड़ा बाजार महासमुंद, हुलास राम पटेल पिता संतराम पटेल कसहीबाहर बागबाहरा, हंसु सोनी पिता कृष्ण कुमार सोनी रायपुर, शालिनी कोसले पिता शिवकुमार कोसले अमलीडीह बागबाहरा, श्रवण कुमार निराला पिता रामभरोसा भलेसर, संध्या रानी साहू पिता भारत लाल साहू श्री राम कॉलोनी महासमुंद, ऋतु यादव पिता बिरजू यादव जामगांव फिंगेश्वर, जमुना धीवार पिता उदय राम धीवर नांदगांव, विशाखा धीवार पति विक्रम धीवार नादगांव, दुसेन कुमार पटेल पिता ज्ञानचंद पटेल नांदगांव, बालचंद लोधी पिता हरि लाल लोधी वार्ड नंबर 11 महासमुंद, पुष्पांजलि साहू पति मुकेश कुमार साहू पीढ़ी महासमुंद, जगदीश प्रसाद साहू पिता कुंज राम साहू केंद्रीय विद्यालय के सामने महासमुंद, दुर्गेश कुमार निराला पिता सुख राम निराला परसकोल महासमुंद, मनीराम चक्रधारी मेघप्रसाद चक्रधारी खेमड़ा कोमाखान महासमुंद, राधा साहू पति शेषनारायण साहू शिशु मंदिर के पास तुमगांव महासमुंद, चम्पेश्वर साहू पिता लक्ष्मी राम साहू पता भोरिंग महासमुंद, पूजा चंद्राकर पति भागवत चंद्राकर पता मालीडीह, भानु प्रसाद चंद्राकर पिता रामानंद चंद्राकर खरोरा महासमुंद, आशा चंद्राकर पति विक्रम चंद्राकर पता वार्ड नंबर 2 इमली भाटा महासमुंद, रामलाल ध्रुव पिता घुरवाराम ध्रुव पता परसदा महासमुंद, पतिराम महिलांग पिता रुंगु महिलांग बाम्हनी महासमुंद, हेमंत कुमार कन्नौजे पिता बैसाखु राम कनौजे लालवानी गली महासमुंद।

शातिर पटवारी का कारनामा

नव प्रदेश की पड़ताल में पता चला कि कृषि भूमि खसरा नंबर 19/3 को 34 टुकड़े में नहीं बल्कि 65 टुकड़े कर के लोगों को बेची गई, और एक विशाल कॉलोनी स्थापित करने के लिए निर्माण काम शुरू कर दिया गया है। लेकिन पटवारी दुधनाथ साहू ने शातिराना तरीके से किसी को इसकी भनक न लग जाए इस लिए सिर्फ34 टुकड़े जमीन का नक्शा काट कर भुइंया एप पर अपलोड किया है। शेष टुकड़ा नक्शे से गायब है।

मुख्यमंत्री ने अटल डिजिटल केंद्र का किया अवलोकन

- **बल्दाकछार में भी पहुंची डिजिटल लेन- देन की सुविधा**
- **बल्दाकछार की बिसनी बाई ध्रुव एवं घिरघोल की सविता ने अपने बैंक खाते से निकाली राशि**

कसडोल /नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज कसडोल विकासखंड के बल्दाकछार प्रवास के दौरान अटल डिजिटल सेवा केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र संचालक व्हीएलई रोशन लाल पटेल से संचालन एवं उपलब्ध सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान बल्दाकछार की बिसनी बाई ध्रुव एवं घिरघोल की सविता ने अपने बैंक खाते से एक- एक हजार रुपये आहरित किये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार लोगों को अधिक से अधिक- सुविधा मुहैया कराने प्रतिबद्ध है। अटल डिजिटल सेवा केंद्र शुरू होने से अब बैक जाना नहीं पड़ेगा, बैंकिंग सहित अन्य सुविधाएं यहीं से मिल जाएगगी। उन्होंने ग्रामीणों को अटल डिजिटल सुविधा केंद्र क़ा लाभ लेने कहा। बिसनी बाई ने बताया कि अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खुल जाने से बहुत सुविधा हो रही है। अब गांव में रोजी मजदूरी करने के बाद थोड़ा समय मिलने पर सुविधा केंद्र से पैसा निकाल लेते हैं।

व्हीएलई रोशन पटेल ने बताया कि अटल डिजिटल सुविधा केंद्र बल्दाकछार का शुभारंभ : पंचायती राज दिवस पर 24 अप्रैल 2025 को हुआ है। इस केंद्र में नागरिक सुविधाएं अंतर्गत जन्म-मृत्यु पंजीयन एवं प्रमाण पत्र, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, राजस्व सेवाएं, सीएससी आईडी,वित्तीय सेवाएं अंतर्गत नगद आहारण,फंड ट्रांसफर, बीमा ऑनलाइन, पेंशन, पैन कार्ड, तथा सीएससी सेवाएं अंतर्गत सरकारी योजनाओ का पंजीयन, पासपोर्ट आवेदन, बिजली बिल भुगतान, यात्रा टिकट बुकिंग, ई -डिस्ट्रिकट सेवाओं के माध्यम से प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

मनरेगा योजना से जुड़ी जानकारी और शिकायतों का निराकरण कर सकेंगे जनमनरेगा एप्प से

धमतरी/नवप्रदेश। मनरेगा योजना से जुड़ी जानकारी और शिकायतों के निराकरण के लिए विभाग ने जनमनरेगा एप्प की शुरुआत की है इस संबंध में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत समय-समय पर जनमनरेगा मोबॉईल एप्लीकेशन के उपयोग के संबंध में निर्देश दिये गये थे। भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जनमनरेगा मोबाईल ऐप पर पूर्व में उपलब्ध कराये गये फीचर के साथ-साथ ऐप में यूजर रजिस्ट्रेशन का ऑप्शन पुनः प्रदाय किया गया है। साथ ही उक्त यूजर रजिस्ट्रेशन का जनपद स्तर तक का एमआईएस रिपोर्ट क्रमांक आर. 24.5 में उपलब्ध है। भारत सरकार द्वारा एमटीआर आदि बैठकों में उक्त मोबॉईल एप्लीकेशन उपयोग की नियमित समीक्षा भी की जाती है।

छत्तीसगढ़ सरकार की कृषक उन्नति योजना

छत्तीसगढ़ सरकार की कृषक उन्नति योजना को किसान संघों और कृषि विशेषज्ञों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। वे इस योजना को एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देख रहे हैं छत्तीसगढ़ ने कृषक उन्नति योजना के साथ धान किसानों को 13,320 करोड़ रुपये का वरदान देने की घोषणा की। धान के किसानों की आय में वृद्धि और उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, छत्तीसगढ़ सरकार ने 12 मार्च, 2024 को महत्वाकांक्षी कृषक उन्नति योजना की शुरूआत की। इस योजना के तहत धान की खेती करने वालों को प्रति एकड़ 19,257 रुपये की इनपुट सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बालोद जिले में आयोजित एक समारोह में इस पहल की घोषणा की।

24.72 लाख किसानों को वित्तीय बढ़ावा

राज्य सरकार ने 24.72 लाख किसानों के बैंक खाते में 13,320 करोड़ रुपये डाली। यह राशि धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और खरीफ विपणन सीजन (1 नवंबर, 2023-4 फरवरी, 2024) के दौरान किसानों को प्राप्त राशि के बीच के अंतर को दर्शाती है। खरीफ सीजन के लिए सामान्य ग्रेड धान के लिए एमएसपी 2,183 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड ए धान के लिए 2,203 रुपये थी। अधिकारियों ने विस्तार से बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत, किसानों को बेचे गए धान के लिए अतिरिक्त 917 रुपये प्रति क्विंटल मिले।

किसानों को सशक्त बनाना,

कृषि को बढ़ावा देना

कृषक उन्नति योजना धान उत्पादों के सामने आने वाली चुनौतियों पर एक बहुआयामी हमला है। वित्तीय सहायता से यह अपेक्षित है: खेती की लागत कम करना: बीज, उर्वरक और कीटनाशकों जैसी इनपुट लागत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को कवर करके, योजना का उद्देश्य किसानों पर वित्तीय बोझ कम करना है कृषि प्रगति की दिशा में एक कदम, छत्तीसगढ़ सरकार की कृषक उन्नति योजना को किसान संघों और कृषि विशेषज्ञों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। वे इस योजना को राज्य में कृषि प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानते हैं। वित्तीय सहायता से किसानों को सशक्त बनाने, कृषि पद्धतियों में सुधार करने और अंततः राज्य के आर्थिक विकास में योगदान देने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़ कृषि उन्नति योजना के मुख्य बिंदु:

उद्देश्य: इस योजना का उद्देश्य किसानों की आय, फसल उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाना है, जबकि फसल की लागत कम करना है।

वित्तीय सहायता: किसानों को धान की खेती के लिए इनपुट सब्सिडी के रूप में प्रति एकड़ 19,257 मिलेंगे।

धान खरीद मूल्य: सरकार ?3,100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदेगी, साथ ही इनपुट सहायता के रूप में 2917 प्रति क्विंटल अतिरिक्त देगी।

पात्रता: यह योजना छत्तीसगढ़ के उन सभी किसानों के लिए है, जिन्होंने 2023-24 के खरीफ सीजन में धान बेचा है।

आवेदन प्रक्रिया, किसान आधिकारिक वेबसाइट https://agriportal.cg.nic.in/ के माध्यम से ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवश्यक दस्तावेज: किसानों के पास आधार कार्ड से जुड़ा बैंक खाता होना चाहिए।

लाभ: इस योजना से छत्तीसगढ़ के लगभग 24 लाख किसानों को लाभ होगा, जिसका कुल वित्तीय परिव्यय 13,320 करोड़ होगा।

- प्रेरणा साव
बीएससी, चतुर्थ वर्ष
महाविद्यालय- छत्तीसगढ़ कृषि महाविद्यालय, दुर्ग, धनोरा

समीक्षा बैठक | **सीईओ जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव ने की संगम, बिहान की समीक्षा**

विभागीय अभिसरण के लिए संकुल स्तरीय लखपति दीदी की समीक्षा बैठक

धमतरी/नवप्रदेश। जिला पंचायत सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री रोमा श्रीवास्तव की उपस्थिति में विभागीय अभिसरण हेतु संकुल स्तरीय बैठक जिसमें संगम, बिहान एवं लखपति दीदी का व्यवसाय क्षेत्र में समुन्नत करने के लिए समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसमें धमतरी विकासखंड के अंतर्गत आश्रय महिला संकुल स्तरीय देमार, आंचल महिला संकुल स्तरीय संगठन संबलपुर, सद्भावना महिला संकुल स्तरीय संगठन दोनर, सार्थक महिला संकुल स्तरीय संगठन रुद्री, कुरुद विकासखंड अंतर्गत देवी महिला क्लस्टर संगठन चर्रा, नई दिशा महिला क्लस्टर सिर्री, विकास महिला क्लस्टर संगठन कोर्रा, निर्मल महिला क्लस्टर संगठन जीजामगांव, मगरलोड विकासखंड अंतर्गत सद्भावना महिला क्लस्टर संगठन मोंहदी, अनंत दीप महिला क्लस्टर संगठन भरदा, आस्था महिला क्लस्टर संगठन करेली बड़ी, जय मां बंजारी महिला क्लस्टर संगठन सिंगपुर, नगरी विकासखंड अंतर्गत सांकरा, दुगली, गट्टासिल्ली, बेलरगांव, कुकरेल के पीआरपी, एफएलसीआरपी, सीआरपी ईपी उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन, खादी ग्रामोद्योग, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, बड़ौदा आरसेटी, लाइवलीहुड, स्वच्छ भारत मिशन, प्रथम अरोरा एजुकेशन, प्रदान, बिहान के तहत आजीविका गतिविधि में संलग्न फार्म गतिविधि के 4899 व नान फार्म गतिविधि के 2551 लखपति दीदी को कृषि कार्य में संलग्न, फूलों की खेती, सब्जी उत्पादन, दुग्ध उत्पादन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, सूअर पालन, मशरूम उत्पादन, वनोपज संग्रहण में संलग्न लखपति दीदी को लोन स्वीकृति हेतु अधिकाधिक प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत हितग्राहियों का माह के अंत तक शत् प्रतिशत पंजीयन कराये जाने एवं मुद्रा लोन के अधिकाधिक प्रकरण तैयार करने पीआरपी को निर्देशित किया। जिनका प्रिमियम शेष है तत्काल रिन्युवल करावें तथा बैंक लोन स्वीकृति हेतु हितग्राही का आइडेंटीफाई जरूर करें। श्रम विभाग द्वारा असंगठित कर्मकार मंडल एवं संगठित कर्मकार मंडल के पंजीकृत पात्र हितग्राहियों का ई-रिक्शा सहायता योजना के लिए विभाग द्वारा चाही गई आवश्यक दस्तावेज के साथ प्रकरण तैयार विभाग को प्रेषित किए जाने के निर्देश सीईओ जिला पंचायत ने दिए। कृषि विभाग के माध्यम से कृषि कार्य हेतु उन्नत बीज की मांग, कृषि से संबंधित लोन, डीजल स्प्रेयर, बैटरी स्प्रेयर, स्प्रेयर, बोरवेल, बोर पंप, सोलर पंप, सौर ऊर्जा, स्प्रिंकलर, उद्यानिकी विभाग से सब्जी बीज की मांग, सब्जी उत्पादन प्रशिक्षण, मशरूम उत्पादन, फलदार वृक्षारोपण, मल्चिंग, ड्रिप, शेड नेट, गेंदा फूल, पशुपालन विभाग से मुर्गी पालन, बकरी पालन, पशुपालन, सूकर पालन, मत्स्य पालन विभाग से मछली पालन हेतु मछली बीज, कोल्ड बॉक्स, जाल, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत पशु शेड, बकरी शेड, मुर्गी शेड, नाडेप, वर्मी टैंक, तालाब, डबरी, कुंआ निर्माण, भूमि समतलीकरण, कृषि विज्ञान केंद्र से फसल प्रदर्शन, प्रशिक्षण, विभागों से अभिसरण हेतु आजीविका गतिविधि से जुड़े सभी लोगों का प्रकरण तैयार करने कहा।

जन-जन तक सुशासन: छत्तीसगढ़ अंचल के दूरस्थ स्थलों पर सरकार की सीधी पहुंच

- छत्तीसगढ़ अंचल के दूरस्थ स्थलों पर सरकार की सीधी पहुंच
- महिला आयोग सदस्य सुश्री दीपिका सोरी पहुंची समाधान शिविर

रायपुर/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार का आयोजन शासन की जनहितकारी योजनाओं को ग्रामीणों तक सीधे पहुँचाने की एक अभिनव पहल के रूप में किया जा रहा है। इसी कड़ी में सुशासन तिहार के तृतीय चरण के अंतर्गत सुकमा जिले के आदिवासी बहुल जीरमपाल कलस्टर ग्राम पंचायत में समाधान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

शिविर में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में सरकार खुद आपके द्वार पर आकर आपकी समस्याओं का समाधान कर रही है। यह आप सभी के सहयोग और सहभागिता से ही संभव है कि योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुँच सके।

इस समाधान शिविर में ग्राम पंचायत जीरमपाल, गादीरास, मूरतोंडा, नागारास, सोनाकुकनार और रामपुरम के ग्रामीणों द्वारा दिए गए लगभग 980 आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी गई। सभी विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं की जानकारी साझा की गई और ऑन-द-स्पॉट सेवाएं भी प्रदान की गईं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अन्न प्रासन्न और गोद भराई जैसे पारंपरिक अनुष्ठानों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की माताओं को सम्मानित किया गया। यह आयोजन ग्रामीण अंचलों में महिला और शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सशक्त कदम रहा।

शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माड़े बारसे, श्रीमती गीता कवासी, जनपद अध्यक्ष श्री संतोष ईड़ो, उपाध्यक्ष श्रीमती रीना पेद्दी, जनप्रतिनिधि श्री धनीराम बारसे व श्री दिलीप पेद्दी तथा प्रशासनिक अमले से कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन, एसडीएम सुश्री मधु तेता, तहसीलदार श्री अनिल ध्रुव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने बलदाकछार में दी कई सौगातें

रायपुर/ नवप्रदेश। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बलौदाबाजार भाटापारा जिले के ग्राम बलदाकछार में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम बलदाकछार में महानदी के बहाव से नदी के तट को कटाव से बचाने हेतु तटबंध निर्माण एवं गांव के चौक में हाई मास्ट लाइट लगाने की घोषणा की। इसके साथ ही ग्रामीणों की मांग पर बलदाकछार में उपस्वास्थ्य केंद्र खोलने, महानदी में एनीकट निर्माण हेतु जांच कराने, नवापारा अभयारण्य में जंगल सफारी के लिए सफारी वाहन चलाने हेतु ड्राइवरों को प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान करने की बात कही।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लोगों की समस्याओं और सरकारी योजनाओं की पहुँच आमजन तक हो रही है या नहीं–इसी को जानने के लिए सुशासन तिहार के तहत अधिकारीगण आपके घर तक पहुँच रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आवास का लाभ देने हेतु आवास 2.0 का सर्वे जारी है। इसमें सभी पात्र हितग्राही अपना पंजीयन अवश्य कराएं। अब सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि 5 एकड़ असिंचित या 2.5 एकड़ सिंचित भूमि के मालिक तथा मोटरसाइकिल रखने वाला व्यक्ति भी आवास योजना के लिए पात्र होगा। महतारी वंदन योजना के लिए नवीन पंजीयन हेतु पुनः पोर्टल प्रारंभ किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

राज्यपाल से छत्तीसगढ़ और ओडिशा सब एरिया कमांडर ने की भेंट

रायपुर/ नवप्रदेश। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ और ओडिशा सब एरिया के नव नियुक्त कमांडर ब्रिगेडियर तेजिंदर सिंह बावा (सेना मेडल) ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल विनोद विश्वनाथ भी उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी रायपुर के पदाधिकारियों ने भेंट की

रायपुर/ नवप्रदेश। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी रायपुर के पदाधिकारियों ने भेंट की। उन्होंने विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित रेडक्रॉस की गतिविधियों के संबंध में राज्यपाल को अवगत कराया। श्री डेका ने रेडक्रॉस की गतिविधियां बढ़ाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए कार्य करने कहा।इस अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी रायपुर के अध्यक्ष श्री राजू शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति नारायण, कोषाध्यक्ष श्रीमती पल्लवी पाण्डेय भी उपस्थित थी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के लिए नामांकन शुरू

रायपुर/ नवप्रदेश। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह पुरस्कार 5 से 18 वर्ष से कम आयु (31 जुलाई 2025 तक) के ऐसे बच्चों को दिया जाएगा जिन्होंने बहादुरी, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला-संस्कृति और विज्ञान-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में असाधारण प्रदर्शन किया है।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने जानकारी दी कि नामांकन - httpsÑ//awards.gov.in/पोर्टल के माध्यम से केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। पात्र बच्चों के लिए नामांकन की आयु सीमा 5 से 18 वर्ष तय की गई है। कोई भी व्यक्ति या संस्था ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को नामांकित कर सकती है। इच्छुक बच्चे स्वयं भी आवेदन कर सकते हैं।नामांकन के लिए पंजीकरण के दौरान आवेदकों को अपना नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, ईमेल, आधार संख्या सहित अन्य जानकारी देनी होगी। इसके बाद प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 श्रेणी का चयन कर आवेदन भरना होगा। आवेदन पत्र में उपलब्धियों का 500 शब्दों का संक्षिप्त विवरण, आवश्यक दस्तावेज (पीडीएफ अधिकतम 10 फाइलें) और हालिया फोटो (जेपीजी/पीएनजी) अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदन ड्राफ्ट के रूप में सेव कर अंतिम तिथि से पहले संपादित कर जमा किया जा सकता है। अधिक जानकारी व आवेदन हेतुhttps://awards.gov.in/पर विजिट करें।

डिजिटल सुरक्षा की दिशा में राज्य शासन की पहल

साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

- इलेक्ट्रॉनिक्स एस सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और चिप्स के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजन
- साइबर सुरक्षा के प्रति बढ़ेगी संवेदनशीलता

रायपुर। राज्य में सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को शासकीय कार्य प्रणाली में प्रोत्साहित करने के लिए आज यहाँ नवा रायपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। साइबर सिक्योरिटी विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में साइबर सिक्योरिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेस, हैदराबाद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. श्रीराम बिरुदावोलू ने अपना मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रभात मलिक ने कहा कि अब साइबर सुरक्षा मात्र तकनीक का विषय नहीं रह गया है, बल्कि शासन की नागरिक केन्द्रित सेवाओं की प्रदायगी के लिए मूलभूत आवश्यकता बन गयी है। यह कार्यशाला प्रशासनिक अधिकारियों को साइबर खतरों की गहरायी को समझने और शासन के डिजिटल संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यशाला में साइबर खतरों की पहचान, रोकथाम एवं प्रतिक्रिया रणनितियां साइबर हमलों की नवीनतम् प्रवृत्तियों, कानूनी एवं विनियामक ढांचा आदि विषयों पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

साइबर सुरक्षा पर प्रस्तुतीकरण देते हुए हैदराबाद से आये डॉ. आराम बिरुदावोलू ने बताया कि साइबर सुरक्षा तंत्र वैश्विक जीडीपी में तीसरा स्थान रखता है, जो कि भारत की जीडीपी से लगभग तीन गुना अधिक है। इसे देखते हुए शासकीय कार्यप्रणाली में सुशासन स्थापित करने के लिए साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा यह सुनामी के जैसा संकट उपस्थित कर सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक राज्य सरकार साइबर सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश का पालन सुनिश्चित करें।

कार्यशाला में लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, समाज कल्याण विभाग की संचालक सुश्री रोक्तिमा यादव, राज्य ग्रामीण लाईवलीहुड मिशन की संचालक सुश्री जयश्री जैन, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की महाप्रबंधक सुश्री पद्मनी भोई साहू, चिप्स के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शशांक पाण्डे, संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अनुपम आशीष टोप्पो सहित गृह, वन और शिक्षा विभाग के अनेक अधिकारियों ने भाग लिया।

आमजनों की समस्याओं का समाधान है सरकार की प्राथमिकता: रामविचार नेताम

रायपुर/ नवप्रदेश। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम सुशासन तिहार संवाद से समाधान अभियान के तहत आज बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड के दोलंगी में आयोजित समाधान शिविर पहुंचे। शिविर में ग्राम बरवाही, सिलाजु, उचरूवा, चेरवाडीह, औरंगा, रेवतीपुर, आबादी तथा बिसुनपुर के ग्रामीणजन उपस्थित थे।कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने समाधान शिविर में आम नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आमजनों की समस्याओं का समाधान ही हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी दी और लोगों को योजनाओं का लाभ उठाने अपील की। उन्होंने इस मौके पर 5 गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार सामग्री का वितरण किया तथा 5 बच्चों का अन्नप्राशन कराया।मंत्री श्री नेताम ने कहा कि शासन-प्रशासन के प्रयासों से अब सभी के पास पक्का आवास है, जो अभी भी आवास से वंचित है उनका सर्वे जारी है, वे सर्वे में अपना नाम अवश्य जुड़वाएं। उन्होंने बताया कि जितने भी आवास स्वीकृत हैं, उन्हें प्रथम किस्त जारी की जा चुकी है और जैसे-जैसे पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं किस्त की राशि जारी की जा रही है।मंत्री श्री नेताम ने बताया कि इस कलस्टर अंतर्गत 939 लोगों को पहली किस्त जारी की जा चुकी है, 474 हितग्राहियों को दूसरी और 181 हितग्राहियों का आवास पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से आवेदनों का समाधान करते हुए ग्रामीण जनों के लिए बेहतरी का कार्य किया जा रहा है।

सीएम विष्णु देव साय ने अटल डिजिटल सेवा केंद्र का किया अवलोकन

- बलदाकछार में पहुँची बैंकिंग और डिजिटल सेवाओं की सुविधा

रायपुर/ नवप्रदेश।प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बलौदाबाजार भाटापारा जिले के ग्राम बलदाकछार पहुँचे, जहाँ उन्होंने अटल डिजिटल सेवा केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र संचालक व्हीएलई श्री रोशन लाल पटेल से सेवा केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और संचालन प्रक्रिया की जानकारी ली। इस दौरान बलदाकछार की बिसनी बाई ध्रुव एवं ग्राम घिरघोल की सविता ने अपने बैंक खाते से एक-एक हजार रुपये की राशि निकालकर डिजिटल सुविधा का प्रत्यक्ष लाभ उठाया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल को गांव के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केंद्रों से अब ग्रामीणों को बैंक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। एक ही स्थान से बैंकिंग, प्रमाण पत्र, बीमा, पेंशन और कई अन्य सरकारी सेवाएँ सरलता से मिल रही हैं। इससे समय की बचत भी होगी और पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

बिसनी बाई ध्रुव ने बताया कि अब वह सुविधा केंद्र जाकर आसानी से पैसा निकाल लेती हैं। उन्हें शहर या बैंक की शाखा तक जाने की ज़रूरत नहीं होती। यह सुविधा ग्रामीण महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो रही है, जिन्हें पहले बैंकिंग सेवाओं के लिए कठिनाई का सामना करना पड़ता था।केंद्र संचालक श्री रोशन पटेल ने बताया कि इस अटल डिजिटल सेवा केंद्र का शुभारंभ पंचायत राज दिवस 24 अप्रैल 2025 को हुआ था।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के लिए नामांकन शुरू

रायपुर/ नवप्रदेश। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह पुरस्कार 5 से 18 वर्ष से कम आयु (31 जुलाई 2025 तक) के ऐसे बच्चों को दिया जाएगा जिन्होंने बहादुरी, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला-संस्कृति और विज्ञान-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में असाधारण प्रदर्शन किया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने जानकारी दी कि नामांकन https://awards.gov.in/पोर्टल के माध्यम से केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। पात्र बच्चों के लिए नामांकन की आयु सीमा 5 से 18 वर्ष तय की गई है। कोई भी व्यक्ति या संस्था ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को नामांकित कर सकती है। इच्छुक बच्चे स्वयं भी आवेदन कर सकते हैं।

16 लाख के इनामी नक्सली दंपती ने किया आत्मसमर्पण

- आत्मसमर्पण में दोनों को मिली 50-50 हजार की राशि

कोंडागांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल उन्मूलन और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर दो इनामी नक्सलियों रैसिंग कुमेटी उर्फ रतनसिंह कुमेटी और पुनाय आचला उर्फ हिरोंदा ने कोण्डागांव पुलिस अधीक्षक वॉय अक्षय कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण किया। दोनों पर सरकार ने आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित आत्मसमर्पण कार्यक्रम में दोनों को 50-50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। रैसिंग 2002 से और पुनाय 2005 से माओवादी संगठन में सक्रिय थे।

छापामार कार्रवाई :15 अंतर्राष्ट्रीय बुकी को किया गिरफ्तार

गोवा से ऑपरेट हो रहा था ऑनलाइन सट्टा, अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

बलौदाबाजार-भाटापारा/ नवप्रदेश। पुलिस ने आईपीएल 2025 क्रिकेट में ऑनलाइन सट्टा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जो गोवा से यह सट्टा चला रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 8,15,000 रूपए कीमती इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जब्त करने साथ ही उनके बैंक खातों के दस्तावेज भी जब्त किए हैं।

तीन बड़े पैनलों से चल रहा था सट्टा: आरोपियों द्वारा 'खेलो यार', 'आरबीसी 139' और 'वीनबज 7' जैसे पैनलों के माध्यम से ऑनलाइन आईपीएल सट्टा संचालित किया जा रहा था. गिरोह के सदस्य देशभर के कई शहरों में वितरित लॉगिन आईडी से काम कर रहे थे और गोवा को ऑपरेशनल मुख्यालय बनाकर सट्टा कारोबार चला रहे थे।

छापेमारी के दौरान सभी 15 आरोपी मोबाइल, टीवी, लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के माध्यम से लाइव आईपीएल मैचों पर सट्टा लगाते हुए रंगे हाथों पकड़े गए. पुलिस ने इनके पास से ?8,15,000 मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और कई बैंक खातों के दस्तावेज भी जब्त किए हैं. प्राथमिक जांच में इन खातों से करोड़ों रुपये के ऑनलाइन ट्रांजेक्शन सामने आए हैं।

ऐतिहासिक बदलाव ... *रजिस्ट्री प्रणाली में 10 क्रांतिकारी नवाचार*

रजिस्ट्री से नामांतरण तक अब सब कुछ डिजिटल: उपमुख्यमंत्री

- आम जनता को मिलेगी बड़ी राहत, भ्रष्टाचार पर लगेगा अंकुश: वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी

रायपुर/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पंजीयन प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए रजिस्ट्री एवं नामांतरण से जुड़े 10 क्रांतिकारी नवाचार की शुरुआत की है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को अंबिकापुर के जिला पंचायत सभाकक्ष में एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा तथा वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, स्थानीय विधायकगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और मीडिया प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

नवाचारों से आमजन को मिलेगी राहत-कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि अब पंजीयन के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः, पारदर्शी और त्वरित रूप से पूरी होगी, जिससे नागरिकों को बार-बार तहसील कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने बताया कि इस नई व्यवस्था से राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या घटेगी और न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी।

केंद्रीय मंत्री चौहान 13 को अम्बिकापुर आएंगे

रायपुर/ नवप्रदेश। केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 13 मई को अम्बिकापुर के दौरे पर आएंगे। उनके प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसी सिलसिले में आज उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सरगुजा संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, नगर पालिक निगम अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव आदि मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

सिंधु जल संधि मसले पर विश्व बैंक की भूमिका मध्यस्थ से ज्यादा कुछ नहीं

नई दिल्ली। विश्व बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि सिंधु जल संधि में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान की भूमिका सिर्फ मध्यस्थ की है और वह भारत की ओर से संधि के निलंबन पर कोई दखल नहीं देगा। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद संधि निलंबित की है। विश्व बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि में विश्व बैंक की मध्यस्थ बनने के अलावा कोई भूमिका नहीं है। बंगा ने यह भी स्पष्ट किया अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से समझौते के निलंबन को ठीक करने के लिए कोई कदम नहीं उठाएगा। भारत और पाकिस्तान ने नौ साल तक बाचतीत के बाद 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस संधि में विश्व बैंक की मदद ली गई थी। विश्व बैंक ने भी इस पर हस्ताक्षर किए थे। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने बंगा के हवाले से कहा, हमारी भूमिका केवल मध्यस्थ की है। मीडिया में इस बारे में बहुत अटकलें लगाई जा रही हैं कि विश्व बैंक किस तरह से इस समस्या का समाधान करेगा। यह सब बकवास है। विश्व बैंक की भूमिका केवल एक मध्यस्थ की है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को हमला किया। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद भारत ने सिंधु जल संधि को तब तक के लिए निलंबित कर दिया, जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता। बंगा ने गुरुवार शाम राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके तुरंत बाद ऐसी अटकलें लगाई जाने लगीं कि विश्व बैंक मामले में दखल देगा। इसके अलावा, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने गुरुवार शाम इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान ने पिछले कई वर्षों में जानबूझकर कानूनी बाधाएं पैदा करके सिंधु जल संधि का बार-बार उल्लंघन किया है।

देश का ट्रांसपोर्टर हर सेवा देने को तैयार, कैट तय करेगा आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान में चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बीच देश का हर वर्ग केंद्र सरकार और भारतीय सेना के साथ डटकर खड़ा हो गया है। सभी लोग अपनी सेवाएं देकर इस माहौल में अपने देश को मजबूत करने में जुट गए हैं। ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने कहा है कि उनके सभी ट्रक सेना का हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। कैट ने भरोसा जताया है कि इस आपातकाल में देश में किसी भी आवश्यक वस्तु की कमी नहीं होने दी जाएगी। केंद्र सरकार ने देश को भरोसा दिलाया है कि इस समय देश की आवश्यकता की हर सामग्री उचित मात्रा में उपलब्ध है और किसी भी वस्तु की उपलब्धता को लेकर कोई संकट नहीं है। सरकार ने लोगों से यह भी अनुरोध किया है कि वे किसी भी वस्तु का अनावश्यक संग्रह न करें। इससे वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में परेशानी होती है। ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने कहा है कि इस संकट के समय में वे देश की हर संभव सेवा देने के लिए तैयार हैं। देश के किसी हिस्से में किसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने से लेकर बॉर्डर पर रसद या कोई अन्य सामग्री पहुंचाने की बात हो, उनके संगठन से जुड़ा हर ट्रांसपोर्टर अपनी सेवाएं देने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि वस्तुओं के आवागमन को लेकर किसी भी तरह की समस्या नहीं आने दी जाएगी ।

भारत के वेयरहाउसिंग सेक्टर में मार्च तिमाही में हुई 50 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई। भारत के वेयरहाउसिंग सेक्टर में जनवरी-मार्च तिमाही में 16.7 मिलियन स्क्वायर फीट की लीजिंग गतिविधि देखने को मिली है। इसमें सालाना आधार पर 50 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी हुई रिपोर्ट में दी गई। नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 की पहली तिमाही में देश के शीर्ष आठ वेयरहाउसिंग बाजारों में मजबूती देखी गई है। इसकी वजह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी आना था। जनवरी-मार्च अवधि में इस सेक्टर के वेयरहाउसिंग लीजिंग वॉल्यूम 94 प्रतिशत बढ़कर 8 मिलियन स्क्वायर फीट हो गए हैं। कुल वेयरहाउसिंग मांग में मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत है।रिपोर्ट में आगे कहा गया कि ई-कॉमर्स सेक्टर की ओर से वेयरहाउसिंग स्पेस की मांग में 151 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है और इसकी वजह छोटा आधार था।थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स की वेयरहाउसिंग लीजिंग वॉल्यूम में 12 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

भारत की एकमात्र रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है, जिसे जल सकारात्मक प्रमाणित किया गया

अदाणी ग्रीन दुनिया की पहली रिन्यूएबल एनर्जी आईपीपी बनी

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) दुनिया की पहली रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) स्वतंत्र बिजली उत्पादक (आईपीपी) बन गई है, जिसने अपने पूरे परिचालन पोर्टफोलियो में पानी की बचत और आसपास के क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता बढ़ाकर जल सकारात्मकता हासिल की है। एजीईएल ने सस्टेनेबिलिटी के लिए एक नया मानक स्थापित करने को लेकर अपने वित्त वर्ष 2026 के लक्ष्य से एक साल पहले जल सकारात्मकता हासिल की।

यह इस मील के पत्थर तक पहुंचने वाली, परिचालन आरई पोर्टफोलियो के संदर्भ में शीर्ष 10 वैश्विक कंपनियों में पहली और एकमात्र है।अदाणी समूह की इस कंपनी से जुड़े 103 परिचालन स्थलों और 85 जल संरक्षण स्थलों के वॉटर अकाउंटिंग डेटा का व्यापक ऑडिट और मूल्यांकन करने के बाद एक ग्लोबल एश्योरेंस फर्म इंटरटेक ने जल सकारात्मक प्रमाणित किया है। कंपनी के एक बयान के अनुसार, यह भारत में इस पैमाने की एकमात्र रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है, जिसे जल सकारात्मक प्रमाणित किया गया है। जल सकारात्मक होने का मतलब है, ऐसी प्रथाओं को अपनाना जो न केवल पानी बचाती हैं, बल्कि आसपास के वातावरण में पानी की उपलब्धता भी बढ़ाती हैं।उद्योगों के लिए इसका मतलब है कि वे अपने संचालन में जितना पानी इस्तेमाल करते हैं, उससे ज्यादा पानी प्रकृति को उपलब्ध कराएं।जल-सकारात्मक फ्रेमवर्क में पानी को संरक्षित करना, उसकी खपत को अनुकूलतम बनाना और उसकी पूर्ति में योगदान देना शामिल है।यह विकास उल्लेखनीय है, क्योंकि एजीईएल के ज्यादातर सौर और पवन प्लांट ऐसे भूभागों में हैं, जहां जीवित रहना और पानी की उपलब्धता चुनौतीपूर्ण है।कंपनी ने कहा कि एजीईएल ने भारत के सबसे कठोर इलाकों को सस्टेनिबिलिटी हब में बदलने के साथ कुछ ऐसा हासिल किया है, जो बहुत कम लोगों ने सोचा था।गुजरात के खावड़ा की निर्जन और बंजर भूमि और थार रेगिस्तान के शुष्क क्षेत्रों से, एजीईएल की जल सकारात्मकता आशा और इनोवेशन को लेकर खास है।इस उपलब्धि की महत्ता को समझने के लिए, इस बात पर विचार करें कि एजीईएल का जल संरक्षण लगभग 467 ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल के बराबर है और यह लक्षद्वीप की अर्ध-वार्षिक जल मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।85 पुनर्जीवित तालाब अब जल-संकटग्रस्त समुदायों सहित 1,23,000 से अधिक लोगों को लाभान्वित कर रहे हैं।एजीईएल की 54 प्रतिशत से अधिक परिचालन क्षमता सौर मॉड्यूल के लिए रोबोटिक सफाई तकनीक का उपयोग करती है, जिससे सालाना लगभग 546 मिलियन लीटर पानी की बचत होती है।इस ऐतिहासिक उपलब्धि की ओर एजीईएल की यात्रा एक दूरदर्शी ईएसजी लक्ष्य के साथ शुरू हुई, जिसके तहत उनके 200 मेगावाट से अधिक परिचालन संयंत्रों को जल सकारात्मक बनाना था। यह लक्ष्य न केवल वित्त वर्ष 2023 में ही पूरा हो गया, बल्कि एजीईएल ने वित्त वर्ष 2026 तक पूरे परिचालन पोर्टफोलियो में जल सकारात्मकता का विस्तार करने का लक्ष्य रखा।एजीईएल ने तय समय से एक साल पहले ही यह उल्लेखनीय लक्ष्य हासिल कर लिया है।ऐसे देश में जहां पानी की कमी से लाखों लोग प्रभावित हैं, यह मील का पत्थर केवल कॉर्पोरेट सफलता नहीं है, बल्कि यह एक सस्टेनेबिलिटी रिवोल्यूशन है।

भारत के एक्शन से पाकिस्तानी सरकार और सेना में खलबली मची

ऑपरेशन सिंदूर’ से पाकिस्तान के शेयर बाजार में भी तबाही, रोकी गई ट्रेडिंग

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों के कैंप को ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के जरिए तबाह कर दिया। भारत के एक्शन से पाकिस्तानी सरकार और सेना में खलबली मची है। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के खिलाफ लगातार जारी भारत के एक्शन से वहां की अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा असर देखने को मिल रहा है। यहां तक कि पड़ोसी देश के शेयर बाजार में भी भारी गिरावट देखी गई है।

पाकिस्तानी स्टॉक एक्सचेंजों में गुरुवार को 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट हुई और जिसके कारण ट्रेडिंग को भी रोक दिया गया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान के शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। मुख्य सूचकांक कराची स्टॉक एक्सचेंज 100 इंडेक्स (केएसई-100) 22 अप्रैल के बाद से करीब 13 प्रतिशत फिसल चुका है। 22 अप्रैल को केएसई-100 इंडेक्स 1,18,430 पर था, जो अब गिरकर 1,03,060 पर आ गया है। इसके अलावा, अन्य पाकिस्तानी स्टॉक इंडेक्स केएसई-30 भी अब तक 14.3 प्रतिशत लुढ़क चुका है। पाकिस्तान का शेयर बाजार वहां की अर्थव्यवस्था की बदहाली की तस्वीर दिखा रहा है। पाकिस्तान के पास केवल 15 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है और देश आर्थिक पतन की कगार पर है। इसके साथ ही, पाकिस्तान अपनी जीडीपी को चलाने के लिए आईएमएफ से भी लोन के लिए गिड़गिड़ा रहा है। आतंकी हमले के बाद से भारत सैन्य के साथ-साथ कई अन्य प्रकार के एक्शन भी पड़ोसी देश पर ले रहा है, जिसमें सिंधु जल समझौता को स्थगित करना शामिल है, जिससे पाकिस्तान को आर्थिक तौर पर काफी चोट पहुंची है।

भारत के आईटी सेक्टर में अप्रैल में 16 प्रतिशत बढ़ी भर्तियां

बेंगलुरु। भारत के आईटी सेक्टर में अप्रैल 2025 में भर्तियों में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी हुई एक नई रिपोर्ट में दी गई। जॉब्स प्लेटफॉर्म फाउंडइट (पूर्व मॉन्स्टर) की रिपोर्ट में बताया गया कि इस वृद्धि की वजह ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) का मजबूत विस्तार होना है। भारत में जीसीसी से 2024-25 में 1,10,000 से ज्यादा नई टेक नौकरियां पैदा हुई हैं। हालांकि, मासिक आधार पर अप्रैल में भर्तियों में 11 प्रतिशत की कमी देखने को मिली है। रिपोर्ट में इस गिरावट को आंशिक ट्रेंड बताया गया है और लंबी अवधि में भर्तियों का पारिदृश्य अभी भी सकारात्मक बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अनुभवी और विशेष एवं फ्यूचर-रेडी स्किल की मांग में बढ़ोतरी देखी जा रही है। साथ ही कंपनियां अब स्किल को अधिक प्राथमिकता दे रही है। फाउंडिट के सीईओ वी सुरेश के अनुसार, यह क्षेत्र रणनीतिक विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। देश क्वांटिटी-आधारित भर्तियों से स्किल-आधारित, इनोवेशन-आधारित रोजगार की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, यह परिवर्तन साइंस और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व के लिए अपने युवाओं को सशक्त बनाने के भारत के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है। सुरेश ने कहा कि टियर-2 शहर डिजिटल अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बन रहे हैं।

न्यायालय तहसीलदार देवकर, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रेवती बाई पिता स्व. खुमान सिंग जाति रावत निवासी ग्राम कुरलू तहसील देवकर द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम कुरलू में दिनांक 10/04/1981 को आवेदक के पिता /पति/माता/पत्नी/ पुत्र/ पुत्री स्व. खुमान सिंग की जन्म/मृत्यु हो जाने के कारण उक्त व्यक्ति का जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार का आपेक्ष/ दावा हो अथवा आवेदन पत्र करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के साथ उपस्थित होकर दिनांक 22/04/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 08/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा जारी किया गया।

दिनांक 22/04/25

सील

तहसीलदार
देवकर
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
email ID: eocghbzone03@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. सी-81, श्री हिमांशु सुराना पिता श्री विजय कुमार सुराना के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 170 दिनांक 28.11.2014 द्वारा आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा करने उपरांत दिनांक 19.03.2015 को सेलडीड निष्पादित करा लिया गया है। वर्तमान में आबंटी द्वारा उक्त दुकान को क्रेता श्री विनोद आहूजा पिता श्री विशनदास आहूजा, निवासी बिल्डिंग एम. 8, फ्लैट नं. 301, डाल्फिन ज्वेलो-ओ, डूमरतराई, रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय किए जाने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त दुकान के विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था , निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-1, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)
email ID-eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित एम.आई.जी. फ्लैट भवन योजना के अंतर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक MIG Flat Flat-504 Bock-02 Fifth floor Imperial Heights Kabir Nagar श्री सत्य प्रकाश पिता श्री भागेश्वर दुबे को भाड़ाक्रय/ पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 16.01.18 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 6.5.2025 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन सुश्री/श्रीमती दिक्षा सचदेवा पिता श्री नरेश सचदेवा के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय /अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रमांक-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email: rmczone10@gmail.com

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. 20570 दिनांक 07.05.2025
वार्ड का नाम- 53- बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रापर्टी आई.डी. RPR651I00927 जो कि निगम अभिलेख में पिता/पति श्री/श्रीमती AKASH KHANDUJA पिता/पति श्री/श्रीमती YOGESH KHANDUJA के नाम से दर्ज है, जिसको पिता/पति श्री/श्रीमती MOHAN SINGH THAKUR पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SHRI RAMSWAROOP SINGH THAKUR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, दान पत्र/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे,

श्री विवेकानंद दुबे
जोन कमिश्नर
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग कवर्धा जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

मैनुअल पद्धति जोनल निविदा सूचना क्र. 01 (प्रथम आमंत्रण)

क्रमांक/633/निविदा/ग्रा.यां.सेवा/2025-26 कबीरधाम दिनांक 07/05/2025

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल के ओर से केवल एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नदर्शित विकासखण्ड अंतर्गत छोटे-छोटे रु. 25.00 लाख तक लागत की विभिन्न निर्माण कार्यों का जोनल निविदा (25 लाख तक) के निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 23.05.2025 तक आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	प्रत्येक भाग की अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	2	3
1	जोनल निविदा वि.ख. कवर्धा भाग 1,2,3,4,	30.00
2	जोनल निविदा वि.ख. बोड़ला भाग 1,2,3,4,5,6,	30.00
3	जोनल निविदा वि.ख. पण्डरिया भाग 1,2,	30.00
4	जोनल निविदा वि.ख. स.लोहारा भाग 1,2,	30.00

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट https://res.cg.gov.in में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थिति होकर दिनांक 09.05.2025 से देखी जा सकती है।

जी-252600727/3

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत घुमका, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

क्रमांक/47/न.पं./लो.नि.वि./2025 घुमका, दिनांक 08/05/2025

मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पंचायत घुमका द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु विभिन्न शाखाओं (जल, विद्युत, स्वच्छता, लोक निर्माण, सा.प्रशासन इत्यादि) के कार्य संचालन हेतु श्रमिकों की आपूर्ति हेतु श्रम नियोजक/ प्लेसमेंट एजेंसी/स्व-सहायता समूह से मैनुअल निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (लाख में)	निविदा हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि
01	प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से विभिन्न शाखाओं के लिए श्रमिक प्रदाय (कुशल, अर्धकुशल, अकुशल) कुल श्रमिक संख्या 10 (माह जुलाई 2025 से माह मार्च 2026 तक)	9.59	दिनांक 22.05.2025 समय दोपहर 03:00 बजे तक

उपरोक्त निविदा, स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से दिनांक 28.05.2025 दोपहर 4:00 बजे से आमंत्रित की जाती है। निविदा के संबंध में विस्तृत विवरण नगरीय प्रशासन एवं विकास, छ.ग. शासन के विभागीय वेबसाईट uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा आमंत्रण से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

नगर को स्वच्छ रखने में सहयोग करें

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत घुमका

कार्यालय नगर पालिका परिषद, भाटापारा
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

Telephone 07726-221068 Email Address- cmobhatapara@rediffmail.com
क्र./175/रा.वि./न.पा.प./2025-26 भाटापारा, दिनांक 09/05/2025

।। मैन्यूवल निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिका परिषद, भाटापारा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न 20 स्थानों पर 10x20 का विज्ञापन बोर्ड एवं 15 स्थानों पर 20x20 का यूनीपोल लगाने हेतु दो लिफाफा पद्धति में पंजीकृत डाक के माध्यम से दिनांक 09.06.2025 को दोपहर 03:00 बजे तक पंजीकृत डाक के माध्यम से निविदा आमंत्रित किया जाता है। लागत राशि 45.00 रु. प्रति वर्गफीट है। इच्छुक विज्ञापन कंपनी/पंजीकृत फर्म दिनांक 30.05.2025 तक संबंधित शाखा में आ्वेदन पत्र के साथ राशि 750 रु. जमा कर निविदा में भाग ले सकते है। निर्धारित समय तक प्राप्त निविदाओं को उसी दिनांक 09.06.2025 को समय सायं 4:00 बजे उपस्थित निविदाकारों/ जनप्रतिनिधियों के समक्ष खोला जावेगा।

टीप :- निविदा संबंधित नियम व शर्तें, विस्तृत जानकारी नगर पालिका परिषद भाटापारा के राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद भाटापारा

कार्यालय, नगर पंचायत डौण्डी, जिला बालोद (छत्तीसगढ़)

क्रमांक /497/ राजस्व/न.पंचा. / 2025 डौण्डी दिनांक 05.05.2025

टेक्स पंजी में नाम परिवर्तन हेतु सूचना

एतद् द्वारा नगर पंचायत डौण्डी को प्राप्त टेक्स पंजी में नाम परिवर्तन हेतु आवेदनों के सक्षम स्वीकृति प्राप्ति उपरांत छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर दावा/आपत्ति आहूत किया जाता है, किसी भी सम्पत्ति पर हक रखने वाले व्यक्ति मय प्रमाणक दस्तावेज के साथ अपना आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निर्धारित अवधि के भीतर प्रस्तुत कर सकते हैं, निधारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

क्रमांक	संपत्ति जिसके नाम से है नाम/पिता/पति	संपत्तिकर जिसके नाम से करना है नाम/पिता/पति का नाम	संपत्ति का विवरण	संपत्ति नामांत्रण का आधार
1	2	3	4	5
1	ललेशर बाई पति चन्दर राम वार्ड क्र.-15 डौण्डी	देव कुमार लाटिया आ. चन्दर राम वार्ड क्र.-15 डौण्डी	भूमि ख.नं. 275 रकबा 0.02 हे. पर निर्मित मकान बाड़ी	ललेशर बाई के मृत्यु उपरांत परिवार के सहमति के आधार पर
2	शत्रुहन सिंह आ. सुकलाल वार्ड क्र.-15 डौण्डी	लिलेश्वरी ठाकुर पति गैंदू लाल ठाकुर वार्ड क्र.-15 डौण्डी	भूमि ख.नं. 255 रकबा 0.01 हे. पर स्थित मकान बाड़ी	शत्रुहन सिंह एवं गैंदू लाल ठाकुर के मृत्यु उपरांत परिवार के सहमति के आधार पर
3	रूपनारायण आ. बीरसिंह जाति कुम्हार वार्ड क्र.-02 डौण्डी	केशर बाई पति स्व. शांतिलाल जाति कुम्हार वार्ड क्र.-02 डौण्डी	आबादी भूमि ख.नं. 1043 /93 रकबा 1710 वर्गफीट में से 700 वर्गफीट पर स्थित मकानबाड़ी	रूपनारायण के सहमति के आधार पर
4	हरिशंकर दामले आ. कंवल जाति महार वार्ड क्र.-11 डौण्डी	सत्यप्रकाश दामले आ. हरिशंकर दामले जाति महार वार्ड क्र.-11 डौण्डी	आबादी भूमि ख.नं.1182/4 रकबा1845 वर्गफीट पर स्थित मकान बाड़ी	हरिशंकर दामले एवं विजय प्रकाश दामले के सहमति के आधार पर
5	संतोष कुमार आ. मनउराम वार्ड क्र.-07 डौण्डी	सुमित्रा साहू पति संतोष कुमार वार्ड क्र.-07 डौण्डी	आबादी भूमि ख.नं. 1145 का टु रकबा 0.02 हे. पर स्थित मकान बाड़ी	संतोष कुमार के सहमति पत्र के आधार पर

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत डौण्डी
जिला-बालोद (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
नगर निगम मुख्यालय, रंग मंदिर के पास, गांधी चौक छोटापारा, रायपुर (छ.ग.)
Pho. no.0771-2535780-90, Fax-077172227395, E-mail -dc_rmc@rediffmail.com
क्रमांक 273/भ.नि.अ.प्र./न.पा.नि./2025 रायपुर, दिनांक 08/05/2025

// आम-सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स के.आर. क्रियेषन्स भागीदार (1) श्री पद्म नागवानी पिता स्व. श्री कोतूमल नागवानी (2) श्री नवीन कुमार नागवानी पिता श्री हरजस राय नागवानी, एम.जी. रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम अमलीडीह प.ह.नं. 69 स्थित भूमि खसरा क्र. 15070 (ख.क्र. 176/1 रकबा 0.3930 हे., ख.क्र. 177/2 रकबा 0.0810 हे.) कुल रकबा 0.474 हेक्टेयर भूमि पर आवासीय (भूखण्डीय) कालोनी में विकास कार्य प्रारंभ करने हेतु कालोनी विकास अनुमति जारी की जा रही है। उक्त कालोनी में आतंरिक विकास कार्य पूर्ण करने के एवज में निम्नानुसार बंधक रखे गए भूखण्डों समाज के निम्न आय वर्गों हेतु आरक्षित भूखण्डों एवं EWS के लिए आरक्षित भूखण्डों का विवरण आम लोगों की जानकारी हेतु दी जा रही है। जो निम्नानुसार है-

(अ) बंधक भूखण्डों का विवरण :-

क्र.	भूखण्ड क्रमांक	संख्या	रकबा प्रति बंधक भूखण्ड	रकबा कुल बंधक भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र.13	01	124.00 Sqm.	124.00 Sqm.
2	भूखण्ड क्र.16	01	126.00 Sqm.	126.00 Sqm.
3	भूखण्ड क्र.17	01	125.90 Sqm.	125.90 Sqm.
	योग	**03**		**375.90 Sqm.**

(ब) निम्न आय वर्गों (एल.आई.जी.) के लिए आरक्षित भूखण्डों का विवरण :-

क्र.	भूखण्ड क्र.	संख्या	रकबा प्रति LIG भूखण्ड	रकबा कुल LIG भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र.L1	01	73.52 Sqm.	73.52 Sqm.
2	भूखण्ड क्र.L2	01	65.54 Sqm.	65.54 Sqm.
	योग	**02**		**139.06 Sqm.**

(स) E.W.S. के लिए आरक्षित भूखण्डों का विवरण :-

क्र.	भूखण्ड क्रमांक	संख्या	रकबा प्रति EWS भूखण्ड	रकबा कुल EWS भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र.-3A	01	39.59 Sqm.	39.59 Sqm.
2	भूखण्ड क्र. 3B	01	35.15 Sqm.	35.15 Sqm.
3	भूखण्ड क्र. 3C	01	35.18 Sqm.	35.18 Sqm.
	योग	**03**		**109.92 Sqm.**

उपरोक्तानुसार बंधक भूखण्डों को क्रय करने के पूर्व नगर निगम रायपुर द्वारा बंधक मुक्त किया गया है अथवा नहीं, इसके संबंध में कालोनाईजर से बंधक मुक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करें तथा बंधक मुक्त नहीं होने की स्थिति में बंधक भूखण्डों को क्रय न किया जावें।

नगर निवेशक
नगर पालिक निगम, रायपुर

संक्षिप्त खबरें

हत्या के इरादे से प्राणघातक हमला, जुर्म दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। मौली मंदिर के पास टिकरापारा स्थित घर में घुसकर चार लोगों ने एक युवक की हत्या करने के नियत से हमला कर प्राणघातक चोट पहुंचाया। प्रार्थिया की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया सीतल तिवारी 47 वर्ष मौली मंदिर के पास टिकरापारा की रहने वाली है। प्रार्थिया ने कोतवाली थाना में शिकायत किया कि आरोपी भुवन, पंकज, गोल्डी व अन्य ने जबरन प्रार्थिया के घर में घुसकर उसके पुत्र प्रत्यूष तिवारी की हत्या करने के नियत से हमला कर प्राणघातक चोट पहुंचाया। प्रार्थिया की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

कंपनी का ताला तोड़कर 2 लाख से अधिक का माल पार

रायपुर/नवप्रदेश। महोबा बाजार स्थित अशोका टीन केनर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने लाखों रूपए का सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हेमराज बोपचे 42 वर्ष अशोक नगर गुढ़ियारी का रहने वाला है। प्रार्थी का महोबाबाजार स्थित अशोका टीन केनर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नाम से ऑफिस है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके ऑफिस का ताला तोड़कर 343 किलो तांबा तार पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीबन 2 लाख 60 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

कंपनी के सीओ ने 26 लाख से अधिक की हेराफेरी की

रायपुर/नवप्रदेश। गणनायक कार प्राइवेट लिमिटेड के सीओ ने फर्जी दस्तावेज के जरिए कंपनी से 26 लाख 44982 रुपए का हेराफेरी किया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी निकेश सरकार 39 वर्ष केडिया हाउस मुर्रा भट्ठा बिलासपुर का रहने वाला है। प्रार्थी का आमानाका में गणनायक कार प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी है। बताया जाता है कि प्रार्थी की कंपनी में आरोपी दामामुनी रवि 33 वर्ष सीओ के पद पर काम करता है। आरोपी ने वाहन खरीदी बिक्री करने के नाम पर कंपनी को 26 लाख 44 हजार 982 रूपए ठग लिए। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग थाना क्षेत्र से तीन दोपहिया पार

रायपुर/नवप्रदेश। शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने तीन दोपहिया वाहन पार कर दिया। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में गांधी नगर पंडरी निवासी सोहेल खान 20 वर्ष ने मोवा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 क्यू 6888 को अंबुजा मॉल के सामने खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में बीरगांव जागृतिनगर निवासी रामबाबू पटेल 49 वर्ष ने खमतराई थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 केटी 4622 को उरकुरा रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं तुलसी नेवरा निवासी प्रार्थी कृष्णकांत वर्मा 27 वर्ष ने नेवरा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एलजे 9717 को बुधवारी बाजार नेवरा के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से नकदी पार

रायपुर/नवप्रदेश। लीली चौक स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 76 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आजाद चौक पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी भगत अवधिया 61 वर्ष लीली चौक का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर दराज में रखे नकदी 76 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आजाद चौक पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रायपुर/नवप्रदेश। ग्राम तामासिवनी से तोरला के मध्य एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में आरंग पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक खूबचंद साहू 28 वर्ष ग्राम पोड का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी ग्राम तामासिवनी से तोरला के मध्य ट्रक क्रमांक सीजी 08 एपी 9711 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मामले में आरंग पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चार साल बाद मिला अधिग्रहित जमीन का मुआवजा, चेक हुआ बाउंस

गरियाबंद/नवप्रदेश। चार साल बाद जारी हुआ मुआवजे का चेक बाउंस होने से किसानों में आक्रोश है। पीड़ित किसान ने आरोप लगाया कि चेक क्लियरेंस के एवज में एसडीएम कार्यालय का बाबू रिश्वत मांग रहा है। पैसे न देने पर तीन बार चेक बाउंस हो चुका है। शिकायत मिलते ही जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप तत्काल मैनपुर एसडीएम कार्यालय पहुंच गए।

मामला भेजीपदर डायवर्जन सिंचाई योजना से जुड़ा है, जिसके तहत वर्ष 2021 में किसानों की कृषि भूमि अधिग्रहित की गई थी। योजना का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक किसानों को मुआवजे की पूरी राशि नहीं मिल पाई है।

घुस की रकम नहीं दिया तो चेक क्लियर नहीं, किसान का आरोप

अमलीपदर निवासी किसान शिवकुमार मिश्रा को अप्रैल 2024 में 13.63 लाख रुपये का चेक जारी किया गया था। उनके बेटे आदित्य मिश्रा ने बताया कि चेक को क्लियर कराने के लिए उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा, मैनपुर में कई बार संपर्क किया, लेकिन हर बार चेक बाउंस हो गया। आरोप है कि चेक क्लियर करने के एवज में एसडीएम कार्यालय का बाबू रिश्वत की मांग कर रहा है। जिन लोगों ने रिश्वत दी, उनके चेक क्लियर हो गए, लेकिन उन्होंने रिश्वत देने से इनकार किया, इसलिए उनका चेक अब तक नहीं क्लियर हुआ।

आदित्य ने बताया कि भू-अर्जन अधिकारी यानी देवभोग एसडीएम द्वारा जारी किया गया चेक 24 अप्रैल, 1 मई और 6 मई को तीन बार बाउंस हो चुका है। इस राशि के लिए वह अमलीपदर से मैनपुर (करीब 70 किमी) तक अब तक 20 बार चक्कर लगा चुके हैं।

अब भी सैकड़ों किसान भटक रहे

जानकारी के अनुसार, भेजीपदर, छैला और रता खंड डायवर्जन परियोजनाओं के तहत 745 किसानों की 135.21 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई थी। इसके बदले 157.96 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना था। पिछले महीने तक 207 किसानों को लगभग 125 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, लेकिन अब भी 300 से अधिक किसानों को करीब 30 करोड़ रुपये की राशि मिलनी बाकी है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने लिया संज्ञान

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप मैनपुर एसडीएम कार्यालय पहुंचे। उस समय प्रभारी एसडीएम तुलसीदास मरकाम अपने मूल कार्यालय देवभोग में मौजूद थे। अध्यक्ष ने उन्हें फोन पर पूरी जानकारी दी, जिस पर मरकाम ने तुरंत चेक का आदेश देते हुए चेक क्लियर कराने और अन्य लंबित भुगतान जल्द निपटाने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष कश्यप ने कहा कि इस तरह की घटनाएं सरकार की छवि धूमिल करती हैं। सभी लंबित भुगतान को शीघ्र निराकरण जरूरी है।

प्रभारी एसडीएम ने दिया आश्वासन

प्रभारी एसडीएम तुलसीदास मरकाम ने कहा कि चेक बाउंस होना गंभीर मामला है। इसकी जांच कर संबंधित कर्मियों को दूर किया जाएगा ताकि दोबारा ऐसी स्थिति न बने। बाकी लंबित मामलों की जानकारी भी जल्द एकत्र कर समाधान किया जाएगा।

सार्थक हो रहे सपने, संवाद से हो रहा समाधान : सीएम साय

रायपुर/नवप्रदेश । मन से मन का सरोकार, सबके सपनों का आधार, सार्थक हो रहे सपने, संवाद से हो रहा समाधान, यही तो है सुशासन तिहार यह बात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर किए अपने पोस्ट में कही है। पोस्ट के साथ सुशासन तिहार को लेकर वीडियो शेयर किया है, जो वायरल हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य में आम जनता की शिकायतों एवं मांगों के त्वरित समाधान के लिए 'सुशासन तिहार' का आयोजन पूरे उत्साह के साथ जारी है। तीसरे चरण में प्रदेशभर के गांवों और कस्बों में शासन-प्रशासन पूरी तत्परता और तन्मयता के साथ आमजन की बाते सुन रहा है और उनका का समाधान कर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं। वे हेलीकाप्टर से गांवों के आकस्मिक दौरे कर रहे हैं। शासकीय योजनाओं की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन कर रहे हैं। जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं और समाधान शिविरों में पहुंचकर लोगों की समस्याओं को सुनकर उसका मौके पर निराकरण करवा रहे हैं। यह जनता-जनार्दन के प्रति छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

अब तक मिले 41 लाख आवेदन

सुशासन तिहार के तहत अब तक 40 लाख 95 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से अधिकांश का निराकरण कर लिया गया है। इसमें धमतरी जिला ने लगभग 2 लाख 28 हजार आवेदनों में से 99.38 प्रतिशत का निराकरण कर राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश के 14 जिले धमतरी, महासमुंद, सक्ति, बालोद, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मुंगेली, रायपुर, सरगुजा, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, दुर्ग, जांजगीर-चांपा, नारायणपुर, बीजापुर ने 90 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण कर लिया है, जबकि गरियाबंद, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बलौदा बाजार-भाटापारा, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कबीरधाम, बेमेतरा, जशपुर, कोरिया, उत्तर बस्तर कांकेर, सूरजपुर जिले ने 80 से 90 प्रतिशत आवेदनों का समाधान किया है। बस्तर जिले में 78.48 प्रतिशत, कोण्डागांव में 70.97 प्रतिशत, बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 60.59 प्रतिशत, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी भरतपुर ने 59.09 प्रतिशत, कोरबा जिले ने 41.61 प्रतिशत तथा सुकमा जिले ने 30 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है, जो इस बात का प्रमाण है कि राज्यभर में त्वरित एवं प्रभावी समाधान की दिशा में निरंतर प्रयास जारी है।

रायपुर को मिले सर्वाधिक आवेदन : राज्य में सर्वाधिक रायपुर जिले में 3 लाख 764 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके बाद दूसरे क्रम पर बलौदाबाजार-भाटापारा जिला है। धमतरी, बिलासपुर और बस्तर क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवे स्थान पर हैं। निराकरण के मामले में धमतरी पहले, महासमुंद दूसरे और सक्ति जिला तीसरे स्थान पर हैं। बालोद और रायगढ़ चौथे और पांचवें क्रम पर हैं।

सुशासन तिहार के दौरान सर्वाधिक 10 लाख से अधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित प्राप्त हुए, जिनमें से 94.70 प्रतिशत का निराकरण हो चुका है। उज्ज्वला योजना से जुड़े 1.47 लाख और राशन कार्ड हेतु 1.12 लाख आवेदनों में से अधिकांश का समाधान कर दिया गया है। शहरी क्षेत्रों में सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित मांगें भी प्रमुख रहीं।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को 25 लाख 77 हजार 747 आवेदन प्राप्त हुए. राजस्व विभाग को 3 लाख 74 हजार 429, खाद्य विभाग को 2 लाख 18 हजार 113, महिला एवं बाल विकास विभाग को 1 लाख 57 हजार और नगरीय प्रशासन विभाग को 1 लाख 42 हजार 475 आवेदन प्राप्त हुए. निराकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग प्रथम, श्रम विभाग दूसरे, तथा उद्योग, पशुपालन और खाद्य विभाग क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

हॉर्डिंग के स्ट्रक्चरल सेफ्टी ऑडिट कराने के आदेश

- रायपुर निगम ने विज्ञापन एजेंसियों को भेजा लेटर
- रिपोर्ट जमा नहीं करने पर अनुमति होगी रद्द

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में पिछले दिनों अंधड़-तूफान और बारिश के चलते होर्डिंग्स फटने की कई शिकायतें मिली थी। वहीं अब रायपुर नगर निगम ने मानसून से पहले होर्डिंग के स्ट्रक्चरल सेफ्टी ऑडिट करवाने के निर्देश दिए हैं।

निगम कमिश्नर ने शहर में बिना अनुमति संचालित हो रहे अवैध होर्डिंग पर तत्काल कार्रवाई कर जुर्माना वसूल करने कहा है। निगम ने अपने आदेश में कहा कि ऐसे विज्ञापन एजेंसी संचालक जिनकी एक साल की विज्ञापन स्वीकृति अवधि भी पूरी हो चुकी है। वे ऐसे यूनीपोल, होर्डिंग की जांच सर्टिफाइड स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग से करवाए।

इन बिन्दुओं पर जांच कराने के निर्देश

ग्राउंड पर बने विज्ञापन ढांचे की फाउंडेशन (नींव) की जांच करवाकर इसकी रिपोर्ट नगर निगम कार्यालय में 10 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें। भवनों की छतों पर लगाए गए मीडिया स्ट्रक्चर की विशेष रूप से फाउंडेशन और पूरे सिस्टम की जांच कर सुरक्षा संबंधित सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। स्ट्रक्चर के सुरक्षा प्रमाण पत्र निगम कार्यालय में जमा करें। एजेंसी सभी विज्ञापन ढांचों में किसी भी प्रकार की क्षति, जंग, झुकाव, वेल्डिंग और ढांचे में कमजोरी पाए जाने पर तत्काल उसकी मरम्मत कराएं।

अवैध रेत भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 435 ट्रैक्टर किए जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। पिरैया और नगाझड़ीह गांव में अवैध रेत भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व और खनिज विभाग की टीम ने छापेमारी कर अवैध रूप से डंप की गई लगभग 435 ट्रैक्टर रेत जब्त की। यह ट्रैक्टर अज्ञात व्यक्ति ने 17 अलग-अलग जगहों पर छिपाया हुआ था। जब्त की गई रेत को संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों को सुपुर्द किया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध रेत कारोबार पर लगाम लगाने की उम्मीद की जा रही है। बता दें कि इससे पहले सिरगिट्टी, सिलपहरी, चकरभाठा, रहँगी, दगोरी, उड़नताल, मोहदा सहित अन्य क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया गया था।

छत्तीसगढ़ में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

रायपुर/नवप्रदेश। वेस्टर्न डिस्टरबेंस से छत्तीसगढ़ में तीन दिन मौसम बदला रहेगा। रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के जिलों में 3 दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आज 9 मई से 11 मई तक मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में 50-60 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है, बस्तर, सरगुजा संभाग के जिलों में गरज चमक के साथ कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक मध्यप्रदेश की तरफ बारिश का एक स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है जो धीरे-धीरे छत्तीसगढ़ की तरफ बढ़ रहा है। इसकी वजह से प्रदेश में तीन दिन मौसम बदला रहेगा। बता दें कि पिछले दो दिनों से मौसम में आए बदलाव के कारण कई जिलों में दिन का तापमान सामान्य से 5 डिग्री तक कम है।

39 से 40 डिग्री के आसपास प्रदेश का तापमान- प्रदेश में अधिकतम तापमान 39 से लेकर 40 डिग्री के आसपास चल रहा है। अगले तीन दिनों में 1 से 2 डिग्री तक अधिकतम तापमान में वृद्धि होने की संभावना है। उसके बाद कोई बदलाव होने के आसार नहीं है।

क्या होता है वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ)?- वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) कैस्पियन या भूमध्य सागर से बनने वाले तूफान होते हैं। ये भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश और ठंड लाने का काम करते हैं। असल में ये हवाएं बर्फीली होती है, जो अपने साथ नमी लेकर आती हैं।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) भूमध्यसागर से निकलती है। इसके बाद ये ईरान, इराक, अफ्गानिस्तान और पाकिस्तान से होते हुए सीधा भारत पहुंचती हैं।

नेता प्रतिपक्ष को लेकर रायपुर नगर निगम में घमासान जारी

- इस्तीफा वापस लेने के बावजूद 5 पार्षद अपनी मांगों पर अड़े
- तीसरे विकल्प की चर्चा तेज

क्या है पूरा मामला?

हाल ही में कांग्रेस ने रायपुर नगर निगम में आकाश तिवारी को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया। लेकिन इस फैसले से असहमति जताते हुए कांग्रेस के संदीप साहू समेत 5 पार्षदों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इस अप्रत्याशित कदम से कांग्रेस संगठन में हलचल मच गई और डैमेज कंट्रोल शुरू किया गया।

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। आकाश तिवारी को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के कांग्रेस के फैसले से नाराज़ पाँच पार्षदों ने भले ही पार्टी को दिया गया इस्तीफा वापस ले लिया हो, लेकिन वे अब भी अपनी मांगों पर अडिग हैं। इससे साफ हो गया है कि पार्टी के भीतर असंतोष पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और विवाद की चिंगारी अब भी सुलग रही है।

पीसीसी चीफ द्वारा गठित कमेटी ने संभाली कमान : पार्टी की आंतरिक कलह को सुलझाने की प्रक्रिया के तहत पीसीसी चीफ दीपक बैज के निर्देश पर कुरुद के पूर्व विधायक लेखराम साहू की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया, जिसमें प्रेमचंद जायसी और सुनील माहेश्वरी को शामिल किया गया। इस समिति ने सभी नाराज़ पार्षदों से वन-टू-वन चर्चा की। इसके परिणामस्वरूप नाराज़ पार्षदों ने पार्टी से दिया गया इस्तीफा वापस ले लिया है। लेकिन अब भी वे आकाश तिवारी को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के खिलाफ हैं।

इस्तीफा वापस, लेकिन अपनी मांग पर अडिग : संदीप साहू- पार्षद संदीप साहू ने लल्लूराम डॉट कॉम से चर्चा में स्पष्ट किया कि अभी पार्षदों ने कमेटी से चर्चा के बाद इस्तीफा वापस ले लिया है। पर वह अपनी मांगों से पीछे नहीं हटे हैं। कमेटी जल्द ही रिपोर्ट पार्टी को सौंपेगी।

समाधान के लिए तीसरे नाम की चर्चा- सूत्रों के अनुसार, संदीप साहू और आकाश तिवारी के बीच चल रहे विवाद को देखते हुए कांग्रेस अब किसी तीसरे व्यक्ति को नेता प्रतिपक्ष बनाने पर विचार कर सकती है। पार्टी में यह चर्चा तेज़ है कि नया नेता प्रतिपक्ष ओबीसी वर्ग से ही होगा, ताकि संतुलन साधा जा सके और संगठन में जातीय समीकरणों को बनाए रखा जाए।

जनहित में जनसुविधा | शासकीय संपति पर विज्ञापन लेखन चस्पा कर गंदा करने पर फन फेयर प्रबंधक पर 20 हजार रू. का अर्थदण्ड किया

टीम प्रहरी ने मार्गो को अतिक्रमण मुक्त करवाकर यातायात सुगम बनाने कार्यवाही की

रायपुर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार एवं अपर आयुक्त पंकज के शर्मा, उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निवेश विभाग के सहायक अभियंता सोहन गुप्ता, उपअभियंता अमित सरकार सहित विभिन्न सभी जोनो के नगर निवेश विभाग के उपअभियंतागणों की उपस्थिति में जोन कमिश्नरों के मार्गदर्शन में राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में जनहित में जनसुविधा हेतु मुख्य मार्गो में बाजार क्षेत्रों में अभियान चलाकर यातायात पुलिस बल की उपस्थिति में अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे हटाकर सड़क यातायात सुगम और सुव्यवस्थित बनाने कार्यवाही व्यापक रूप से की गई।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत नगर निगम जोन 7 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा ने जोन नगर निवेश विभाग की ओर से जोन क्षेत्र में अग्रसेन चौक समता कालोनी भैसथान मैदान के पास, शासकीय संपति में विज्ञापन लेखन चस्पा कर गंदा करने एवं रायपुर शहर की सुन्दरता को प्रभावित करने पर संबंधित फन फेयर के प्रबंधक को तत्काल 20 हजार रू. का अर्थदण्ड नगर निगम जोन 7 नगर निवेश विभाग में निगम कोष में जमा करवाने के निर्देश दिये है एवं नियमानुसार शपथ पत्र देने निर्देशित किया है अन्यथा की स्थिति में

प्रकरण में संबंधित पर नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्यवाही किये जाने निगम जोन 7 नगर निवेश विभाग द्वारा संबंधित थाना में नामजद एफआईआर दर्ज करवायी जायेगी।

नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग एवं जोनो के नगर निवेश विभाग की टीमों ने यातायात पुलिस बल सहित मिलकर विभिन्न जोनों में अभियान चलाकर कड़ी कार्यवाही की एवं मार्गो के यातायात को सुगम बनाकर नागरिको को त्वरित राहत दिलवाई। जोन 5 नगर निवेश विभाग ने आमापारा चैक में अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने एवं अतिक्रामको पर जुर्माना करने की कार्यवाही की। आमापारा मार्ग में फ्लैक्स निकालने की कार्यवाही की गई । जोन 10 नगर निवेश विभाग ने डुमरतराई थोक सब्जी मार्केट के सामने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की। डुमरतराई कौशल्या विहार गेट के सामने से एम्ब्रोशिया अटल परिसर चैक तक अभियान चलाकर नगर निगम जोन 10 नगर निवेश विभाग एवं निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता ने संयुक्त कार्यवाही की। जोन 8 नगर निवेश विभाग द्वारा वार्ड 70 के सरोना क्षेत्र से मुख्य मार्ग में रखी भवन निर्माण सामग्री रेत को जप्त करने की कार्यवाही की। जोन 5 एवं जोन 7 नगर निवेश विभाग ने मुख्य मार्गों में अतिक्रमण हटाने यातायात पुलिस बल की उपस्थिति में संयुक्त अभियान चलाकर कार्यवाही की। वहीं नगर निगम जोन 4 नगर निवेश विभाग एवं निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़नदस्ता ने यातायात पुलिस बल सहित डीकेएस सुपर स्पेसिलिटी हास्पिटल से जयस्तंभ चैक मुख्य मार्ग पर अभियान चलाकर मार्ग को अवैध कब्जों से मुक्त करने अभियान पूर्वक कार्यवाही की एवं मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाकर वाहन चालकों नागरिकों को सुगम व सुव्यवस्थित यातायात प्रदत्त कर त्वरित राहत दिलवायी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा मितल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2012/41806 संपादक-यशवंत धोटे* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, navpradesh@gmail.com